2 फरीदाबाद
वन क्षेत्र में अव्वल, स्वास्थ्य सुविधाओं में आज भी पिछड़ा फरीदाबाद

6 अभिमत
कर्नाटक में शक्ति प्रदर्शन

9 देश/विदेश
गुजरात : कारोबारी और स्कूली बच्चे सहित 35 लोग बनेंगे जैन भिक्षु

11 लोकसभा चुनाव
छत्तीसगढ़ : बस्तर में कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ लोकसभा के लिए मतदान

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 7 अंक 74
फरीदाबाद, शनिवार, 20 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रूपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

पंड्या पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा

पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	73,088	▲ 599.34	
निफ्टी	22,147	▲ 151.15	
सोना	72,660	▼ 23	/10 gm
चांदी	83,167	▼ 106	/kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 39.00°C
न्यूनतम 22.00°C

क्विक न्यूज

जजपा महासचिव हरपाल कम्बोज ने छोड़ी पार्टी

अंबाला। जननायक जनता पार्टी (जजपा) की हरियाणा इकाई के महासचिव हरपाल कम्बोज ने शुक्रवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। कम्बोज ने अपना इस्तीफा जजपा अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला को भेजा। कम्बोज ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से पार्टी छोड़ी है। इससे पहले, कम्बोज जजपा की अंबाला इकाई के शहरी जिला अध्यक्ष थे और उन्होंने अंबाला शहर से जजपा के टिकट पर 2019 का विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे थे। जजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष निशान सिंह और पार्टी महासचिव कमलेश सैनी ने भी इस महीने की शुरुआत में पार्टी छोड़ दी थी। हरियाणा की 10 लोकसभा सीट के लिए आम चुनाव के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। जजपा ने पहले ही पांच उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है और शेष उम्मीदवारों के नामों की घोषणा जल्द करने की बात कही है।

एयर इंडिया ने दुबई के लिए उड़ानें रद्द की

नई दिल्ली। दुबई में भारी बारिश और बाढ़ के बाद हवाई अड्डे पर परिचालन संबंधी व्यवधान जारी रहने के कारण एयर इंडिया ने वहां से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि जिन यात्रियों की दुबई के लिए 21 अप्रैल तक की उड़ानें बुक हैं, उनमें उड़ान का समय बदलने पर किराया माफ करने और उड़ान रद्द करने वाले यात्रियों को पूरा किराया लौटाने का प्रस्ताव दिया जाएगा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण दुबई स्थित हवाई अड्डे पर परिचालन संबंधी व्यवधान जारी रहने के बाद कंपनी ने वहां से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। फिलहाल एयर इंडिया पांच भारतीय शहरों से दुबई के लिए प्रति सप्ताह 72 उड़ानें संचालित करती है, जिनमें से 32 उड़ानें दिल्ली से हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले या वहां से आने वाले भारतीय यात्रियों को परिचालन सामान्य होने तक गैर-जरूरी यात्रा को टालने की सलाह दी।

उत्तराखंड में गंगा नदी में दो युवक डूबे

देहरादून। उत्तराखंड में ऋषिकेश के निकट दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में गंगा नदी में दो युवक डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि युवकों की तलाश के लिए नदी में अभियान चलाया जा रहा है। पहली घटना कौड़ियाला में हुई जहां बिहार के सीतामढ़ी जिले का आदित्य कुमार (23) अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने के दौरान उसके तेज बहाव के चलते डूब गया। कुमार और उसके दोस्त चोपता पर्यटक स्थल घूमने के बाद लौट रहे थे और बीच में नदी में नहाने के लिए रूक गए थे। दूसरी घटना मुनि की रेती क्षेत्र में नीम बीच के पांडव पत्थर के पास हुई, जहां रवि वर्मा (26) गंगा में नहाते समय डूब गया। दिल्ली के उत्तम नगर का रहने वाले रवि पड़ोसी प्रवीण वर्मा के परिवार के साथ ऋषिकेश घूमने आया था।

102 सीटों पर लगभग 63 फीसद मतदान हुआ

पहला चरण : मोदी की अपील के बावजूद मतदान प्रतिशत खिसका

- बिहार की चार सीटों पर सबसे कम हुआ मतदान
- उत्तराखंड में भी सात प्रतिशत कम रहा मतदान
- त्रिपुरा की एक सीट पर 80 फीसद मतदान रहा
- 2019 में 102 सीटों में से 40 सीट जीती थी भाजपा ने
- वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में फायरिंग, कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को होगी वोटिंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा के पहले चरण में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई। सीटों के हिसाब से यह सबसे बड़ा फेज है। शाम छह बजे तक 63 फीसदी वोटिंग हुई है। फाइनल वोटिंग प्रतिशत अभी नहीं आया है। सबसे ज्यादा 80 प्रतिशत वोट त्रिपुरा में डाले गए, जबकि बिहार में सबसे कम 48 प्रतिशत वोटिंग हुई। हालांकि सुबह पीएम मोदी ने सभी से वोट डालने की अपील की थी। उन्होंने हिंदी, तमिल, मराठी समेत 5 भाषाओं में ट्वीट किया था लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह नहीं दिखाई दिया। बिहार की चार सीटों पर सबसे कम मतदान होना आश्चर्यचकित नहीं बल्कि सत्ताधारी पार्टी के लिए अलार्मिंग स्टेज है। वोटिंग के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में फायरिंग, बंगाल के कूचबिहार में हिंसा और छत्तीसगढ़ के बीजापुर में ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ है। ब्लास्ट में एक असिस्टेंट कमांडेंट और जवान घायल हैं।

मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर भी इस फेज में वोटिंग है। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी। 2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। इस फेज में अधिकतर सीटों पर मुकाबला इन्हीं 3 दलों के बीच है। पहले चरण फेज में 1,625 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 1,491 पुरुष, 134 महिला कैंडिडेट हैं। 8 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल भी इस बार चुनाव मैदान में हैं। इस फेज के बाद 26 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग होगी। कुल 7 फेज में 543 सीटों पर 1 जून को मतदान खत्म होगा। सभी सीटों के रिजल्ट 4 जून को आएंगे।

उत्तराखंड में 2019 के मुकाबल 7 फीसद कम वोट पड़े

उत्तराखंड की सभी 5 लोकसभा सीटों पर 53.65 फीसद मतदान हुआ। लोकसभा चुनाव 2019 में 61.48 फीसद मतदान हुआ था। इस हिसाब से इस बार 7.83 फीसद कम वोटिंग हुई है। प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटिंग नैनीताल-ऊधमसिंह नगर में 59.39 फीसद रही। अल्मोड़ा में 44.43 फीसद, हरिद्वार में 59.12 फीसद, टिहरी गढ़वाल में 51.28 फीसद, गढ़वाल में 48.79 फीसद, नैनीताल-ऊधमसिंहनगर में 59.39 फीसद मतदान हुआ।

बिहार में पहले चरण की 4 सीटों पर महज 48.37 फीसदी मतदान

पहले चरण फेज में बिहार में 6,097 पोलिंग बूथ पर वोट डाले गए। पहले चरण की 4 सीटों पर शाम 6 बजे तक कुल 48.37 फीसदी मतदान हुआ। गया में सबसे ज्यादा 52 और नवादा में सबसे कम 41.50 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, औरंगाबाद और जमुई में 50 प्रतिशत मतदान हुआ है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में औरंगाबाद में 53.63, गया में 56.16, नवादा में 49.33 और जमुई में 55.21 प्रतिशत मतदान हुआ था।

लोग चुनाव को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं : नरेश टिकैत

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने 400 का आंकड़ा पार करने के दावे को लेकर शुक्रवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोग चुनाव को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। टिकैत ने कहा, अगर वे 400 कह रहे हैं, तो उन्हें चुनाव लड़ने की क्या जरूरत है? ये खास बात है कि वे इसे पहले से ही मान कर चल रहे हैं। क्या उनके पास कोई ज्योतिषी है जिसने भविष्यवाणी की है कि यह होने वाला है। पहले चरण में शुक्रवार को मुजफ्फरनगर समेत पश्चिमी उप्र की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान हो रहा है।

उन्होंने कहा, लोग वोट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। हालांकि मतदान की रफ्तार धीमी है और शाम तक ऐसा ही रहेगा। लोगों में अब कोई उत्साह नहीं है, उनका भ्रम टूट गया है। साथ ही, चुनाव कई चरणों में हो रहे हैं। चुनाव एक ही चरण में होने चाहिए और नतीजे तीसरे दिन घोषित किए जाने चाहिए और अगले चार-पांच दिनों में (नई सरकार का) शपथ ग्रहण होना चाहिए। टिकैत ने कहा, देश में आपातकाल जैसे हालात हैं। जनता के बीच इस तरह की बातें हैं। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र के लोगों को गुलामी पसंद नहीं है। शायद कोई क्षेत्र, राज्य या सीट होगी, जिन्हें गुलामी पसंद है। लोग वोट न देकर गुलामी का विरोध कर रहे हैं। किसान नेता ने कहा, बूथ कब्जाने का युग बीत चुका है। हर कोई मशीन के बारे में शिकायत कर रहा है तो फिर मतपत्रों के माध्यम से चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे हैं? 90-95 प्रतिशत लोग मशीन (ईवीएम) के खिलाफ हैं। यह एक मशीन है, और इसमें छेड़छाड़ हो सकती है। गन्ना किसानों को भुगतान के बारे में टिकैत ने कहा, वे भुगतान को एहसान के रूप में दिखाते हैं। क्या वे मुफ्त में दे रहे हैं? क्या हमने उन्हें अपना गन्ना उत्पाद नहीं दिया है? किसान आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और महसूस कर रहे हैं कि उन्होंने सब कुछ खो दिया है। किसान दुखी हैं।

केजरीवाल की जेल में हत्या की साजिश का आरोप पूरी तरह से झूठ : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जेल में हत्या की साजिश रचने के आम आदमी पार्टी (आप) के आरोपों को शुक्रवार को पूरी तरह से झूठा बताकर खारिज कर दिया और सत्तारूढ़ दल से सनसनीखेज बयान देने से बचने को कहा। यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा, हम सभी उनकी (केजरीवाल की) लंबी उम्र की कामना करते हैं। हम सभी चाहेंगे कि उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे। हमसे ज्यादा जेल प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि उनके मरीजों (कैदियों) का ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा, कोई भी सरकारी एजेंसी या जेल प्रशासन क्यों चाहेगा कि उनकी (बिगड़ती) स्वास्थ्य स्थिति के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जाए और उनके जीवन को खतरे में डालने की कोशिश क्यों की जाएगी? कोई ऐसी बातें क्यों करेगा?

बीते वित्त वर्ष में ईपीएफओ से 1.65 करोड़ नए सदस्य जुड़े

एजेंसी। नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ में सदस्यों की संख्या बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 1.65 करोड़ बढ़ गई, जो एक साल पहले की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों से संबंधित नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, पिछले साढ़े छह वर्षों में 6.1 करोड़ से अधिक सदस्य कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े हैं, जो नौकरी बाजार के सामान्य होने का संकेत है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि ईपीएफओ ने 2018-19 में शुद्ध रूप से 61.12 लाख सदस्य जोड़े थे, जो 2019-20 में बढ़कर 78.58 लाख हो गए। हालांकि वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण स्थिति असमान्य हो गई थी। स्थिति सुधरने पर 2021-22 में 1.22 करोड़ नए सदस्य और 2022-23 में 1.38 करोड़ सदस्य जोड़े गए। अधिकारी ने बताया कि ईपीएफओ में शामिल होने वाले नए सदस्यों की शुद्ध संख्या 2022-23 के 1.38 करोड़ से 19 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2023-24 में 1.65 करोड़ हो गई।

मेट्रो ट्रेन में हथियारों के साथ सफर कर सकेंगे दिल्ली पुलिसकर्मी

नई दिल्ली। पहली बार, दिल्ली पुलिस के जवान आपातकालीन स्थिति के दौरान यातायात जाम में फंसने से बचने और घटनास्थल पर जल्दी पहुंचने के लिए हथियारों के साथ मेट्रो ट्रेन में सफर करते नजर आएंगे। यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। अधिकारियों के मुताबिक, डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन) और मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा जांच के लिए तैनात सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के साथ हाल ही में हुई बैठक में दिल्ली पुलिस के प्रस्ताव पर हरी झंडी मिल गई है। फिलहाल दिल्ली पुलिस के जवानों को हथियार लेकर मेट्रो में सफर करने की इजाजत नहीं है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के लिए अंतिम तौर-तरीके तैयार कर लिए गए हैं और अगर संभव हुआ तो इसे दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जा सकता है।

ईरान के परमाणु ठिकाने वाले शहर पर इजराइल का हमला, सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरा

एजेंसी। तेहरान

इजराइल ने ईरानी हमले के 6 दिन बाद शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे (भारतीय समयानुसार) जवाबी कार्रवाई की है। इजराइल ने ईरान के परमाणु ठिकाने वाले शहर इस्फहान को निशाना बनाया। टाइम्स ऑफ इजराइल ने कहा है कि हमला ईरान के एयरबेस पर हुआ है। इसके अलावा इराक और सरिया में भी एयरस्ट्राइक की गई हैं। इस्फहान वही प्रांत है, जहां नतान्ज समेत ईरान की कई न्यूक्लियर साइट्स मौजूद हैं। ईरान की फारस न्यूज एजेंसी ने भी धमाकों की आवाज सुनाई देने की जानकारी दी। हमला ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के 85वें जन्मदिन पर हुआ है। हालांकि, इजराइल ने अब तक हमले की पुष्टि नहीं की है। वहीं, ईरान ने कहा है कि उन्होंने इस्फहान में 3 ड्रोन्स को मार गिराया है। इससे पहले 13 अप्रैल को ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा मिसाइल और ड्रोन्स से हमला किया था।

हमले को रोकने में फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका ने इजराइल की मदद की थी। इजराइल ने कहा था कि ईरान के 99 फीसद हमलों को रोक दिया गया। ईरान के हमले के बाद इजराइल ने बदला लेने की

चेतावनी दी थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई के लिए वॉर कैबिनेट की 5 बैठकें की थीं। ईरान पर हमले के बाद शुक्रवार दोपहर पेरिस में एक शख्स ईरान के कॉन्सुलेट में घुस गया। इसके बाद पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शख्स के पास विस्फोटक होने की आशंका थी। हालांकि, तलाशी में उसके पास कुछ नहीं मिला। जब उसे गिरफ्तार किया जा रहा था तो वो बस ये कह रहा था कि उसे अपने भाई की मौत का बदला लेना है। ईरान के हमले के बाद इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई कर दी है। इससे दोनों देश जंग के मुहाने पर खड़े हैं। हालांकि, फिलहाल जंग होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने ईरान पर बड़ी स्ट्राइक नहीं की है। इजराइल ने इस बात को स्वीकार भी नहीं किया है कि उनकी तरफ से हमला किया गया है। वहीं, ईरान ने भी सिर्फ इतना कहा है कि बाहर इलाके से आए 3 ड्रोन को मार गिराया गया है। हमले से उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। टाइम्स ऑफ इजराइल ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया है कि ईरान में हुए हमले पर पलटवार नहीं करेगा। हमले का मकसद सिर्फ ईरान को नुकसान पहुंचाना नहीं सिर्फ चेतावनी देना था। ईरान के हमले और इजराइल के पलटवार से लगता है कि दोनों देशों का मकसद सिर्फ मैसेज भेजने तक सीमित था। ये टकराव को जंग तक नहीं पहुंचाना चाहते हैं। एयर इंडिया ने शुक्रवार को ईरान पर इजराइल के हमले के चलते 30 अप्रैल तक तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं। कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा कि मिडिल ईस्ट में हालातों को देखते हुए तेल अवीव से हमारी उड़ानें 30 अप्रैल 2024 तक सस्पेंड रहेंगी। हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और इस जिन यात्रियों ने टिकट बुक की है, उन्हें फ्री रिशेड्यूल और कैंसिलेशन का विकल्प मिलेगा।

अग्रवाल महाविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शुक्रवार को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में विज्ञान पोस्ट ग्रेजुएशन के विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मूल उद्देश्य पोस्ट ग्रेजुएशन अंतिम वर्ष के छात्र तथा छात्राओं को शोध के क्षेत्र में हो रही नवीनतम तकनीकों के बारे में समझाना तथा इस क्षेत्र में उनके रुझान को समावेशित करना था। एक अच्छे तथा विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता के जनरल में रिसर्च आर्टिकल को प्रकाशित करने के बिंदुओं पर भी ध्यान दिया गया। डॉ. प्रियंका सहरावत ने छात्रों को नई स्थापनाओं के विषय में बताया।

बीजेपी सरकार में बेरोजगारी व महंगाई चरम पर : ललिता चौधरी

कहा, बीजेपी ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वायदा किया था

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वरिष्ठ इनेलो नेता व पूर्व इनेलो जिला महासचिव पलवल ललिता चौधरी ने पायनियर को दिए अपने इंटरव्यू में देश व प्रदेश की सरकार को हर मोर्चे पर पूरी तरह से नाकामयाब बताया है। उन्होंने कहा है कि बीजेपी सरकार अपने दस साल के शासनकाल में पूरी तरह से विफल रही है। बीजेपी ने सत्ता में आने से पहले जनता से जो चुनावी वायदे किए थे, उनमें से किसी को भी पूरा नहीं किया गया है। बीजेपी के शासनकाल में बेरोजगारी व महंगाई चरम पर है। विकास कागजों तक ही सीमित है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। किसान, मजदूर और छोटे व्यापारी सभी दुखी व परेशान हैं। इनेलो के शासनकाल में जो स्कूल, कॉलेज, स्टेडियम, सड़कें बनाई गई थीं, बीजेपी के शासनकाल में उनकी मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। किसानों को उनकी फसलों की उचित कीमत नहीं मिलने से किसान की हालात भी दयनीय हो गई है। बीजेपी के शासन से जनता पूरी तरह से त्रस्त व दुखी है। इसकी वजह से आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुकी है। बीजेपी के नेताओं का भारी विरोध हो रहा है। कई जगह तो उन्हें गांवों में घुसने तक नहीं दिया जा रहा है।

ललिता चौधरी ने कहा कि बीजेपी ने दो करोड़ रोजगार हर साल देने का वायदा जनता से किया था। दस साल के शासनकाल में 20 करोड़ लोगों को रोजगार मिलना चाहिए था। परंतु बीजेपी ने सत्ता में आते ही विभागों का निजीकरण कर

रोजगार छीनने का काम किया है। उन्होंने बताया कि बीजेपी के शासनकाल में विदेशी पूंजी निवेश बढ़ने के लंबे-चौड़े दावे किए जा रहे हैं। परंतु धरातल पर कहीं विदेशी पूंजी निवेश नहीं दिखाई देता है। कंपनियां देश व प्रदेश से पलायन कर रही हैं। जिससे रोजगार के अवसर घटे हैं। बीजेपी द्वारा किसानों की आय दोगुना करने का वायदा भी एक जुमला साबित हुआ है। किसानों को आज उनकी फसलों की उचित कीमत भी नहीं मिल रही हैं। जिससे किसानों को एमएसपी तक के लिए आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। बीजेपी ने पैट्रोल, डीजल, रसोई गैस व लोगों की जरूरतों के सामानों को कम करने का वायदा किया था। परंतु सत्ता में आते ही इनके दाम दोगुने हो गए। जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है। उन्होंने बताया कि ओमप्रकाश चौटाला की इनेलो सरकार में लाखों युवाओं को सरकारी क्षेत्र में रोजगार दिया गया था। परंतु उसके बाद की सरकारों ने कोई रोजगार नहीं दिया है। जिससे प्रदेश का युवा बहुत ही दुखी और परेशान है। बीजेपी सरकार ने हजारों लाखों बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांगों की पेंशन आर्थिक हालात का बहाना बनाकर काट दी है, जिससे वे नाराज हैं। इनेलो के शासनकाल में सभी बुर्जगों, विधवा और दिव्यांगों के लिए पेंशन की व्यवस्था थी। चौधरी ने बताया कि इनेलो सुप्रीमो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने वायदा किया है कि प्रदेश में इनेलो सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार, बुजुर्ग की कटी पेंशन बहाल की जाएगी, महिलाओं को रसोई के लिए प्रति महीने राशि व एक सिलेंडर की व्यवस्था की जाएगी।

वन क्षेत्र में अव्वल, स्वास्थ्य सुविधाओं में आज भी पिछड़ा फरीदाबाद

बीके अस्पताल में वर्षों से आईसीयू की सुविधा की दरकार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वन क्षेत्र के मामले में फरीदाबाद जिला अव्वल जिलों में शुमार होता है। परंतु उसके बाबजूद भी इस जिले का सबसे पुराना व बड़ा अस्पताल सुविधाओं के मामलें में आज भी पिछड़ा हुआ है। जिसकी वजह से इस अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को दूसरे शहरों में धक्के खाने को मजबूर होना पड़ता है। लोगों का कहना है कि फरीदाबाद के बीके अस्पताल में आईसीयू की सुविधा नहीं होने की वजह से यहां पर तैनात डॉक्टर गंभीर रूप से बीमार व घायलों को दिल्ली व रोहतक अस्पतालों को रेफर कर देते हैं। दूसरे शहरों में इलाज करवाने पर मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बगैर देरी के बीके अस्पताल में आईसीयू की सुविधा शुरू करने की मांग की है। जिससे लोगों को इलाज की सुविधा समय पर मिल सके। फरीदाबाद वन क्षेत्र के मामले में अव्वल स्थान रखता है। वन क्षेत्र क्षेत्रफल के मामले में पंचकूला व यमुनानगर के बाद फरीदाबाद का तीसरा स्थान आता है। परंतु यहा का मुख्य बीके अस्पताल आज भी जन सुविधाओं से वंचित है। जिससे यहां के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फरीदाबाद जिले में स्थित अरावली की पहाड़ियों व दूसरे क्षेत्र में काफी वन क्षेत्र है। जो जिले की आबोहवा को सही रखता है। वहीं पर्यटकों को भी अपने यहां पर आने के लिए आमंत्रित करता है। उसके बाद फरीदाबाद के बीके अस्पताल में आज भी आईसीयू की सुविधा नहीं होना चिंताजनक हैं। लोगों का कहना है कि बीके अस्पताल में फरीदाबाद, पलवल क्षेत्र से हर रोज सैकड़ों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिन्हें आगे रेफर करना पड़ता है। वहां जाने में मरीज को कई बार घंटों का समय लग जाता है। इसकी वजह से मरीज का इलाज समय पर नहीं हो पाता। वहीं अधिक खून बहने से मरीज कई बार इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ देता है। जो सही सलामत दूसरे शहरों में पहुंच भी जाता है, वो वहां पर आने-जाने व दवाइयों के खर्चे से आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। कई बार मरीज के रिश्तेदारों को उधार लेकर इलाज करवाना पड़ता है। जिससे उन्हें जमीन, मकान तक गिरवी रखना पड़ जाता है। लोगों का कहना है कि बीके अस्पताल में तुरंत ही आईसीयू की सुविधा शुरू की जाए।

फरीदाबाद जिला वन क्षेत्र के मामले में प्रदेश के अव्वल जिलों में शुमार किया जाता है। परंतु यहां का बीके अस्पताल आज भी आईसीयू जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जिससे यहां पर आने वाले मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों को धक्के खाने को मजबूर होना पड़ता है। **-रूपेश तंवर**

बीके अस्पताल में तुरंत ही आईसीयू की सुविधा शुरू की जाए। जिससे इलाज के लिए आए मरीजों को फरीदाबाद में ही सुविधा मिल सके। इससे उनके समय व पैसे की तो बचत होगी ही, साथ ही उचित व बेहतर इलाज मिल सकेगा।

-कुणाल

युवा बोले सरकार कौशल निगम की भर्ती बंद कर स्थाई रोजगार दे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा चुनाव की तारीख ज्यों-ज्यों नजदीक आ रही है, लोगों के बीच पार्टियों की नीतियों और वायदों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। चार लोगों के इकट्ठे होते ही यह चर्चा जोर पकड़ जाती हैं। लोग चुनाव के पास आते ही खुलकर पार्टियों का विरोध व समर्थन कर रहे हैं। पलवल में जीटी रोड पर सवारी के इंतजार में बैठे युवा पवन कुमार का कहना था कि बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से स्थाई रोजगार के चांस कम हुए हैं। सरकारी विभागों में नई भर्ती नहीं हो रही हैं, जिससे युवा परेशान हैं। सरकारी विभागों में खाली पड़े स्थाई पदों पर हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत भर्ती की जा रही है। जिनका वेतन बहुत ही कम होता है। मंहगाई के दौर में 12 से 15 हजार की नौकरी ही मिलती है। जिससे रोजी रोटी का गुजारा भी करना दूभर हो गया है। वहीं रोहित ने कहा कि केंद्र व हरियाणा की राज्य सरकार को विभागों में खाली पदों पर स्थाई भर्ती करनी चाहिए। जिससे देश व प्रदेश के युवाओं को स्थाई रोजगार मिलने पर आगे शादी-ब्याह में आसानी रहे। रोजगार के अभाव में युवा के शादी ब्याह भी नहीं हो रहे हैं। इस अवसर पर सुमित व हरकेश का कहना था कि सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर सरकार को भर्ती करनी चाहिए। जिससे बेरोजगारी पर लगाम लगे। उनकी बात को काटते हुए दिनेश का कहना था कि बीजेपी के शासनकाल में विकास ने गति पकड़ी है। एक्सप्रेस वे और हाईवे का निर्माण तेज गति से किया जा रहा है। इसकी वजह से एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाना सुगम हुआ है। वहीं हाईवे के निर्माण के बाद उनके आसपास औद्योगिक इकाइयां भी स्थापित हो रही हैं। जिनमें युवाओं को रोजगार मिल रहा है। वहीं नए कॉलेज, स्कूलों का निर्माण भी हुआ है। जिससे छात्रों के लिए शिक्षा सुगम हुई है।

किसानों के दुख दर्द को नहीं सुन रही सरकार : मनधीर सिंह मान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनधीर सिंह मान लगातार लोगों से जनसंपर्क साध रहे है। इसी कड़ी मे मनधीर सिंह मान फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की मंडियों का दौरा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने किसानों से भी उनका हाल-चाल जाना। मान ने गांव मोहना की मंडी का दौरा किया, वहां पर किसान के अनाज को खुले आसमान के नीचे देखकर मनधीर सिंह मान ने भाजपा सरकार की योजनाओं को खोखला बताया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार केवल किसान की मदद का दिखावा करती है।

किसान का पसीना सूखने से पहले उनको उसकी मेहनत का फल मिल जाना चाहिए, लेकिन इस सरकार में 10 -10 दिन तक अनाज का पैसा नहीं मिलता है। 72 घंटे में किसानों के अनाज का पैसा देने का दावा करने वाली सरकार के दावे खोखले नजर आ रहे हैं। 10 दिन पहले खरीदे गए गेहूं के पैसे अभी तक किसानों के खाते में नहीं पहुंचे हैं।

मनधीर मान ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि झूठ और जुमले की सरकार ने बस किसानों की तकलीफें बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि किसान पूरे साल खेत में मेहनत करके पीला सोना उगता है, ताकि लोगों के पेट की आग बुझाई जा सके। वह साल भर इस बात को लेकर भी इंतजार करता है कि जब उसकी फसल बिकेगी तो वह अपने बच्चों की शादी और बच्चों की फीस भी जमा कर आएगा। लेकिन कमाल की बात है कि जो सरकार लगातार किसानों के भले का दावा करती है उस सरकार में किसान धक्के खाने को मजबूर हैं। इस सरकार ने किसान को कर्जदार बना दिया है। इस सरकार में पूरे देश का किसान परेशान है।

वोटर्स बोले चुनाव में स्थानीय मुद्दों की बात नहीं होती

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा के चुनाव की तिथि घोषित होते ही हर क्षेत्र के संभावित

उम्मीदवारों ने अपनी कमर कस ली है। जहां एक ओर प्रत्याशी टिकट की जुगत में लगे हैं। वहीं लोग भी अपने क्षेत्र से ऐसा उम्मीदवार जिताना चाहते हैं तो उनकी उपेक्षाओं पर खरा उतर सके। वे अनेक स्थानीय समस्याओं से जूझ रहे हैं।

क्षेत्र की जनता को जन प्रतिनिधियों से आस होता है। जनता की समस्याओं को हर संभव समाधान करने के लिए सांसद को सक्रिय रहना चाहिए। सड़क, नाली, पानी जैसी मुलभुत सुविधाओं को जनजन तक पहुंचाना चाहिए।

-खेमचंद

कॉलोनी में गंदगी का आलम रहता है। साथ ही थोड़ी सी बारिश से पार्क व गलियों में पानी भर जाता है। इसका समाधाना होना चाहिए। क्षेत्र में पानी की सप्लाई सुनिश्चित हो, ऐसा सांसद होना चाहिए। **-डिगंबर**

कॉलोनी में कई जगह कूड़े का ढेर रहता है। कूड़ेदान की समुचित व्यवस्था नहीं है। लोग खुले में कचरा फेंकने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसा उम्मीदवार हो जो स्थानीय समस्याओं को दूर कर सके।

-दीपिका

सांसद ऐसा होना चाहिए जो समय समय पर अपने क्षेत्र का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुन उन्हें तुरंत दूर करे। उसे जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए, केवल कार्यालय में बैठने वाला सांसद नहीं चाहिए।

-नीतू

मंडियों में गेहूं की खरीद के साथ उठान पर दें ध्यान : विक्रम सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश विक्रम सिंह की अध्यक्षता में गेहूं की खरीद और लिफ्टिंग के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित की गई। विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में गेहूं खरीद के साथ-साथ लिफ्टिंग पर अधिक विशेष ध्यान दें। ताकि मंडियों में किसानों और व्यापारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना आए।

उन्होंने कहा कि डेलीबेसिज पर संबंधित एसडीएम मंडी से खरीद और उठान कार्यों की समीक्षा व निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद की अध्यक्षता में गठित कमेटी बल्लभगढ़, मोहना, फतेहपुर बिल्लोच, खेड़ी कला सहित सभी मंडियों में खरीद, उठान और पेयमेंट संबंधित तमाम व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए मॉनिटरिंग करेगी। विक्रम सिंह ने कहा कि एफसीआई के अधिकारी को ट्रकों की लोडिंग और अनलोडिंग के कार्यों में तेजी लाना सुनिश्चित करें और रोड मूवमेंट डेलीबेसिज पर चेकिंग करते रहे। वहीं जो भी ठेकेदार ढिलाई बरतता पाए जाने पर उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें।

जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि सरकारी हिदायतों के अनुसार फसलों के रबी सीजन के दौरान जिला की मंडियों में खरीद का कार्य गत एक अप्रैल से किया जा रहा है और अब लिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाना सुनिश्चित करें। ताकि किसानों, व्यापारियों और आम जनता को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि जमींदारों, आढतियो को मंडियों में कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। वहीं प्रत्येक मंडी और गोदाम में एक प्रशासनिक नोडल अधिकारी और कर्मचारी की नियुकित सुनिश्चित करें।

जिलाधीश विक्रम सिंह ने बैठक में जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, कृषि विपणन बोर्ड, हैफेड, एफसीआई, वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन तथा मंडी एसोसिएशन के पदाधिकारियों से एक एक करके बारीकी से विस्तृत जानकारी ली गई। सरकारी हिदायतों के अनुसार रबी सीजनल फसलों की खरीद फरोख्त और उठान कार्यों के लिए साफ-सफाई, झराई, तुलाई, उठाई, फसलों की आन लाइन प्लेटफार्म प्रणाली के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अदायगी सहित तमाम पहलुओं पर बारीकी से समीक्षा की गई।

जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की अधिकारी सीमा शर्मा ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा रबी की फसलों के खरीद के लिए सरकारी हिदायतों के अनुसार की जाने वाले संभावित क्रियान्वयन बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी। वहीं एक एक करके अन्य विभागों और कारपोरेशन के अधिकारियों ने उनके विभागों के द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन की बारीकी से जानकारी दी गई।

बता दें कि सरकारी हिदायतों के अनुसार रबी सीजनल फसलों की खरीद फरोख्त और उठान का काम निरंतर चलाया जा रहा है। बैठक में एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, डीएफसी सीमा शर्मा, हैफेड, एफसीआई, वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन और कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारी तथा मंडी एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

यूपीएससी की परीक्षाएं फ्री एंड फेयर करवाने के बनें भागीदार : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में 21 अप्रैल को संघ लोक सेवा आयोग/यूपीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली सीडीएस, एनडीए व नेवल एकेडमी परीक्षा को सुनियोजित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करना सुनिश्चित करें। जिलाधीश शुक्रवार को सेक्टर-12 लघु सचिवालय के सभागार कक्ष में आयोजित रिहर्सल की अध्यक्षता करते हुए प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि अधिकारी यूपीएससी की परीक्षाएं फ्री एंड फेयर करवाने के भागीदार बनें। विक्रम सिंह ने कहा कि जिला में रविवार को आयोजित होने वाली संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं की तैयारियों को लेकर पुलिस और प्रशासन पूर्णतया मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि यूपीएससी की 14 केन्द्रों पर तीन शिफ्टों में सीडीएस की और दो शिफ्टों में एनडीए व नेवल एकेडमी की परीक्षाएं आयोजित करवाई जा रही है। जिलाधीश ने रिहर्सल में परीक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि ड्यूटी पर लगाए गए अधिकारी 21 अप्रैल को होने वाली लिखित परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ले।परीक्षा केंद्रों पर शौचालयों आदि तमाम सभी व्यवस्था पूरी जांच एक दिन पहले जरूर करें। परीक्षाओं की पवित्रता तथा कानून व्यवस्था स्थापित करने के लिए केंद्रवार ड्यूटी मजिस्ट्रेट, ट्रांजिट ऑफिसर एवं लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर की नियुक्तियां की गई हैं। लिखित परीक्षा के सफल आयोजन के लिए अन्य अधिकारियों द्वारा सभी ऑफिसर एवं मजिस्ट्रेट को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। यूपीएससी की हिदायतों के अनुसार कार्य करें।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट मो.नं. -7428353299
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक मो. नं. - 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ मो.नं.- 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मो.नं.-9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक, मो. नं. 9910754890
- हितेश सेक्टर-29, फरीदाबाद मो. नं. 9910533103

बहुत कहने की चाहत है मगर कहने से डरते हैं
गुज़रते वक़्त से भी कब यहाँ अब ज़ख़्म भरते हैं
बड़ी तक़लीफ़ होती है यहाँ जीने की ख़्वाहिश में
मगर ख़्वाहिश में जीने की यहाँ हर रोज़ मरते हैं

कांग्रेस राज में गरीब और गरीब होता गया : नायब सिंह सैनी

कहा, 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग आये गरीबी से बाहर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी ने पृथला में कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए हमेशा गरीबों का इस्तेमाल किया है। कांग्रेस को गरीब की परवाह ना पहले थी और ना ही अब है। कांग्रेस ने तो गरीब को और गरीब करने का ही काम किया है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गाँधी ने 1970 में गरीबी हटाने का वादा किया, राहुल ने पिछली बार राजस्थान में गरीबी हटाने का झूठ बोला और और आज फिर गरीबी हटाने का झूठ बोल रहे हैं। 55-60 सालों के राज में कांग्रेस को कभी भी गरीब की परवाह नहीं थी, कांग्रेस ने सत्ता के लिए हमेशा गरीब का इस्तेमाल किया। श्री सैनी ने कहा कि मोदी को गरीब के हित की चिंता है, इसलिए मोदी जी गरीब के चेहरों पर मुस्कान लाने का कार्य कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को मजबूत कर गरीबी रेखा से बाहर किया है। फरीदाबाद की पृथला विधानसभा में भाजपा उम्मीदवार केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के समर्थन में विजय संकल्प रैली की संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 सालों में हरियाणा का ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विकास नहीं हुआ हो। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई जिला भी नहीं बचा जिसमें चार लेन रोड लोगों के रास्तों को सुगम ना बनाती हो। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली से पृथला आने में चार-चार घंटे लग जाते थे, आज मात्र 20 मिनट में मैं खुद पृथला पहुंच गया, यह कमाल अगर हुआ है तो नरेंद्र मोदी और डबल इंजन की सरकार में हुआ है। नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले दिनों दो बार हरियाणा आये और उन्होंने ऐम्स और द्वारका एक्सप्रेस की दो बड़ी सौगातें हरियाणा को दी। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने पिछले साल ही फरीदाबाद में माता आनंदमयी हॉस्पिटल का उद्घाटन भी

किया था ताकि लोगों को उचित स्वास्थ्य सुविधा मिल सके और समय पर इलाज हो सके। श्री सैनी ने कहा कि 10 वर्षों में इतने काम हुए हैं कि गिनवाने लगे तो समय कम पड़ जाएगा। पीएम मोदी ने देश की समस्याओं का समाधान करते हुए धारा-370 हटाई। मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम लला भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान हुए।

कांग्रेस को निशाना पर लेते हुए सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा है। कांग्रेस इस समय मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास को देखकर बौखलाई हुई है। देश और प्रदेश की जनता को ना कांग्रेस पर विश्वास है और ना ही कांग्रेस के घोषणा पत्र पर है। श्री सैनी ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र मोदी जी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि 25 मई को जनता जनार्दन मोदी की गारंटी पर वोट करते हुए कमल का बटन दबाएगी। श्री सैनी ने कहा कि मोदी ने 2029 तक 80 करोड़ लोगों को लगातार राशन देने की गारंटी दी है। सूर्य योजना के माध्यम से जीरो बिजली का बिल, आयुष्मान कार्ड योजना में पांच लाख का निशुल्क इलाज का अधिकार और अब बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड से जोड़कर दिया है। नायब सैनी ने कहा कि एक देश में एक चुनाव और यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने का काम भी मोदी सरकार ही करेगी।

नायब सैनी ने कहा कि घर्मांडिया गठबंधन में बौखलाहट है। अब कांग्रेस भी मानने लगी है कि मोदी जी की गारंटी 100 प्रतिशत पूरी होगी। श्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसानों की चिंता नहीं की। किसानों को कांग्रेस ने सिर्फ बरगलाने का काम किया है। जबकि मोदी सरकार किसान हित की सरकार है। मोदी 1100 करोड़ रूपया फसल खराब होने पर देने का काम किया है।

मृतक की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, एक नामपता नामालूम व्यक्ति की शव दिनांक 17.04.2024 को प्रहलादपुर पुल, नियर रेलवे क्रॉसिंग के पास मिला है, जिसका हुलिया रंग गोरा, लम्बूतरा चेहरा, फुर्तीला शरीर, बाए हाथ की कोहनी से नीचे टेटू गुदवाया हुआ है, कद करीब 5 फुट 5 इंच बा उम्र करीब 30 साल है, जिसने आसमानी रंग की डेमेज जीन्स व काले रंग की बनियान तथा महरूम रंग की कमीज और स्लेटी रंग का अन्डरवियर पहना हुआ है, मुकदमा नम्बर 19 दिनांक 17.04.2024 धारा 174 द.प्र.स. अगर किसी व्यक्ति को नामपता नामालूम व्यक्ति के शव के बारे में सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सम्पर्क करें।

प्रबन्धक अफसर थाना सदर बल्लभगढ़, फरीदाबाद : 9582200133
थाना सदर बल्लभगढ़, फरीदाबाद : 0129-2989729
अनुसन्धान अधिकारी उ.नि. ईश्वर सिंह : 8459745998

दलाल ने सुहागन की बना दी विधवा पेंशन

डेढ़ साल तक महिला का शारीरिक शोषण करता रहा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत का एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। एक महिला के पति के जिंदा रहते हुए दलाल ने महिला की विधवा पेंशन बनवा दी। इसके बाद लगभग डेढ़ साल तक महिला का शारीरिक शोषण करता रहा। बाद में दलाल की नजर महिला की बेटी पर गई, तो उनमें अनबन हो गई।

आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने महिला को फर्जी कागजातों से विधवा पेंशन लेने का डर दिखाकर उसे ब्लैकमेल किया। उससे पेंशन कटवाने के नाम पर लाखों रुपये की डिमांड कर दी। महिला ने इसकी शिकायत महिला आयोग से की। शुक्रवार को आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने इस

मामले का खुलासा किया है। रेनू भाटिया ने बताया कि वह फरीदाबाद में छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद के मामलों को सुनवाई कर रही थीं। इसी दौरान महिला के साथ विधवा पेंशन के नाम पर धोखा करने का मामला आया। केस को समझा गया तो मालूम हुआ कि पीड़ित महिला को लाड़ली योजना के तहत अपनी बेटी की पेंशन बनवानी थी, लेकिन महिला की विधवा पेंशन बना दी गई। आयोग की चेयरपर्सन ने कहा कि हैरानी की बात है कि महिला को करीब डेढ़ साल तक यह नहीं मालूम था कि उसकी विधवा पेंशन बनी हुई है। विधवा पेंशन बनवाने के लिए पति का डेथ सर्टिफिकेट और श्मशान घाट की पर्ची भी जरूरी होती है। अब सवाल उठता है कि उन्होंने पति के जिंदा रहते हुए कैसे एक महिला की विधवा पेंशन बनवा दी। ऐसे में साफ होता है कि नगर निगम के पेंशन विभाग में काम करने वाले अधिकारियों द्वारा दलाल के साथ मिलकर बड़ा घोटाला किया जा रहा है। रेनू भाटिया ने आगे बताया कि जिस दलाल के जरिए महिला ने पेंशन बनवाई थी, उसने महिला को ब्लैकमेल करते हुए करीब डेढ़ साल तक उससे शारीरिक संबंध बनाए। दलाल की नजर अब महिला की बेटी पर थी। इसका विरोध महिला ने किया तो बात बिगड़ गई, और दलाल ने महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी।

अभिभावक नहीं निभा रहे जिम्मेदारी, न ही विभाग ध्यान दे रहा

कहीं अभिभावक चल रहे बिना हैलमेट तो कहीं नाबालिग को दे रहे स्कूटर की चाबी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कनीना हादसे के बावजूद न तो स्कूल प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार हैं, और न ही अभिभावक। वहीं विभाग की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। स्कूलों की छुट्टी होने पर बच्चों व अभिभावकों को घर जाने की जल्दी होती है। ऐसे में जाम तो लगता ही है, नियमों की अनदेखी से हादसे का भी डर रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण है अभिभावकों और ट्रैफिक विभाग की लापरवाही। अभिभावक स्कूल जाने के लिए अपने बच्चों के हाथों में बाइक की चाबी दे देते हैं और ये नाबालिग बच्चे सड़कों पर फर्राटेदार बाइक भगाते हैं। दूसरी ओर ट्रैफिक विभाग के आला अफसर भी यदा कदा अभियान चलाकर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेते हैं। यदि वे कड़ाई से जांच करें और नाबालिग बाइक चालकों पर कार्रवाई करें तो सड़क हादसों में कमी आ सकती है। शहर के मुख्य मार्ग और भीड़ वाले सड़कों पर वाहनों की स्पीड निर्धारित की जाती है। पर स्कूल के आसपास व गलियों में 70 से 80 की स्पीड में भी बाइक सवार फर्राटे से चलाते हुए निकलते हैं, पर कार्रवाई नहीं होती। इसके कारण कई बार बड़ी दुर्घटना भी हो चुकी हैं। हाई स्पीड पर वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों पर लगाम कसने के प्रति परिवहन और यातायात विभाग गंभीर नहीं है।

दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जरूरी है कि शहर की सड़कों व सार्वजनिक स्थानों पर धीमी गति से वाहन चलाएं। कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने से रोकें, ट्रैफिक निमय का पालन हर हाल में कराएं। गौरतलब है कि कई यूथ कान में माइक्रोफोन लगा म्यूजिक सुनते हुए बाइक चलाते हैं। इससे भी दुर्घटना होती है। मोटर यान अधिनियम के तहत 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाना गैरकानूनी है। वहीं 16

से 18 वर्ष के बच्चों के बच्चे बिना गियर के दो पहिया वाहन चलाने का लायसेंस दिया जाता है। नियम का पालन नहीं करने पर केंद्रीय मोटर यान नियम 1933 की धारा 19 व केंद्रीय मोटर यान नियम 21 के तहत ड्रायविंग लायसेंस निरस्त करने का प्रावधान है। स्थानीय नागरिक भी इस बात को मानते हैं कि बड़ी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नाबालिगों के हाथ में दो पहिया वाहन देना उचित नहीं है। सड़क पर होने वाली दुर्घटना के लिए बच्चों से ज्यादा उनके अभिभावक दोषी हैं। जो उन्हें नियम तोड़ने के लिए उकसाते हैं और गाड़ी की चाबी दे देते हैं। बच्चे आगे निकलने की प्रतिस्पर्धा में स्पीड से गाड़ी चलाते हैं। वहीं वाहनों की कम से कम स्पीड निर्धारित कर उसका कड़ाई से पालन कराने पर ही दुर्घटना में लाई जा सकती है।

पलवल में आग से झुलसे तीन बच्चों की मौत

दुकान में छोड़ नमाज पढ़ने गया था पिता, बिजली जाने पर जलाई थी मोमबत्ती

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दो दिन पहले परचून की दुकान में आग लगने से झुलसे तीनों बच्चों की मौत हो गई है। मृतकों में दो सगे भाई बहन हैं, जबकि तीसरा बच्चा पड़ोस का रहने वाला है। तीनों को पहले नल्हड़ मेडिकल कॉलेज और इसके बाद दिल्ली के ट्रामा सेंटर में रेफर किया गया था। चंद मिनटों में ही परिवार उजड़ जाने से पूरे गांव में मातम का माहौल है। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में लगी है।

जानकारी के अनुसार, पलवल के लखनका गांव निवासी खलील अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसने गांव में परचून की दुकान खोली हुई है। बुधवार देर शाम वह नमाज पढ़ने के लिए दुकान से मस्जिद में चला गया। उसी वक्त दुकान पर उसका बेटा हुजेफा (15) व बेटी सारमीन (13) व पड़ोस के रहने वाले याकूब का बेटा मोहम्मद खान (12) मौजूद थे।

बिजली चली गई तो उसके बेटे ने रोशनी के लिए मोमबत्ती जला दी। इसी बीच जलाई गई मोमबत्ती से दुकान में आग लग गई। आग लगने पर तीनों बच्चे घबरा गए और दुकान

से बाहर नहीं निकल सके। आग की चपेट में आने के कारण वे बुरी तरह झुलस गए।

दुकान में आग लगी देख कर आसपास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से तीनों बच्चों को दुकान से निकला। वे बुरी तरह से जले हुए थे। बच्चों को नल्हड़ स्थिति मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों में बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए दिल्ली के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

दिल्ली में इलाज के दौरान हुजेफा व सारमीन ने दम तोड़ दिया। कुछ देर बाद ही तीसरे बच्चे मोहम्मद खान की भी मौत हो गई। एक साथ तीन बच्चों की मौत से लखनका गांव में शोक का माहौल है। मृतक बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। हादसे के बाद बच्चों के परिवार को सांत्वना देने के लिए गांव के लोग लोगों का आना-जाना लगा हुआ है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिजली विभाग का एएलएम 5000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

फरीदाबाद। बिजली विभाग के कर्मचारी को 5000 रूपये की रिश्वत लेते हुए पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी कर्मचारी बिजली चोरी के केस में लगाए जुर्माने को कम करने के लिए पैसे की मांग कर रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगतसिंह कॉलोनी बल्लभगढ़ के सतवेंद्र सिंह पुत्र कुलदीप सिंहने एंटी करप्शन ब्यूरो फरीदाबाद को दी अपनी शिकायत में कहा था आरोपी राकेश तेवतिया एएलएम जोकि बदरौला डीएचवीपीएन सब डिवीजन फरीदाबाद में कार्यरत है।

वह उससे बिजली जुर्माने की राशि कम करने के बदले मे 5000 रुपये की मांग कर रहा है। एंटी करप्शन ब्यूरो फरीदाबाद के इंस्पेकटर भगवान ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसके लिए एजीएम एचएसआईडीसी फरीदाबाद की देखरेख में आरोपी राकेश तेवतिया को 5000 रुपये रिश्वत की राशि लेते हुए मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तरी शुक्रवार की सुबह हुई। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने कोर्ट में पेश किया है।

लोकसभा आम चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की हुई प्रथम रेंडमाइजेशन

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने की अध्यक्षता

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

लोकसभा आम चुनाव-2024 के सफल आयोजन के लिए शुक्रवार को जिला सचिवालय के द्वितीय तल पर स्थित सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा आम चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों की ड्यूटी लगाने के लिए प्रथम रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा सिंह ने बताया कि प्रथम रेंडमाइजेशन प्रक्रिया में पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों की ड्यूटी तय की गई है। अब इन अधिकारियों की जिला प्रशासन द्वारा ट्रेनिंग करवाई जाएगी। देशभर में लोकसभा चुनाव-2024 सात चरणों में करवाएं जाएंगे। हरियाणा प्रदेश की सभी दस लोकसभा सीटों के लिए छठे चरण में आगामी 25 मई को लोकसभा आम चुनाव करवाएं जाएंगे। उन्होंने बताया कि पलवल जिला फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जिला में बनाए गए पोलिंग स्टेशनों के लिए पीठासीन अधिकारी तथा सहायक पीठासीन अधिकारियों की ड्यूटी तय की गई है। इसके अलावा जिला में रिजर्व स्टॉफ भी रखा गया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि चुनावी ड्यूटी का कार्य बहुत जिम्मेदारी वाला होता है, इसलिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव को लेकर लगाई गई हैं वें पूरी जिम्मेदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ अपना दायित्व निभाएं। इस मौके पर पलवल के एसडीएम नरेंद्र कुमार, होडल के एसडीएम रणवीर सिंह मौजूद थे।

वीडियो लाइक करने के नाम पर 2.92 लाख रुपये ठगे

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने यूट्यूब पर वीडियो लाइक कर पैसे कमाने का झांसा देकर ग्रीन फील्ड कॉलोनी निवासी एक युवती से 2.92 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिव्या ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कुछ माह पहले उनके पास एक अंजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाली महिला ने कहा कि यूट्यूब पर वीडियो लाइक और शेयर कर घर बैठे पैसा कमाया जा सकता है। दिव्या ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद भी आरोपी महिला ने फोन करना बंद नहीं किया। बार-बार फोन करने पर दिव्या उसकी बातों में आ गई और काम करने के लिए सहमति दे दी। महिला ने दिव्या को एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया। इसके बाद दिव्या को वीडियो लाइक करने का टास्क दिया गया। आरोपियों ने उसके अकाउंट में कुछ पैसे भेजे।

नगराधीश ने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की बैठक कर दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगराधीश अंकित कुमार ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला फरीदाबाद की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ फ्री एंड फेयर चुनाव संपन्न करवाने हेतु समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों का जिला प्रशासन संपूर्ण समर्थन करते है और आयोग के अनुसार जिला फरीदाबाद में सभी राजनीतिक पार्टियों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को भी अपने आप को आयोग के हिदायतों के अनुसार ढाल लेना चाहिए जिससे जिला में चुनावों का निष्पक्ष चुनाव और साफ सुथरा माहौल बना रहे और आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करें। ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही एवं एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के उम्मीदवारों को चुनाव आयोग ने साफ किया है कि अपने नामांकन पत्र को भरते समय उम्मीदवार पूरी सावधानी बरतें और नामांकन पत्र का कोई भी कॉलम खाली न छोड़ें। ऐसा करने वालों पर नामांकन पत्र अवैध माना जाएगा। ऐसे नामांकन फॉर्म खारिज कर दिए जाएंगे।

प्रत्याशियों की ओर से दाखिल किए जाने वाले नामांकन पत्र और उसके साथ संलग्न किए जाने वाले शपथ पत्र की बारीकी से जांच की जाएगी। सूचना के अधिकार कानून के अनुच्छेद- 33ए का जिक्र करते हुए कहा गया है कि उम्मीदवार को नामांकन पत्र में केस के संबंध में स्पष्ट उल्लेख करना होगा। बताना होगा कि वह किसी आपराधिक मामले में दो साल या इससे अधिक की सजा पा चुका है या फिर उसे

किसी मामले में एक साल या इससे अधिक की सजा मिल चुकी है।

नामांकन करने वाले उम्मीदवार की योग्यता

भारतीय कानून के तहत नामांकन करने वाला उम्मीदवार भारत का नागरिक होना चाहिए, आयु कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए, चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित नहीं होना चाहिए। लोकसभा की स्थिति में उसका नाम भारत के किसी भी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज होना चाहिए, दिवालिया या पागल घोषित नहीं होना चाहिए, तथा सरकारी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

लोकसभा के चुनाव में जनरल उम्मीदवार द्वारा राशि 25,000/- की राशि और सामान्य जाति के उम्मीदवार के रूप में राशि 12,500/- जमा करवानी होगी। प्रत्येक उम्मीदवार को अपने नामांकन पत्र (5) के साथ अपनी तस्वीर जमा करनी होती है। फोटो अधिसूचना की तारीख से 3 महीने पहले की अवधि के दौरान ली गई होनी चाहिए।

फोटोग्राफ के पीछे उम्मीदवार / चुनाव एजेंट के हस्ताक्षर होने चाहिए। फोटोग्राफ स्टांप आकार 2 सेमी ङ्क 2.5 सेमी (2 सेमी चौड़ाई और 2.5 सेमी ऊंचाई) सफेद/कम सफेद पृष्ठभूमि में होना चाहिए, जिसमें पूरा चेहरा सीधे कैमरे के सामने हो, खुली आंखों के साथ तटस्थ चेहरे की अभिव्यक्ति हो। फोटो सामान्य कपड़ों में होना चाहिए। वर्दी में फोटो नहीं होना चाहिए और काले चश्मे से भी बचना चाहिए। नगराधीश अंकित कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार उम्मीदवार चुनाव के समय 95,00,000/- अपने चुनाव आदि पर खर्च कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कर्मवीर गार्डन में शादी समारोह में लगी आग

फरीदाबाद। सेक्टर-11 स्थित कर्मवीर गार्डन में बने मैरिज हॉल में आग लग गई। आपको बता दें घटना देर रात की है। जब मैरिज हॉल में शादी समारोह चल रहा था हालांकि आग लगते ही हॉल में भगदड़ मच गई। तो सभी लोग बाहर निकल गए और जान की हानि नहीं हुई लेकिन मैरिज हॉल जलकर राख हो गया। मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम पहुंची। लोगों का कहना है कि मैरिज हॉल के अंदर लड़की की शादी समारोह चल रहा था। तभी शॉर्ट सर्किट हो गया और अचानक आग लग गई, और धीरे- धीरे स्थिति काबू से बाहर चला गया। हालांकि आग पर काबू पाने की कोशिश की गई लेकिन सफलता नहीं मिली। जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम समेत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। लोगों यह भी कहना है कि जैसे ही वहां पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड और कर्मचारियों को आग के बारे में पता चला तो तुरंत प्रभाव से लाइट काट दी गई, ताकि यह आग और ना फैले। उनका कहना है कि हॉल के अंदर लगभग 100 लोग मौजूद थे। जब आग हल्की थी तो बुझाने की कोशिश की गई। सिलेंडर बाहर फेंगा गया, लेकिन जब आग बेकाबू हो गई तो पुलिस प्रशासन और फायर ब्रिगेड की गाड़ी को फोन किया गया। जिसके बाद वे लोग यहां पर पहुंचे। सेक्टर 11 चौकी इंचार्ज मोहित का कहना है कि उन्हें डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली। जिसके तुरंत बाद वे मौक़े पहुंचे और जांच की। उन्होंने बताया कि आग शोर्ट सर्किट के कारण लगी है।

संस्था ने प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

फरीदाबाद। मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति द्वारा नव निर्माणाधीन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, लक्ष्मी नगर पलवल में संस्कृति संग प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। ग्रीन एंबेसडर डॉ. आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि हमें हमेशा मातृशक्ति का सम्मान करना चाहिए। नवरात्रों में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराते समय अपने जीवन में बेटियों की रक्षा का संकल्प लेना सच्ची देवी भक्ति है। श्री दुर्गा नवमी तथा श्रीराम जन्मोत्सव पर्व पर कन्या के हाथ से पीपल देव स्थापना करा नारी शक्ति वंदन संग प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। बेटियों को बेटों के समान अवसर प्रदान किए जाने से वह माता- पिता व समाज ओर देश का नाम रोशन करती हैं। धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में बच्चों को पौधारोपण, जल बचाने, जीव-जंतुओं तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ अच्छे संस्कार अपनी संस्कृति संग प्रकृति से स्नेह तथा सेवा के प्रति जागरूक किया जाना आवश्यक है। पौधारोपण तथा इनका संरक्षण परोपकार के कार्य हैं। इस अवसर पर मास्टर थानसिंह, मास्टर मानिकचंद, देव, ईश्वरराज, कौशल, मिलन, धर्मेंद्र माहौर, भूपसिंह, अर्जुन सैनी, भूपेंद्र, पिंकी, सोनल, दक्ष, संध्या आदि सहित नन्हे बच्चे तथा युवा उपस्थित रहे।

रैली में जनकल्याण युवा टीम का हुआ स्वागत

पलवल। विधायक दीपक मंगला की रैली में जन कल्याण युवा टीम अलावलपुर पहुंची। जहां पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। युवा समाजसेवी अमित शर्मा ने विधायक दीपक मंगला, सांसद कृष्णपाल गुर्जर, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, आशा भारद्वाज, गौरव गौतम, नेपाल रावत, तुषार मंगला के साथ राजेंद्र मुकेश ठेकेदार व गांव की सरदारी का धन्यवाद किया।

बीके अस्पताल में हीमोफीलिया जागरूकता दिवस मनाया

फरीदाबाद। शुक्रवार को सुबह 11 बजे हीमोफीलिया जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सिविल अस्पताल फरीदाबाद में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता और प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. सविता यादव के कुशल मार्गदर्शन और समर्थन में, जिले के कई हीमोफिलिया रोगी, स्टाफ नर्स, प्रयोगशाला तकनीशियन और सामान्य रोगी बैठक में शामिल हुए। हीमोग्लोबिनोपैथी के जिला नोडल अधिकारी डॉ. एसएस दहिया, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या पपनेजा, डॉ. अवधेश माइक्रो बायोलॉजिस्ट मुख्य वक्ताओं में शामिल थे। डॉ. एसएस दहिया ने बताया कि हीमोफीलिया आनुवंशिक रूप से फैलने वाली बीमारी है, जिसमें रक्तस्राव नहीं रुकता है। हीमोफीलिया पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम पिछले तीन दिनों के दौरान सीएचसी खेड़ीकलां, सीएचसी पाली, सीएचसी तिगांव, पीएचसी फतेहपुर बिल्लोच, यूएचसी मेवला महाराजपुर, यूएचसी सेहतपुर, यूपीएचसी भीम बस्ती, यूपीएचसी शिव दुर्गा विहार और यूपीएचसी सुभाष कॉलोनी में भी बड़े उत्साह के साथ आयोजित किए गए। राजकीय महाविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। ट्रेनिंग स्कूल फरीदाबाद जिसमें 19-4-24 को 15 प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्राचार्या बृज बाला, डॉ. काउंसलर प्रीति व अन्य मौजूद रहे। पुरस्कार विजेताओं में प्रथम रोशनी पुत्री रामाशीष, द्वितीय पूजा पुत्री सतीश और तृतीय पुरस्कार तम्मना और वर्षा को संयुक्त रूप से मिला।

वायरल हेपेटाइटिस भारत में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या

फरीदाबाद। वायरल हेपेटाइटिस के मामलों में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। हेपेटाइटिस ए और ई बीमारी के एक्यूट रूप का कारण बनते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी सिरोसिस और यहां तक कि लिवर कैंसर सहित लंबे समय में लिवर रोग का कारण बनते हैं। विश्व लिवर दिवस पर अमृता अस्पताल फरीदाबाद के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने कहा, हेपेटाइटिस बी संक्रमण अकेले भारत में सभी पुरानी लिवर बीमारियों में से एक तिहाई और 50 प्रतिशत से अधिक सभी लिवर कैंसर रोगियों के लिए जिम्मेदार है। भारत में अधिकांश एक्यूट लिवर फेलियर का कारण हेपेटाइटिस ए है। हेपेटाइटिस ए, बी और ई हेपेटाइटिस के कई रूपों में से हैं, जो सूजन संबंधी लिवर की बीमारियों का एक समूह है।

फैटी लीवर से पीड़ित बच्चों की संख्या में हो रहा है इजाफा

विश्व लिवर दिवस पर विशेष

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के एक अस्पताल में चिकित्सीय परीक्षण में लगभग 35 प्रतिशत मरीज और लगभग 100 प्रतिशत डायबिटीज मरीज फैटी लीवर बीमारी से पीड़ित पाए जा रहे हैं। इन मरीजों में से ज्यादातर यानी 75 प्रशित लोग शहरी निवासी ऑफिस जाने वाले लोग हैं। फैटी लीवर से पीड़ित बच्चों की भी संख्या बढ़ रही है।

खानपान में पश्चिमी देशों के बढ़ते तौर-तरीके जैसे फास्ट फूड का बढ़ता सेवन, स्वस्थ फलों और सब्जियों की कमी और गतिहीन लाइफ स्टाइल की वजह से इस तरह की बीमारी बढ़ रही है। इसके अलावा ओवर-द-काउंटर दवाओं का दुरुपयोग भी लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के हाल ही में हुए एक अध्ययन में पता चला है कि 38 प्रतिशत भारतीय नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग से पीड़ित है। दुनिया में भी यह बीमारी गंभीर रूप धारण कर चुकी है। क्योंकि दुनिया की लगभग 25 से 30 प्रतिशत आबादी फैटी लीवर से प्रभावित है।

पारस अस्पताल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी हेपेटॉलोजी विभाग के चेयरमैन डॉ. रजनीश मोंगा के मुताबिक विश्व लीवर दिवस के अवसर पर भारत में तेजी से फैलती हुई फैटी लीवर बीमारी की ओर ध्यान आकर्षित करना बहुत जरूरी हो गया है। फैटी लीवर बीमारी की इस महामारी से निपटने के लिए हमें नियमित जांच और डायग्नोसिस, लाइफ स्टाइल में बदलाव, जैसे संतुलित डाइट, नियमित एक्सरसाइज और मोटे व्यक्तियों में वजन कम करना, सबसे महत्वपूर्ण रूप से खुद से दवा करने से बचने संबंधी सावधानियों का पालन करना चाहिए। स्वच्छ पेयजल पीने से हेपेटाइटिस-ए और ई को फैलने से रोका जा सकता है। क्योंकि इस बीमारी की वजह से भारत में एक्यूट लीवर फेलियर के 30 प्रतिशत केस सामने आते हैं।

सांकेतिक तस्वीर।

डॉ. रजनीश मोंगा।

शरीर में 500 कार्यों में लिवर का योगदान

हर साल 19 अप्रैल को दुनियाभर में वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को लिवर के स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। सेहतमंद रहने के लिए हमारे शरीर में मौजूद हर एक अंग का ठीक ढंग से काम करना जरूरी है।

यह जानकार हैरानी हो सकती है कि लिवर हमारे शरीर के लिए जरूरी करीब 500 कार्यों में योगदान करता है। आज के समय में कई कारणां से कम उम्र में ही लोग लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। लिवर में किसी तरह की खराबी आने पर खासकर फैटी लिवर की स्थिति में समय-समय पर पेट के ऊपरी हिस्से में राइट साइड में तेज दर्द महसूस होता है। पसलियों के नीचे तेज दर्द महसूस किया जा सकता है। यह दर्द पीठ और कंधों तक भी फैल सकता है।

सेना बलों में सेवारत जवान ईटीपीबीएस के जरिए ऑनलाईन कर सकते हैं मतदान

दूसरे जिलों के कर्मचारी भी फार्म-12ए भरकर पोस्टल बैलेट पेपर से दे सकते हैं वोट

पोस्टल बैलेट पेपर की कार्यशाला आयोजित हुई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला से बाहर के जो कर्मचारी गुरुग्राम में ड्यूटी कर रहे हैं, वे फार्म 12ए भरकर अपना पोस्टल बैलेट पेपर यहां मंगवा सकते हैं। जिला में इन कर्मचारियों के लिए भी मतदान केंद्र बनाकर वोट डलवाए जाएंगे। यह बात डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में पोस्टल बैलेट पेपर को लेकर आयोजित की गई वर्कशॉप में कही।

गुरुग्राम के लघु सचिवालय सभागार में पोस्टल बैलेट पेपर को लेकर वर्कशॉप लेते डीसी निशांत कुमार यादव।

निशांत कुमार यादव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने वर्ष 2020 से अब नई नीति बनाकर पोस्टल बैलेट पेपर से भी वोट डालने की सहूलियत कर्मचारियों को दी है। जो कर्मचारी दूसरी विधानसभा क्षेत्र के गुरुग्राम जिला में सेवारत हैं और अपनी ड्यूटी कर रहे हैं, वे फार्म 12ए भरकर अपने कार्यक्षेत्र में ही मतदान कर सकते हैं। पोस्टल बैलेट पेपर का निर्वाचन आयोग ने पूरा मैकेनिज्म तैयार कर दिया है और उसकी अनुपालना करते हुए ये वोट डलवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा के सभी जिलों में कर्मचारियों के फार्म-ए किसी जिममेदार अधिकारी की ड्यूटी लगाकर नौ मई के बाद भिजवाए जाएंगे, जिससे कि समय पर उनके पोस्टल बैलेट पेपर आ सकें। इसके बाद 22, 23 और 24 मई को स्पेशल बूथ बनाकर इन कर्मचारियों के वोट डलवाए जाएंगे।

डीसी ने बताया कि इसी प्रकार जो जवान सेना तथा अर्द्धसैनिक बलों में सेवारत हैं, वे ईटीपीबीएस पोस्टल पेपर के जरिए ऑनलाइन वोटिंग कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग ने सर्विसवोटर.एनआईसी.इन तथा ईटीपीबीएस.इन दो पोर्टल भी सर्विस वोटरर्स के लिए बनाए हैं। जिला में 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, हॉस्पिटल में एडमिट कोविड मरीज और दिव्यांगजन फार्म-12डी भरकर घर बैठे मतदान कर सकते हैं। गुरुग्राम जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों में करीब 29 हजार बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता हैं। चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन सभी को फार्म-12डी भिजवाया जाएगा, जिसमें वे घर से मतदान करने या बूथ पर जाकर वोट डालने के बारे में अपनी सहमति प्रकट करेंगे।

इसके बाद उनको मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एडिशनल लेबर कमिश्नर कुशल कटारिया को पोस्टल बैलेट पेपर के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिनकी निगरानी में ऑनलाईन सर्विस वोट देने तथा पोस्टल बैलेट पेपर से मतदान करने की प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। ओएसडी प्रीति रावत ने पीपीटी के जरिए एलईडी स्क्रीन पर ईटीपीबीएस और पोस्टल बैलेट पेपर के नियमों के बारे में विस्तार से बताया।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी का चुनाव में रहेगा बेहतर प्रदर्शन : आशीष दुआ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पहले चरण के लोकसभा चुनाव महाराष्ट्र सहित कई प्रदेशों में शुक्रवार को मतदान हो गया है। प्रथम चरण के मतदान के लिए महाराष्ट्र के नागपुर जोन, विदर्भ की 5 सीटों पर कांग्रेस ने बड़ी मेहनत की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व महाराष्ट्र कांग्रेस के सह-प्रभारी आशीष दुआ ने कहा कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी का चुनाव में बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की 5 सीटों पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महाराष्ट्र के अध्यक्ष, विधि मंडल, प्रतिपक्ष एवं अन्य नेताओं के साथ उन्होंने व्यापक प्रचार किया है। उनका कहना है कि कांग्रेस पार्टी का महाराष्ट्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन होगा और सभी 5 सीटों पर पार्टी के प्रत्याशी जीत हासिल करेंगे।

उनका यह भी कहना है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर महाराष्ट्र के लोग बड़े उत्साहित हैं, जिसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों व रैलियों में लोगों की जबरदस्त उपस्थिति रही। कांग्रेस की रैलियों को लेकर लोगों में बड़ा उत्साह दिखाई दिया, जबकि विपक्षी दल भाजपा की रैलियां व कार्यक्रम उपस्थिति के हिसाब से कमतर ही रहे। दुआ ने महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि अन्य प्रदेशों में होने वाले चुनाव में कांग्रेस का गठबंधन इंडिया बेहतर प्रदर्शन करेगा।

महाराष्ट्र कांग्रेस के सह-प्रभारी आशीष दुआ।

सेक्टर-9 कालेज में बौद्धिक सम्पदा के संरक्षण पर हुआ व्याख्यान

राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 में बौद्धिक सम्पदा का अधिकार विषय पर व्याख्यान के दौरान मौजूद स्टाफ।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 के प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा बौद्धिक सम्पदा का अधिकार विषय पर विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमेटी विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ. मैकियावेली सिंह ने इस कार्यशाला का संचालन किया। अमेटी विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका संमिधा ने कार्यशाला के संचालन में विशेष सहयोग दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या मधु अरोड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में यह जानना अति आवश्यक है कि अपनी बौद्धिक सम्पदा, चाहे वह यू-ट्यूब लैक्चर हो अथवा शोध-पत्र अथवा पाठ्य पुस्तक, का संरक्षण किस प्रकार किया जाए। उन्होंने प्राध्यापकों को अपनी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने एवं अपनी उसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मैकिपावेली सिंह ने आईपीआर एवं उसके विभिन्न भागों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से कॉपीराइट कानून के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कॉपीराइट उल्लंघन पर मिलने वाले दंड के बारे में भी चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. नीलम दहिया, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. मीनू शर्मा, संजय कात्याल, डॉ. कौशल कुमारी, डॉ. भावना, वंदना, रितु फौगाट, ब्रिजेश, सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ने जारी की जिला कार्यकारिणी की सूची

रोशन लाल अग्रवाल ने जिला अध्यक्ष कमल यादव, प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने चर्चा करने के बाद जारी की यह सूची

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी के गुरुग्राम जिला अध्यक्ष कमल यादव व व्यापार प्रकोष्ठ हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल से विचार-विमर्श करके प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रोशन लाल अग्रवाल (पिंटू चेयरमैन) ने प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है।

सभी पदाधिकारियों को संगठन के लिए मजबूती से काम करने की प्रेरणा भी दी। सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों को व्यापार प्रकोष्ठ हरियाणा के संयोजक नवीन गोयल ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन के लिए मजबूती से कार्य करने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका है। सभी कार्यकर्ता साथी चुनाव में सक्रिय हो जाएं। जिला अध्यक्ष रोशन लाल अग्रवाल की ओर से जारी की गई सूची के अनुसार अरुण अग्रवाल (भारत विकास परिषद), पीसी जैन सेक्टर-10, मनोज गुप्ता को जिला सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। जिला कार्यकारिणी में पटौदी से रमेश सेठी, गुरुग्राम से सचिन जैन, बादशाहपुर से मोती लाल वर्मा, गुरुग्राम से अरविन्द सैनी, पटौदी से दिनेश गोयल, बादशाहपुर से राजीव मंगला, अजय अग्रवाल, गुरुग्राम से रामकिशन गुप्ता, अजीत यादव, सुनील गुपता, अंशुल गुप्ता, नरेश बंसल, आशीष वर्मा, हेम प्रकाश बंसल, कमल कांत, राकेश मित्तल, सुधीर बग्गा, दीपक यादव, मनोज बिहयानी, मोहित जैन, पटौदी से अमरनाथ गोयल को शामिल किया गया है।

जिला पदाधिकारियों में गुरुग्राम से अजय भारद्वाज को मीडिया प्रमुख, हिमांशु शर्मा को मीडिया सह-प्रमुख, ईशांत अग्रवाल को मीडिया सह-प्रमुख, विजेता नरवाना को सोशल मीडिया प्रमुख, राजकुमार आहूजा को सोशल मीडिया सह-प्रमुख, एडवोकेट सचिन गुप्ता को आईटी प्रमुख, रोशन लाल गर्ग को आईटी सह-प्रमुख, संदीप भारद्वाज को जिला प्रवक्ता, राजेश दत्ता को जिला सह-प्रवक्ता, यू.सी. गुप्ता को जिला सह-प्रवक्ता बनाया गया है।

जिला मंडल के पदाधिकारियों में नवीन कंसल को भोंडसी मंडल संयोजक, ललित गुप्ता को खेडकीदौला मंडल संयोजक, ध्यानचंद जैन को बादशाहपुर मंडल संयोजक, सत्यनारायण कादयान को नवीन मंडल संयोजक, दिनेश अरोड़ा को अर्जुन मंडल संयोजक, योगेश मुंजाल को अर्जुन मंडल सह-संयोजक, गणपत पांचाल को सरस्वती मंडल संयोजक, प्रमोद गुप्ता को सरस्वती मंडल सह-संयोजक, मनीष कौशिक को दयानंद मंडल संयोजक, मनोज गर्ग को शीतला मंडल संयोजक, अभिषेक सैनी को शीतला मंडल सह-संयोजक, सचिन गुप्ता को शीतला मंडल सह-संयोजक, रमेश को पटौदी मंडल संयोजक, जयप्रकाश यादव को मानेसर मंडल संयोजक बनाया गया है।

पुलिस ने गो तस्करों से 17 गोवंश को कराया मुक्त

तावडू। नूंह पुलिस की एक टीम ने तावडू नगर के बाईपास पर घेराबंदी करते हुए गो तस्करों से 17 गोवंश को मुक्त कराया है।जबकि एक आरोपी को भी दबोचा है।शहर थाना पुलिस ने इस संदर्भ में चार के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सूचना मिली कि जावेद,इकराम,अरशद,और जैकम गो तस्करी में संलिप्त है,जो एक वाहन में गोवंश भरकर नगर के बाईपास से होते हुए राजस्थान चुहड़पुर जाएंगे।जिन्हें नाकाबंदी कर काबू किया जा सकता है।

सूचना के मुताबिक पुलिस ने मौके पर नाकेबंदी कर दी।करीब 15 मिनट बाद सोहना की ओर से एक कैंटर गाड़ी आती दिखाई दी। जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो उसमे सवार सभी ने भागने कोशिश की, लेकिन पुलिस ने चालक खिड़की से कूद कर भागने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति को दबोच लिया।जबकि तीन फरार हो गए। काबू किए गए व्यक्ति ने अपनी पहचान जावेद निवासी नई बस्ती इस्लामाबाद सहारनपुर थाना कुतुब शहर जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश बताई।

ओला ने भारत को ईवी-रेडी बनाया एस 1 एक्स रेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के साथ मास-मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया

पायनियर समाचार सेवा। बैंगलुरू

आज ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1एक्स पोर्टफोलियो के लिए नई कीमतों की घोषणा करके इलेक्ट्रिक स्कूटरों की डिलीवरी के बारे में भी जानकारी दी। एस1एक्स तीन बैटरी कॉन्फिगुरेशंस-2 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा और 4 किलोवॉट घंटा में उपलब्ध होगा, जिनका मूल्य क्रमशः 69,999 रुपये (इंट्रोडक्टरी मूल्य), 84,999 रुपये, और 99,999 रुपये होगा। एस1एक्स की डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू होगी। कंपनी ने एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स+ की नई कीमतों के बारे में भी बताया, जो अब क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में मिलेंगे। साथ ही सभी एस1 स्कूटरों पर 8 साल/80,000 किलोमीटर की कॉम्प्लिमेंट्री बैटरी वॉरंटी बिना किसी अतिरिक्त लागत के दी जा रही है। एस1एक्स रेंज के साथ कंपनी ने मास मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया है। एस1एक्स पोर्टफोलियो के लिए स्वामित्व की लागत कम है, और इस पर 8 साल/80,000 किलोमीटर की कॉम्प्लिमेंट्री बैटरी वॉरंटी मिल रही है, जिसके कारण यह बाजार में बहुत ही आकर्षक मूल्य प्रस्ताव पेश कर रहा है। ओला के प्रवक्ता ने बताया, ''हमारा मानना है, कि भारत

में ईवी का बाजार अपने चरम बिंदु तक पहुँच चुका है, और पिछले माह टू-व्हीलर सेगमेंट में ईवी का पेनेट्रेशन अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर था। हमारा एस1एक्स पोर्टफोलियो ईवी की ऊँची अपफ्रंट लागत का हल लेकर आया है, जो ईवी को अपनाने में आने वाली सबसे बड़ी अड़चनों में से एक है।

ओला की मजबूत लागत संरचना और वर्टिकली इंटीग्रेटेड इन-हाउस टेक्नोलॉजी एवं मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं के कारण हम अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर बहुत ही प्रतिस्पर्धी मूल्य में पेश कर पाए। एस1एक्स के नए मूल्यों और लोकप्रिय मूल्यों में विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ हमें विश्वास है, कि हम देश में ईवी का पेनेट्रेशन बढ़ाने में मदद करेंगे।''

भारतमाला परियोजना के तहत पनियाला-बरोडामियो एक्सप्रेसवे परियोजना की प्रगति के संबंध में कई अपडेट और चिंताएं हैं, मुख्य बिंदुओं का दिया गया विवरण

पायनियर समाचार सेवा। अलवर

ज्वाइंट स्टॉक कंपनी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन वोज्रोज्डेनी एक्सप्रेसवे के पैकेज 1 (पनियाला से मटोर) और पैकेज 2 (मटोर से बड़ौदामेओ) दोनों खंडों के निर्माण अनुबंधों के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभरा। ये ठेके उनकी वित्तीय बोलियों के एनएचएआई के अनुमान से काफी कम होने के आधार पर दिए गए।

इंतजार करना पड़ सकता है : अनुबंध जीतने के बावजूद, विजेता कंपनी द्वारा निर्माण कार्य शुरू करने में देरी हुई है और ठेका दिए हुए लगभग 1.5 साल बीत चुके हैं। यह देरी परियोजना के पूरा होने की समयसीमा को लेकर चिंता पैदा करती है। ठेका देने के बाद 24 माह में इसे पूरा करना था, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो सका है।

ट्रैफिक डायवर्जन : एनएचएआई का उद्देश्य अंबाला-कोटपुतली नेशनल कॉरिडोर और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से अधिक ट्रैफिक को प्रस्तावित पनियाला-बरोडामियो एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट करना है।

NHAI अनुमानों के बारे में चिंताएँ : विजेता कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई काफी कम बोलियाँ परियोजना के लिए NHAI के लागत अनुमानों की सटीकता पर सवाल उठाती हैं। यह अनुमानित परियोजना लागत और निर्माण की वास्तविक लागत के बीच संभावित विसंगति का सुझाव देता है।

परियोजना का महत्व : पनियाला-बरोडामियो एक्सप्रेसवे भारतमाला परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका लक्ष्य आर्थिक गलियारों, अंतर-गलियारों और फीडर मार्गों को विकसित करके भारत में माल ढुलाई दक्षता में सुधार करना है।

परियोजना के शिलान्यास के लिए करना पड़ेगा इंतजार और लागत अनुमानों की सटीकता के संबंध में उठाई गई चिंताओं को देखते हुए, समय पर पूरा होने और लागत-प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई के लिए परियोजना की समय-सीमा और बजट का पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक हो सकता है। इसके अतिरिक्त, देरी का कारण बनने वाले किसी भी मुद्दे को संबोधित करना और सुचारू परियोजना कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मानेसर पॉलिटेक्निक में नशे के विरुद्ध छात्रों को दिलाई शपथ

गुरुग्राम। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान मानेसर में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरुकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के विरुद्ध जागरुक किया। प्राचार्य राजेश जिंदल और धर्मपाल की उपस्थिति में 750 विद्यार्थी मौजूद रहे। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह साहब के आदेशानुसार नशे के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ब्यूरो की पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार के मार्गदर्शन में नशा मुक्त हरियाणा अभियान चलाए गए हैं। ब्यूरो के जागरुकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रतिबंधित नशे की रोकथाम बारे विस्तारपूर्वक कहा कि स्वापक औषधी एवं मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के अंतर्गत नशीले पदार्थों का सेवन क्रय विक्रय तस्करी उत्पादन परिवहन आदि पूर्ण रूप से निषेध है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से परिचित कराते हुए कहा कि यदि ये मनुष्य के उपभोग के लिए अच्छे होते तो सरकार इन्हें बिक्री के लिए खुला छोड़ देती। नशा मुक्त हो भारत मेरा ऐसी सोच बनानी है, नशे में ग्रस्त हो चुकी युवा पीढ़ी मिलकर सबको बचानी है। है सच्चाई नशा बुराई यह बात जन-जन तक पहुंचानी है। कविता के माध्यम से नशा मुक्त अभियान का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने बड़ी रूचि के साथ इस कार्यक्रम में सहभागिता की। विद्यार्थियों ने कहा कि वे इस अभियान में सहयोग करेंगे। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कोंगट्रोल ब्यूरो की यह पहल है, जिसमे सीधे विद्यार्थियों और नागरिकों को नशे के विरुद्ध कार्यक्रमों में जोडक़र नशा मुक्त हरियाणा अभियान को सार्थक किया जा रहा है। ब्यूरो के जागरूकता प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति इस प्रयास से जुड़ सकता है। अंत में शपथ ग्रहण करवाई गई।

ओयो और होटल में बिजली शॉर्ट सर्किट से लगी आग

सोहना। शहर के अंबेडकर बाईपास के निकट बना ओयो समेत होटल में गुरुवार की देर रात आग लगी। जिसमें 50 फीसदी सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की गाड़ी से आग को 30 से 40 मिनट में काबू कर लिया। गुरुवार की देर रात समय करीब दो बजे स्थानीय अंबेडकर बाईपास के निकट बना ओयो और होटल में आग लग गई। आग की शुरुआत होटल की पहली मंजिल से हुई। उस समय होटल में काम करने वाल कर्मचारी बाहर खुले में शोए हुए थे। होट में लग रही की सूचना राहगिरों ने अपने वाहन को रोक कर दी। उसके बाद होटल कर्मचारियों ने उसके मालिक से लेकर पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। घटना स्थल से मात्र 400 मीटर दूरी पर अग्निशमन विभाग के खंड कार्यालय से मात्र 5 मिनट में दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। 5 से 6 कर्मचारियों ने ओयो और होटल में लगी को काबू करने में जुट गए। दमकल कर्मियों को आग काबू करने में 30 से 40 मिनट का समय लगा। अग्निशमन विभाग के खंड सहायक अधिकारी जयवीर सिंह भड़ाना ने बताया कि आग लगने का कारण बिजली से शॉट सर्किट होना है। इस आग को जब तक काबू करते। तब तक 50 फीसदी सामान जलकर राख हो गया था।

मंगलनगर के बरसाती नाले की सफाई शुरु

सोहना। जलभराव की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित शहर की मंगलनगर कॉलोनी में नाले की सफाई शुरु। कार्यकारी अधिकारी ने गुरुवार को ही नाले का औचक निरीक्षण के बाद सफाई कराने के आदेश जारी किए थे। बरसात के मौसम में शहर में होने वाली जलभराव की सबसे बड़ी समस्या वार्ड-19 की मंगलनगर कॉलोनी में होती है। एक भारी बरसात होने पर कॉलोनीवासियों के घरों से लेकर आम रास्ते और खेतखलियां जलभराव की चपेट में आ जाते है। जिससे कॉलोनी के किसानों की सब्जी बिजाई वाली फसलें खराब हो जाती है। जिससे एक-एक किसानों को लाखों रुपये का नुकसान होता है। कॉलोनीवासी हर बरसात के मौसम में नगर परिषद अधिकारियों से लेकर एसडीएम को अपनी समस्या का समाधान करने के लिए कहते है। लेकिन कॉलोनी के निवासियों को मात्र आश्वासन के कुछ नहीं मिलता और पूरे बरसात के मौसम में यहा के निवासी जलभराव की समस्या से झूंझते रह जाते है। नाले की सफाई शुरु गुरुवार को परिषद कार्यकारी अधिकारी के आदेश को 24 घंटा भी नही हुए थे। इससे पहले नाले की सफाई शुक्रवार की सुबह शुरु कर दी गई। जिससे कॉलोनीवासी कुछ राहत की सास ले रहे है। यह तो आने वाला बरसात का मौसम ही बताएंगा। नाले की सफाई कॉलोनी के लोगों को कितना राहत देने वाली है। बीमारी का प्रकोप कॉलोनी में जलभराव की समस्या के दौरान यहा के लोगों में जान लेवा बीमारी फैलने का प्रकोप बढ़ जाता है। मक्खी व मच्छरों का आतंक इतना बढ़ जाता है कि कॉलोनी के लोग पूरी-पूरी रात बैठकर व्यतीत करते है। इसके अलावा मलेरियां, हैजा, उल्टी व दस्त जैसी बीमारियों की चपेट में यहा के लोग हर साल आ जाते है। नप कार्यकारी अधिकारी सुमन लता ने बताया कि इस बार शहर में जलभराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए नालों की सफाई अभियान जल्द ही शुरु किया जाएगा। ताकि लोगों को जलभराव की समस्या से परेशानी उठानी नही पड़ें।

गर्मियां में दाना-पानी व घोंसले वितरण को तैयार नवकल्प फाउंडेशन

गुरुग्राम। हर साल की तरह इस बार भी गर्मी के मौसम में पंछियों को गर्मी, धूप, भूख, प्यास से बचाने के लिए नवकल्प फाउंडेशन ने दाना-पानी व घोंसले वितरण की तैयारी कर ली है। जल्द ही जगह-जगह पर ये घोंसले लगे नजर आएंगे। नवकल्प फाउंडेशन के महासचिव डा. सुनील आर्य (आयुर्वेदाचार्य मेदांता मेडिसिटी) ने कहा कि पर्यावरण में पंछियों की भूमिका काफी अहम है। हम सबको इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गर्मियां आ गई हैं। आने वाले दिनों में तापमान की उग्रता से बढऩे के साथ ही तेज धूप में निरीह पंछियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना भी हम सब का दायित्व है, ताकि पंछी भूख-प्यास से अकाल मृत्यु को प्राप्त न हों। टीम नवकल्प ने इसी दायित्व बोध के तहत 2020 से दाना-पानी बॉक्स वितरण का अभियान शुरू किया था। गत चार सालों में विशेष रूप से बनवाए गए 2500 से अधिक बॉक्स गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, अलवर आदि जिलों में विभिन्न आरडब्ल्यूए, सामाजिक संस्थाओं व प्रकृति प्रेमी मित्रों के माध्यम से बांटे गए थे। यह अभियान इस साल भी 21 अप्रैल से शुरू कर रहे हैं। एनवायरमेंट फ्रेंडली दाना-पानी नेस्ट बनवा रहे हैं। इनमें पंछियों के लिए दाना-पानी के साथ घोंसले की व्यवस्था भी है। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया है कि आप सब भी इस अभियान का हिस्सा बनें। अपने घरों की छतों पर या आसपास जहां सम्भव हो दाना-पानी जरूर रखें। ये बॉक्स या मिट्टी के पात्रों में या फिर जैसी उपलब्धता आपके पास हो, पंछियों के लिए यह व्यवस्था अवश्य करें। इस अभियान की अधिक जानकारी के लिए 9811190357 या 7982855055 पर व्हाट्सएप के माध्यम से सम्पर्क कर सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स को बढ़ावा लेने के लिए हो रही कोशिश

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

स्कूली छात्राओं को एनसीसी की गतिविधियों से जोड़ने के लिए भरपूर कोशिश हो रही है। शुक्रवार को कर्नल संजय सिंह विशिष्ट सेवा मेडल कमांडिंग ऑफिसर 4 हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी नूंह के द्वारा उजीना गांव के निजी व सरकारी स्कूलों में एनसीसी से जुड़ी तकरीबन 67 छात्राओं को एनसीसी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान कर्नल संजय चावला विशिष्ट सेवा मेडल कमांडिंग ऑफिसर नूंह ने कहा कि छात्राओं को एनसीसी से जुड़ने के लिए उनसे बहुत सारे स्कूलों ने संपर्क किया है।

जिले की दर्जन भर छात्राओं के स्कूलों में एनसीसी की गतिविधियां इस समय चल रही हैं। जिससे सैकडों छात्राएं जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा लड़कों को एनसीसी की गतिविधियों को अपनाने के लिए गुरुग्राम स्थित कार्यालय में संपर्क

साधना होगा। उनका संचालन गुरुग्राम से किया जाता है, लेकिन छात्राओं को एनसीसी की गतिविधियों से जोड़ने के लिए उनके पास अभी भी 50 से अधिक स्कूलों ने आवेदन किए हुए हैं। जल्दी ही ऐसे स्कूलों को भी एनसीसी गतिविधियों से जोड़ने की हर संभव कोशिश की जाएगी। कर्नल संजय चावला ने कहा कि उजीना गांव में निजी तथा सरकारी स्कूल में एनसीसी की गतिविधियां बेहतर तरीके से चलाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि एनसीसी का मकसद सिर्फ सेना या इत्यादि की नौकरी दिलाने तक ही सीमित नहीं है। बच्चों - बच्चियों को सर्वगुण संपन्न बनाने के लिए एनसीसी की गतिविधियों से जुड़ना जरूरी है। कुल मिलाकर हरियाणा के नूंह जिले में स्कूलों में एनसीसी की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। जिसकी जिम्मेदारी कर्नल संजय चावला के कंधों पर है, जो विशिष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित है। नूंह जिले में कमांडिंग ऑफिसर की जिम्मेदारी संभाली हुई है और अपने पद का अच्छे ढंग से निर्वहन कर रहे हैं।

कुल मिलाकर अब बेटियां भी किसी मामले में बेटों से पीछे नहीं है। एनसीसी की गतिविधियों में लड़कों पर नूंह जिले में लड़कियां भारी पड़ती हुई दिखाई दे रही है।

ओबीसी और एससी वर्ग की विरोधी है कांग्रेस जबकि भाजपा ने सभी वर्गों को दिया सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी राजस्थान में लगातार भाजपा प्रत्याशियों के लिए धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। शुक्रवार को भी हरियाणा के मुख्यमंत्री ने राजस्थान के बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा में कहा है कि कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के लोगों को वोट बैंक के रूप में प्रयोग किया है और उन्हें अधिकारों से वंचित रखने का काम किया है। नायब सैनी बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र के बालतोरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कैलाश चौधरी के समर्थन में विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए

वैश्विक बीमारियों के आने पर कांग्रेस हमेशा हाथ पर हाथ धरे बैठी रही : मुख्यमंत्री हरियाणा

कहा कि जब ओबीसी को अधिकार देने की बात आई तो कांग्रेस ने इनका अधिकार देने से रोकने का काम किया और जब मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू करने की बात आई तो उसका भी कांग्रेस ने डटकर विरोध किया। मंडल कमीशन पर 1 घंटे से ज्यादा समय तक राजीव गांधी लोकसभा में बोले और इस रिपोर्ट को रुकवाने का प्रयास करते रहे। श्री सैनी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के लोगों को ऊपर उठाने का काम किया। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल में 27 मंत्री ओबीसी समाज से हैं जो अपने आपमें एक रिकॉर्ड है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा ने पिछले दिनों सरप्लस पानी राजस्थान को देने का प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस इसके भी विरोध में है। कांग्रेस ने पानी नहीं देने की बात कही है। उन्होंने लोगों से सीधा सवाल किया कि क्या उन्हें पानी चाहिए और पानी चाहिए तो भाजपा को जितवाना ही होगा। वैश्विक महामारियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि वैश्विक महामारियां पहले भी आती रही हैं, लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने कभी भी इन पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पोलियो की वैक्सीन आने में 20 साल लगे। चेचक की वैक्सीन आने में 30 साल लगे और प्लेग की वैक्सीन आने में 40 साल लगे। इस दौरान कांग्रेस की सरकारें थी, लेकिन जब नरेंद्र मोदी के शासनकाल में कोरोना की महामारी आई तो नरेंद्र मोदी ने देश को सजग करने और संभालने का काम किया। मोदी सरकार ने 8 महीने में दो वैक्सीन तैयार करवा दी, जो न केवल देश के लोगों को फ्री लगी, बल्कि 100 देशों में भारत ने वैक्सीन भेजने का काम किया। श्री सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा समस्या को बनाए रखकर वोट हासिल करने का काम किया है जबकि भाजपा ने समस्या का समाधान निकालकर समस्या को खत्म किया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर की समस्या को बनाए रखकर कांग्रेस वोट हासिल करती रही।

जीयू में इंटर कॉलेज किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

गुरुग्राम विवि में किस बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं को पुरस्कृत करत कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

गुरुग्राम। शुक्रवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के खेल विभाग ने एक दिवसीय इंटर कॉलेज किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। शुभारंभ गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। टूर्नामेंट में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध 4 कॉलेजों के 35 विद्यार्थियों ने अलग-अलग भार वर्ग में भाग लिया। अपनी प्रतिभा और जोश का बेहतरीन प्रदर्शन किया। 55 किलो भार वर्ग में सौरभ ने पहला दीपक ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 57 किलो भार वर्ग में कैलाश ने पहला, योगेश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 73 किलो भार वर्ग में पीयूष लाम्बा ने पहला, अंकित ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मेडल देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित हुए कहा कि किक बॉक्सिंग एक बेहतरीन खेल है, यह हमें स्थिरता, धैर्य, ध्यान, और कौशल विकसित करने में मदद करता है। इस प्रकार की प्रतियोगिता के आयोजन से विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार तो आता ही है साथ ही साथ उनमें आत्मविश्वास भी पैदा होता है। उन्होंने कहा कि किक बॉक्सिंग सहित सभी खेलों को आगे बढ़ाने के लिए गुरुग्राम विश्वविद्यालय पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

एक समय कम खाओ लेकिन बच्चों को तालिम जरूर दे माता-पिता

नूंह। मिशन तालीम दाखिला के तहत रहबर ए मेवात संगठन के द्वारा संचालित मेवात छात्र एकता ने पिनगवां ब्लॉक के गांव ढाढोला कला में मेवात छात्र एकता ने पढाई के प्रति जागरूकता करने के लिए गांव में रैली निकाली और गांव वासियों को ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों के स्कूल में दाखिला दिलाने पर जोर दिया इस प्रकार की जागरूकता रैली मेवात छात्र एकता नूंह के सभी ब्लॉकों में चालू करेगा। इस अवसर पर रहबर ए मेवात संगठन के नूह जिला महासचिव मुनफेद खान ढाणा ने गांववासियों को संबोधित करते हुए कहा आज मेवात में शिक्षा का स्तर बहुत नीचे जा चुका है हमारे बच्चे गांव में फ्री घूमते दिखाई देते हैं जब हम पढ़ेंगे नहीं तो अपने मौलिक अधिकारों को सरकार से कैसे मांगेंगे इसलिए हमें अपने बच्चों को हर हाल में पढ़ाना चाहिए ताकि बच्चे पढ़ कर आगे बढ़े और अपने अधिकारों को जाने। और आगे कहते हुए कहा कि हमारे पिनगवा ब्लॉक के गांव ढाढोली कला में टीचर्स स्टाफ की बहुत कमी है टीचर्स स्टाफ पूरा नहीं होने की वजह से बच्चो की पढ़ाई पूरे तरीके से नहीं हो पा रही है इसलिए हम सरकार से दरखास्त करते हैं कि जल्द से जल्द टीचर्स स्टाफ उपलब्ध किया जाए ताकि बच्चो की पढ़ाई ठीक ढंग से की जाए और यह अभियान पूरे पिनगवां ब्लॉक में चालू किया जा रहा है और ज्यादा से ज्यादा बच्चों को दाखिला दिलाने पर जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर अतिथि मुबीन खान जिला पार्षद , पिनगवा ब्लॉक अध्यक्ष परवेज खान, हथीन ब्लॉक अध्यक्ष अरमान खान , नूह ब्लॉक अध्यक्ष इम्तियाज खान , शौकत अली हेड मास्टर, सबनम आश, मजलिस खान आदि अन्य साथी मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए बनवाएं वोट

नूंह। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने कहा कि 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में जिले के प्रत्येक मतदाता से मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र में भागीदारी का आह्वान किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव हेतु मतदान से पूर्व सभी मतदाताओं को अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक कर लेना चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हैं, वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। मतदान करने के लिए वोटर कार्ड होने के साथ ही मतदाता सूची में नाम दर्ज होना भी जरूरी है। मतदाता घर बैठे चुनाव आयोग की वोटर हेल्पलाइन एप, चुनाव आयोग की वेबसाइट व जिला प्रशासन की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई वोटर लिस्ट में अपना नाम देख सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि एक अप्रैल 2024 की आधार तिथि के अनुसार जिन युवाओं की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वह आगामी लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए अपना वोट 26 अप्रैल तक बनवा सकते हैं। इसके अलावा जिन वोटरों के पास वोटर कार्ड हैं लेकिन वोटर लिस्ट में नाम दर्ज नहीं है तो ऐसे वोटर भी अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज कराएं और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने के पात्र बनें। लोकतंत्र का महत्व अधिक से अधिक मतदान के साथ ही बढ़ता है। जितने अधिक लोग मतदान की प्रक्रिया में भागीदारी करेंगे लोकतंत्र उतना ही मजबूत होता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पात्र युवाओं को वोट बनवाते हुए देश के प्रति कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। युवाओं को वोट बनवाने के लिए जागरूक करने व वोटरों को अधिक से अधिक मतदान करने हेतु प्रेरित करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक की अगुवाई में जिलेभर में स्वीप अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और लोगों को चुनाव की प्रक्रियाओं को लेकर जागृत किया जा रहा है।

वोटर इन क्यू एप से मतदाता ले सकते है पोलिंग बूथों की जानकारी

नूंह। चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई वोटर इन क्यू एप के माध्यम से अब मतदाता मतदान के दिन पोलिंग बूथों पर लगने वाली भीड़ की जानकारी ले सकते हैं, यह एप वोट प्रतिशतता को बढ़ाने में काफी मददगार साबित होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने बताया कि भारतीय चुनाव आयोग द्वारा आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव में वोट प्रतिशतता को बढ़ाने के लिए कई तरह की विशेष कार्य योजनाएं शुरू की गई है। इसके अलावा डिजिटल युग को देखते हुए आयोग द्वारा कई तरह की एप भी शुरू की गई है, जिनमें वोटर इन क्यू एप भी शामिल है। अब मतदाता मतदान के दिन प्ले स्टोर/एप्पल स्टोर से इस एप को डाउनलोड कर मतदान केन्द्रों पर लगने वाली भीड़ को लाइव देख सकते है। जिससे मतदाता अपनी सुविधा अनुसार मतदान कर सकते हैं। कई बार मतदाता भीड़ को देखकर बगैर वोट डाले ही वापस चले जाते है, इस एप के माध्यम से मतदान केन्द्रों की जानकारी मिल सकेगी। उपायुक्त बताया कि इस मोबाइल एप को भारत निर्वाचन आयोग ने प्रयोग के तौर पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है

नूंह। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरुति है। इसके खिलाफ हमने मिलकर लड़ना चाहिए। नेशनल कमीशन के द्वारा एक बैठक ली गई थी। सभी अधिकारियों निर्देश दिए गए कि अपने - अपने जिलों में सुनिश्चित कर लें कि जो इस तरह के बच्चे हैं या बच्चियां हैं, जो कम उम्र में शादी की वजह से या पारिवारिक / सामाजिक दबाव में शादी करते हैं। उनकी फिजिकल काउंसलिंग करें, उनके पास जाएं। उनके अभिभावकों को समझाएं और जागरूकता का अभियान चलाया। इस संदर्भ में जिला प्रशासन की तरफ से बहुत से सरकारी कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 1 साल में अवेयरनेस प्रोग्राम चलाए।

प्रदीप सिंह मलिक एडीसी नूंह।

तकरीबन 60 अवेयरनेस प्रोग्राम किए गए हैं। रूटीन में जो शिकायत आती है, उन पर कार्रवाई होती है। पिछले 1 साल में 23 शिकायतें हैं। बाल विवाह के बारे में आई हैं। जिनमें से 15 चाइल्ड मैरिज की थी, उनको वहां पर रोका और काउंसलिंग की गई।

शहर में आवारा सांडों का आतंक, लोग परेशान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शहर में आवारा घूमने वाले सांडों का आतंक दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। बाजार के भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में सांडों का आपसी झगड़ा आम लोगों के लिए मुशिबत बना हुआ है। सांडों की बीच होने वाले झगड़ा कभी भी किसी की जान ले सकता है।

शहर में घूमने वाले सांडों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शहर का किस बाजार में कम सांडों के बीच महायुद्ध हो जाए। इसका अंदाजा आज तक कोई नहीं ला सका है। शहर में सांडों का बढ़ता आंतक और इनके बीच होने वाले झगड़े में गलती से आने वाले किसी भी जन की जान ही जा सकती है। शहर की अनाज व सब्जी मंडी से लेकर अस्पताल मार्ग, बस स्टैंड मार्ग, शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक, पुराना बस स्टैंड मार्ग, नगर परिषद

सोहना के बाजार में लड़ते सांड।

कार्यालय मार्ग समेत छोटी और तंग गलियां आवारा घूमने वाले सांडों का खौफ बना हुआ है।

बाजार में मची भगदड़ : बुधवार को दिन दहाड़े शहर के बस स्टैंड मार्ग सड़क के ऊपर भीड़ गए। जिनके बीच झगड़ा शुरु होने के साथ ही दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों को छोड़कर भागने लगे तथा पटवरी दुकानदार भी सड़क पर रखा सामान को छोड़ दूर जाने लगे। मार्ग से पैदल आने जाने वालों ने अपना रास्ता ही बदल लिया। करीब 10 मिनट तक सांडों को झगड़ा सामप्त नहीं हुआ। आखिर दुकानदारों ने अपनी दुकान व रेहड़ियों न लगे बम्बुओं को हाथों मे लेकर जमकर बरसाना शुरु कर दिया। किसने अपनी दुकान में रखा पीने के पानी को उनके बीच झगड़ा को समाप्त करने के इरादे से गिराना शुरु कर दिया। आखिर कभी समय के बाद झगड़ा सामप्त होने और वहा से चले जाने पर ही दुकानदारों ने राहत की सांस ली।

> **ठेका** लेने के बाद ठेकेदार अपने कार्य को शुरु नही कर रहा है। जल्द ही ठेकेदार को बुलाया जाएगा। अधिक लापरवाही बरते जाने पर ठेकेदार को नोटिस देकर बुलाया जाएगा।
>
> **(सुमन लता-कार्यकारी अधिकारी नप)**

25 लाख में छोड़ा ठेका : नगर परिषद ने शहर में आवारा घूमने वाले पशुओं की धड़पकड़ के लिए 25 लाख रुपये में ठेका भी छोड़ दिया है। ठेका छोड़ जाने के बाद भी ठेकेदार ने एक आवारा घूमने वाले पशु या सांड़ को नहीं पकड़ा है। जबकि शहर में हर दिन 200 से 250 आवारा पशु घूमते है।

बीडीपीओ ने की यूपीएससी परीक्षा पास

बधाई देने वालों का लगा तांता

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

हरियाणा के सबसे पिछड़े नूंह जिले में भले ही यूपीएससी की परीक्षा कोई भी छात्र - छात्रा पास नहीं कर पाया हो, लेकिन खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नगीना अर्जुन सिंह मनराल ने यूपीएससी की परीक्षा में 553 रैंक हासिल की है। तकरीबन 11 महीने पहले नगीना खंड में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के रूप में कार्यरत हुए अर्जुन सिंह मनराल ने सरकारी व पब्लिक डीलिंग से जुड़ी हुई पोस्ट होने के बावजूद भी पढ़ाई के लिए समय निकाला और नामुमकिन को मुमकिन कर दिया। रोजाना करीब 3 - 4 घण्टे उन्होंने पढ़ाई की और सोशल मीडिया इत्यादि से दूर रहे। पूरी ईमानदारी के साथ बीडीपीओ के पद पर अपनी सेवाएं देते रहे।

अर्जुन सिंह मनराल को पांचवें प्रयास में सफलता प्राप्त हुई, लेकिन इससे पहले उन्होंने यूपीपीसीएस की परीक्षा भी पास कर ली थी। वर्ष 2022 में उन्होंने हरियाणा में एचसीएस की परीक्षा पास की और उसी के आधार पर बीडीपीओ नगीना के रूप में नियुक्ति हुई। उन्होंने

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नवनीत कौर की जमकर सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भरपूर सहयोग किया। जिसकी बदौलत उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा पास की है। नगीना बीडीपीओ को बधाई देने वाले सरपंचों व अन्य लोगों का तांता लगा हुआ है।

उन्होंने कहा कि उनके पिता - माता व बहन ने उन्हें परीक्षा में उत्तीर्ण होने की जानकारी दी थी। इस जानकारी से परिवार व इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने कहा कि परिणाम आने के बाद वह गाजियाबाद स्थित घर पर गए थे, लेकिन वह उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले हैं। ग्रामीणों के भी लगातार फोन आ रहे हैं। जल्द ही वहां जाऊंगा और वहां पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों - कर्मचारियों ने भी यूपीएससी की परीक्षा पास करने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के गांव से हुई और उसके बाद परिवार गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में शिफ्ट हो गया। गाजियाबाद में स्कूली शिक्षा के बाद कॉलेज की शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राप्त की। उन्होंने कहा कि लगातार वो परीक्षा दे रहे थे, लेकिन अब उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा क्लियर कर ली है। अर्जुन सिंह मनराल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मेवात को लेकर जिस तरह की लोगों की धारणा है, मेवात उस तरह का बिल्कुल नहीं है। यहां अमन व भाईचारा कायम है। अधिकारियों को बेहद इज्जत दी जाती है। नूंह हिंसा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह काला अध्याय इस जिले के इतिहास में जुड़ा, लेकिन उससे पहले देश में कहीं भी सांप्रदायिक झगड़े हुए हो यह इलाका हमेशा शांत रहा है। इस इलाके की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। जब मैं यहां पर आया था तो इलाके के बारे में सुनकर डरा व सहमा हुआ था, लेकिन 11 महीने में जो मान - सम्मान और भाईचारा यहां पर देखने को मिला वह कहीं देखने को नहीं मिला। मैं जीते जी इस इलाके को कभी नहीं भूल पाऊंगा और इस इलाके से हमेशा जुड़ा रहूंगा। कुल मिलाकर उन्होंने मेवात क्षेत्र की तारीफ करते हुए कहा कि जैसा इस इलाके के बारे में बताया जाता है, वैसा यह इलाका बिल्कुल भी नहीं है। यहां पूरी तरह से अमन व भाईचारा कायम है। सभी लोग मिलजुल कर रहते हैं। 11 महीने में मैंने धरातल पर रहकर देखा है और जो व्यक्ति धरातल पर रहकर देखता है। उसका अनुभव बेहतर होता है। कुल मिलाकर अर्जुन सिंह मनराल काफी खुश दिखाई दिए और अभी भी अपने कार्यालय से लेकर फील्ड में पूरी ईमानदारी से अपने काम को अंजाम देकर लोगों का दिल जीतने का काम कर रहे हैं।

पिछले वर्ष से गेहूं की आवक दो गुणा, उठाव हुआ मात्र 5 फीसदी

सोहना अनाज मंडी में गेहूं का उठाव कम होने से खुले आसमान के नीचे पड़ा गेहूं।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय मंडी में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष गेहूं की आवक अब तक दो गुणा अधिक हुई है। सरकारी गई फसलों को उठाव कम होने से मंडी की फड़ों पर सरसों और गेहूं की ढेरियां तथा चट्टें लगाने के लिए खाली स्थान तक नहीं बचा है।

स्थानीय मंडी में इस बार सरसों और गेहूं की सरकारी खरीद करने की जिम्मेदारी दो एजेंसी हेफेड और हरियाणा वेयर कॉर्पोरेशन वर्कर्स दिया गया था। लेकिन दोनों एजेसियों द्वारा की गई सरसों और गेहूं की फसल को गोदाम तक पहुंचाने के लिए एक ठेकेदार को ठेका दिया गया। जिससे सरसों और गेहूं से भरे कट्टों का उठाव कम हो रहा है। स्थानीय मंडी में 10 फीसदी ही गेहूं का उठाव हुआ है। 95 फीसदी गेहूं बारदाना व खुले आसमान के नीचे खुला पड़ा हुआ है।

14 हजार क्विंटल गेहूं की आवक अधिक : स्थानीय मंडी में 3 से लेकर 18 अप्रैल तक 29 हजार 696 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। जिमसें 29 हजार 631 क्विंटल गेहूं की फसल को सरकार के लिए किसानों से खरीदा गया है। पिछले वर्ष 18 अप्रैल तक गेहूं की कुल आवक 15 हजार 323 क्विंटल रही थी। पिछले वर्ष अपेक्षा अब तक 14 हजार 373 क्विंटल गेहूं की आवक अधिक हो चुकी है।

वेयर हाउस ने खरीदा अधिक गेहूं : किसानों द्वारा अब तक मंडी में बेचा गया गेहूं की 95 फीसदी खरीद हरियाणा वेयर हाउस कॉर्पोरेशन ने की है। हेफेड ने अब तक कुल 1097 क्विंटल गेहूं खरीदा है। जबकि वेयर हाउस ने 28 हजार 534 क्विंटल गेहूं की खरीद की है। हेफेड गेहूं की फसल को कम सरसों की अधिक खरीद कर रही है।

> **स्थानीय** मंडी में सरकारी के खाते में खरीदी गई फसलों के उठाव में भेदभाव किया जा रहा है। शुरुआत में खरीदी गई सरसों और गेहूं का उठाव कम किया है। बाद में हुई खरीद का अधिक उठाव किया जा रहा है। ठेकेदार को पहले खरीदी गई फसलों का उठाव करने के लिए चेतावनी दे दी गई है।
>
> **(मुकेश कुमारी-खरीद अधिकारी हेफेड)**
>
> **हेफेड** और हरियाणा वेयर हाउस कॉर्पोरेशन वर्कर्स यूनियन को एक मात्र ठेकेदार उठाव के लिए दिया है। जबकि दोंनो एजेंसियों के पास अलग-अलग ठेकेदार होने से उठाव का कार्य तेजी से होता। एक ठेकेदार के पास वाहनों की कमी होने से उठाव धीमी गति से हो रहा है।
>
> **(सुनीता देवी-सचिव मार्केट कमेटी)**

हादसे में घायल युवक की क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल चोरी

तावडू। नगर के सोहना मार्ग पर एक हादसे में घायल हुए युवक की क्षतिग्रस्त बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है।सदर थाना पुलिस ने दुर्घटना और बाइक चोरी से संबंधित मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 11 अप्रैल को पढेनी गांव का रहने वाला रविंद्र मोटरसाइकिल पर सवार होकर तावडू से पढेनी की ओर जा रहा था।चार बजे के करीब सोहना मार्ग रहाड़ी मोड़ के नजदीक पहुंचा तो सामने से एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी आई।जिसने ओवरटेक करते हुए रविंद्र की मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर मार दी।हादसे में रविंद्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

पायनियर क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

I, Variender Kumar S/o Kashmiri Lal R/o 189, First Floor, Sector-11D, Faridabad, Haryana-121006, have changed my name to Virender Kumar Soni S/o Kashmiri Lal Soni for all future purposes.

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गांगुली, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट की राय

बैलट पेपर अस्वीकार्य

सर्वोच्च न्यायालय ने मतदान के लिए बैलट पेपर का विचार खारिज कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने एलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों-ईवीएम की आलोचना खारिज करते हुए आम चुनाव उनके द्वारा ही कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उसने बैलट पेपर की वापसी का विचार सिरे से खारिज कर दिया है। यह कथन ईवीएम की विश्वसनीयता पर चल रही बहस के दौरान आया है। अनेक विपक्षी नेताओं ने सार्वजनिक रूप से ईवीएम परिणामों की सटीकता पर संदेह व्यक्त किया था तथा इनमें छेड़छाड़ व लोकतांत्रिक प्रक्रिया को संभावित नुकसान पर चिन्ता प्रकट की थी। सर्वोच्च न्यायालय का दृष्टिकोण 'चुनाव सुधारों' के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के पक्ष में है जिसमें पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक व्यवहारों की प्रभावशीलता के बीच संतुलन हो। चुनावों में ईवीएम का प्रयोग कांग्रेस सरकार द्वारा भारत में 1990 के दशक में शुरू करने के बाद से ही विवाद का विषय रहा है। जहां इसके पक्षधर चुनाव प्रक्रिया में इसकी प्रभावशीलता, सटीकता तथा क्षमता को रेखांकित करते हैं, वहीं आलोचकों को इसकी संभावित हैकिंग, टैंपरिंग तथा छेड़छाड़ की चिन्ता है। इन चिन्ताओं के कारण परंपरागत बैलट पेपरों की वापसी की मांग की गई थी क्योंकि कुछ लोग इसे मतदान का ज्यादा सुरक्षित व पारदर्शी तरीका मानते थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने इस वापसी से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियां रेखांकित की हैं। बैलट पेपर से ईवीएम में परिवर्तन चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम था। ऐसे में बैलट पेपर की वापसी न केवल तकनीकी रूप से एक प्रतिगामी कदम होता, बल्कि इससे भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में बड़े पैमाने पर चुनाव कराना भी बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता।

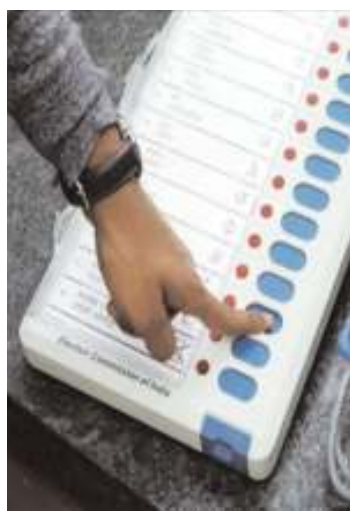

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना बिल्कुल सही है कि ईवीएम की जगह बैलट पेपर की वापसी बहुत बड़ी समस्या पैदा करेगी। हालांकि, 'वोटर वैरीफायेबल पेपर आडिट ट्रेल'-वीवीपैट एक मध्य मार्ग है। एलेक्ट्रानिक वोटिंग तथा परंपरागत बैलट पेपर व्यवस्था के बीच संबंध के रूप में यह मतदाता को कागज की एक पर्ची के माध्यम से इस बात की पुष्टि का अवसर देता है कि उसका वोट एक खास उम्मीदवार के नाम और चुनाव निशान में गया है। ऐसे में उम्मीदवार के नाम वाली इन कागज की पर्चियों को एकत्र कर एलेक्ट्रानिक मतों के साथ उनकी गणना करने से व्यवस्था को पारदर्शी बनाने में बहुत सहायता मिलेगी। ईवीएम के आलोचकों ने अक्सर चुनाव परिणामों में कथित छेड़छाड़ व विसंगतियों की ओर संकेत किया है। हालांकि, इन चिन्ताओं पर गौर किया जाना चाहिए, पर वास्तविक मुद्दों तथा राजनीतिक एजेंडों के चलते आधारहीन दावों के बीच अंतर करना जरूरी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्ठा सर्वोपरि है और किसी प्रकार के कदाचारों की गंभीरता से जांच कर उनको संबोधित किया जाना चाहिए। चुनाव परिणामों की वैधता में दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका है, अत: पारदर्शिता व जवाबदेही मजबूत करने के प्रयास जरूरी हैं। तकनीकी प्रगति को एकदम खारिज करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया में सुरक्षा, पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाने पर विचार होना चाहिए। वर्तमान समय में 10 प्रतिशत ईवीएम व वीवीपैट पर्चियों की गिनती का मिलान किया जाता है। अब तक ईवीएम से हुए अनेक चुनावों में इसमें कोई अंतर नहीं पाया गया है। ऐसे में सारी वीवीपैट पर्चियों व ईवीएम की गिनती का मिलान अव्यावहारिक तथा प्रक्रिया में लंबा खींचने वाला होगा। इसे अनिवार्य बनाने से ईवीएम का लाभ समाप्त हो जाएगा।

कर्नाटक में शक्ति प्रदर्शन

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज हुई हैं। यहां कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर होना तय है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कर्नाटक में लोकसभा चुनाव की तैयरियां तेज हुई हैं। यहां कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर होना तय है। कर्नाटक के 28 चुनाव क्षेत्रों में 26 अप्रैल व 7 मई को मतदान होगा। यहां कांग्रेस पार्टी तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के सभी प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में अभियान तेज करने के लिए राज्य का कई बार दौरा कर चुके हैं। भाजपा को पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा का समर्थन प्राप्त है जो लिंगायत समुदाय के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं और उनका राज्य में बहुत बड़ा 'वोटबैंक' मौजूद है।

कर्नाटक में लोकसभा का वर्तमान चुनाव राज्य के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह उसके इतिहास में एक उल्लेखनीय मोड़ निर्धारित करेगा। कर्नाटक को दक्षिण भारत में भाजपा का प्रवेश द्वारा कहा जाता रहा है। अतीत पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि अनेक वर्षों तक यह कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है। कर्नाटक ने कांग्रेस और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आपातकाल के उस दौर में भी समर्थन किया था जब उनकी पार्टी को उत्तर भारत में तगड़ा धक्का लगा था। आपातकाल के बाद भी यह राज्य कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना रहा। कर्नाटक का इसलिए भी कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यहां श्रीमती इंदिरा गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी को विजय मिली थी। इन दोनों ने कर्नाटक में कांग्रेस को मजबूत करने में काफी योगदान दिया था।

कर्नाटक में वर्तमान लोकसभा चुनाव न केवल चुनावी मुकाबला हैं, बल्कि यहां कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी-भाजपा और जनता दल सेक्युलर के गठबंधन के बीच बहुत कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। वर्तमान चुनाव के माध्यम से भाजपा कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य में फिर से अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है जहां उसकी प्रदेश सरकार रही है। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के परिणाम नीतिगत प्राथमिकताओं तथा प्रशासनिक शैली में परिवर्तन ला सकते हैं जिसका प्रभाव संभवत: राज्य की अर्थव्यवस्था तथा समाज के सभी आयामों पर पड़ेगा। चुनाव परिणाम लोगों के जीवन पर व्यापक प्रभाव छोड़ेंगे। इसलिए चुनाव प्रक्रिया में आम जनता की भागीदारी तथा उसकी राजनीतिक प्रक्रिया की समझ बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय जनता पार्टी-भाजपा कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करना चाहती है ताकि वह दक्षिण भारत में अपना क्षेत्रीय प्रभुत्व और मजबूत कर सके। इससे भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में स्थिति भी मजबूत होगी तथा वह दक्षिण भारत में अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर सकेगी। दक्षिण भारत में कर्नाटक में ही भाजपा प्रदेश सरकार बनाने में सफल हुई थी, पर हालिया विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा। जहां तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सवाल है, वह राज्य में लोकसभा चुनावों में विजय प्राप्त कर अपनी राज्य सरकार को मजबूती प्रदान करना चाहती है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के नेतृत्व वाला जनता दल सेक्युलर-जेडीएस भी राज्य के अत्यधिक प्रतियोगी राजनीतिक परिवेश में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। अतीत में जेडीएस यहां महत्वपूर्ण तीसरी शक्ति था पर बाद में उसका प्रभाव घटा और वर्तमान समय में वह अपने अस्तित्व के लिए भी संघर्ष कर रहा है। कुल मिला कर कहा जाए तो जेडीएस अपनी राजनीतिक दीर्घजीविता प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस तथा भाजपा के चुनाव अभियान पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि भाजपा का कर्नाटक में प्रचार अभियान मुख्यत: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस साल से चल रही केन्द्र सरकार की उपलब्धियां रेखांकित करने के साथ ही कांग्रेस की विफलतायें उजागर करना है। भाजपा दो प्रभावशाली समुदायों-लिंगायतों व वोक्कालिंगा को अपने साथ मजबूती से जोड़ने का प्रयास कर रही है जिनका उसकी चुनावी राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान है।

राज्य में प्रभुत्वशाली लिंगायत समुदाय परंपरागत रूप से भाजपा का समर्थक रहा है। इसने भाजपा की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा राज्य का एक और प्रभावशाली समुदाय वोक्कालिंगा परंपरागत रूप से जेडीएस का मजबूत गढ़ रहा है। इन समुदायों को अपने पक्ष में मजबूती से जोड़े रखना भाजपा तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। भाजपा को कुछ स्थानीय विरोधाभासों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह 2014 के बाद पहली गंभीर स्थिति है जब पार्टी को खुले विद्रोह का सामना करना पड़ा था। उनका मानना है कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन की जमीनी स्तर पर स्वीकार्यता को और मजबूत करने की जरूरत है। हालांकि, कांग्रेस में भी सीट बंटवारे व अन्य मुद्दों पर व्यापक विद्रोह की स्थिति है जिसके चलते उसके अनेक विद्रोही उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस कर्नाटक लोकसभा चुनाव में विजय के लिए खासकर एससी, एसटी व मुसलमानों के समर्थन पर जोर दे रही है। कांग्रेस ने पिछले साल पांच मूल चुनावी 'गारंटियों' का वादा किया था जिनका क्रियान्वयन हो गया है। इनमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा तथा शिक्षा एवं रोजगार सृजन के लिए ज्यादा धन आबंटन शामिल हैं। इन गारंटियों का लक्ष्य क्षेत्र के मतदाताओं की खास चिन्ताओं को संबोधित करना तथा समाज कल्याण व आर्थिक विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता प्रकट करना है।

एडिना, न्यूज़ 18 व इंडिया टुडे समूह द्वारा कराए तीन चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों ने कर्नाटक लोकसभा चुनावों के बारे में परस्पर विरोधी अनुमान व्यक्त किए हैं। एडिना ने अनुमान लगाया है कि कांग्रेस को 17 सीटें तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 11 सीटें मिलेंगी। वहीं न्यूज 18 का अनुमान है कि राजग यानी भाजपा-जेडीएस गठबंधन को 25 सीटों पर विजय मिलेगी और कांग्रेस केवल 3 सीटों तक सिमट जाएगी। इंडिया टुडे समूह का अनुमान है कि राजग को 53 प्रतिशत मत मिलेंगे और वह 24 सीटों पर विजय पाने में सफल होगी। उसके अनुसार, क्षेत्रीय पार्टियों के कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन को 42 प्रतिशत वोटों के साथ केवल 4 सीटों पर सफलता मिलेगी। ये चुनाव पूर्व सर्वेक्षण वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य की झांकी पेश करते हैं। चुनाव सर्वेक्षण पाठकों को चुनाव के संभावित परिणाम समझने में मदद करते हैं। वर्तमान स्थिति 2019 के चुनाव से एकदम उलट है जब कांग्रेस और जेडीएस में गठबंधन था। भाजपा का उद्देश्य पुराने मैसूर में वोक्कालिंगा वोट अपने पक्ष में ला कर चुनाव में विजय पाना है। पुराने मैसूर में वोक्कालिंगा प्रभावशाली समाज है जो परंपरागत रूप से जेडीएस का समर्थक रहा है। इस समुदाय को जीतने की भाजपा की रणनीति में जातीय समीकरण, विकास के वादे तथा कांग्रेस सरकार की विफलतायें उजागर करना शामिल है। यदि यह राजनीति सफल होती है तो इससे चुनाव परिणामों तथा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

भाजपा ने अपने उम्मीदवारों में लोकप्रिय कार्डियोलोजिस्ट, मैसूर राज परिवार के सदस्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री को शामिल किया है। इसने कुछ नए चेहरों को भी मैदान में उतारा है। कांग्रेस के उम्मीदवारों में अनेक मंत्रियों के रिश्तेदार शामिल हैं और ये उम्मीदवार चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा ने राज्य में पहली सरकार 2008 में बनाई थी, लेकिन तबसे सरकारें उलटने का खेल जारी है। विधायकों को पालाबदल के लिए ललचाने में पैसा और पद महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इससे राज्य की राजनीति में एक और जटिलता पैदा हुई है। कांग्रेस तथा भाजपा-जेडीएस गठबंधन चुनाव प्रचार में अपने सारे संसाधन झोंक रहे हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव मतदाताओं को पिछले विधानसभा चुनाव में विजयी कांग्रेस पार्टी और राज्य में पहले सत्तारूढ़ रही भाजपा के बीच फैसला करना है।

हालांकि, कुछ लोग कांग्रेस को पसंद कर सकते हैं, पर भाजपा के पास अपना प्रतिबद्ध समर्थक आधार है। यदि मतदाता भाजपा को अस्वीकार कर देते हैं तो इसका अर्थ कम से कम अस्थाई रूप से इसकी दक्षिण भारत में पहुंच के प्रयासों पर विराम लगेगा। इसके उलट यदि दो चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों के अनुसार भाजपा-जेडीएस गठबंधन को विजय मिलती है तो प्रधानमंत्री मोदी के हाथ मजबूत होंगे तथा भाजपा का पूरे दक्षिण भारत में विस्तार सुनिश्चित होगा।

जलवायु परिवर्तन के प्रति आध्यात्मिक दृष्टिकोण

प्रकृति के साथ सद्भाव के जीवन में लौटने के लिए, हमें अपनी आध्यात्मिक पहचान का एहसास करने की आवश्यकता है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

कुछ सदियों पहले किसी को भी जलवायु परिवर्तन की चिंता नहीं थी, क्योंकि ऐसा करने का कोई कारण ही नहीं था। लेकिन जैसे-जैसे मनुष्यों ने प्रकृति से अधिक दोहन किया और अत्यधिक जहरीले पदार्थों सहित कचरे की बढ़ती मात्रा को इसमें डाला, पारिस्थितिक संतुलन बाधित होने लगा। यह प्रक्रिया सदियों से तेज हुई है और हमें वर्तमान स्थिति में ले आई है, जहां कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, संपूर्ण मानव जाति शीघ्र ही विलुप्त होने का सामना कर रही है।

कभी-कभी जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग को भविष्य में होने वाली घटनाओं के रूप में सोचा जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों को इस बात के बढ़ते सबूत मिल रहे हैं कि ग्रह अब बदल रहा है - और इस घटना के लिए लोगों को दोष का एक बड़ा हिस्सा लेना चाहिए। वे आगे बताते हैं कि औद्योगिक और वाहन प्रदूषण, सीएफसी के उपयोग और जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों की लूट के माध्यम से अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन ने ओजोन परत को नष्ट कर दिया है। इसने अधिक से अधिक सौर विकिरण को पृथ्वी के वायुमंडल के अंदर फँसा दिया है। परिणामस्वरूप, पृथ्वी गर्म हो रही है जिससे हाल के दिनों में बाढ़, भूकंप, सुनामी और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक उथल-पुथल की श्रृंखला शुरू हो गई है।

ऐसी स्थिति को रोकने के लिए इंसानों को खुद पर काम करने की जरूरत है। मनुष्य को प्रकृति पर अधिकार करने की आवश्यकता नहीं है। मानव आत्मा उन सभी भौतिक वस्तुओं का स्वामी है। जब आत्मा स्वयं को शरीर के साथ पहचानने लगती है तो वह पदार्थ और विकारों के प्रभाव में आ जाती है। सतयुग और त्रेता युग में, जब सभी मानव आत्माओं में आत्म-जागरूकता और दिव्य गुण थे, प्रकृति उनकी आज्ञाकारी सेवक थी। प्रकृति के तत्वों ने उस युग में जीवन को सुखमय बना दिया था, जिसे धार्मिक ग्रंथों में स्वर्ग या बैकुंठ के रूप में याद किया जाता है।

क्योंकि उस संसार के दिव्य प्राणी विकारों से मुक्त थे, उन्होंने कभी भी प्रकृति का शोषण या विनाश नहीं किया। पर्यावरण-अनुकूल होने के बजाय, उनके पास वास्तव में अनुकूल वातावरण था। वे न केवल अपने साथी प्राणियों के मित्र थे, बल्कि सभी प्राणियों के भी मित्र थे। यह स्थिति द्वापर युग की शुरुआत तक जारी रही जब आत्माएं भूल गईं कि वे कौन हैं और शरीर और विकारों के प्रभाव में आने लगीं। फिर उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया। बदले में, प्रकृति ने भी उन आत्माओं की आज्ञा का पालन करना बंद कर दिया, जिन्होंने खुद पर नियंत्रण खो दिया था। जैसे-जैसे बुराइयों का प्रभाव बढ़ता गया, वैसे-वैसे प्रकृति की लूट भी बढ़ती गई और जो एक समय सौहार्दपूर्ण रिश्ता था, वह शोषक और शोषित के बीच के रिश्ते में बदल गया।

भारत के प्रधान मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कहा, हम अंधाधुंध उपभोग का रास्ता अपनाए बिना भी समान स्तर का विकास, समृद्धि और खुशहाली हासिल कर सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान होगा; इसका मतलब यह होगा कि हमारी अर्थव्यवस्थाएं एक अलग चरित्र धारण कर लेंगी। भारत में हमारे लिए, प्रकृति के प्रति सम्मान अध्यात्मवाद का एक अभिन्न अंग है। हम प्रकृति के उपहारों को पवित्र मानते हैं। योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। योग मन और शरीर की एकता का प्रतीक है; विचार और कार्य; संयम और पूर्ति; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य; और स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, बल्कि स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना की खोज करना है। हमारी जीवनशैली में बदलाव और जागरूकता पैदा करके, यह हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है।

अब, यदि हम कगार से वापस जाना चाहते हैं और प्रकृति के साथ सद्भाव के जीवन में लौटना चाहते हैं, तो हमें अपनी आध्यात्मिक पहचान और मूल्यों का एहसास करना होगा। इस तरह की जागरूकता हमें स्वाभाविक रूप से पर्यावरण-अनुकूल बनाएगी और एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी जो प्रकृति के तत्वों को फिर से हमारे साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। यदि मनुष्यों का एक महत्वपूर्ण समूह इस आध्यात्मिक जागरूकता के साथ जीना शुरू कर दे, तो प्रकृति स्वयं ही हमारी मित्र बन जाएगी और मानवता एक संदिग्ध भविष्य के बजाय एक सुनहरा भविष्य देखेगी।

आप की बात

दलबदल की चिन्ता

मायावती ने कहा है कि सत्ता में आने पर हम दलबदल कानून को और अधिक सख्त बनाएंगे। हमारी पार्टी किसी भी पार्टी के विधायकों व सांसदों को तोड़ने वालों को उचित सबक सिखाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि हर बार हमारी पार्टी के विधायकों एवं सांसदों को तोड़ लिया जाता है। बसपा सुप्रीमो की चिन्ता और पीड़ा अपनी जगह उचित है। आमतौर से बसपा समेत छोटी पार्टियों के नेताओं को तोड़ना बड़ी पार्टियों की आदत बन गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलौत ने बसपा विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल किया था, जबकि वे पहले से ही कांग्रेस का समर्थन कर रहे थे। बसपा पर मंडराते संकट को देखते हुए ही कुछ महीने पहले मायावती ने कहा था कि वे बहुजन समाज के हित में अपने विधायकों को खुले मन से सरकारों में शामिल करने पर विचार करेंगी। यह बसपा के उम्मीदवारों तथा निर्वाचित विधायकों या सांसदों के लिए संकेत था। हालांकि, दलबदल के पीछे निर्वाचित नेताओं में राजनीतिक भविष्य की चिन्ता अधिक होती है। बसपा के राजनीतिक भविष्य पर मंडराते खतरे के कारण ही उसके निर्वाचित दस सांसदों में से अधिकांश उसका दामन छोड़ कर दूसरे ठिकाने तलाश करने की ओर आगे बढ़ गए हैं।

- **एमएम राजावत,** शाजापुर

कांग्रेसी घोषणाएं

कांग्रेस के न्याय पत्र से स्पष्ट है कि वह उथल-पुथल की स्थिति में है। कांग्रेस ने अपनी योजनायें और विचारधारा व्यक्त की हैं, लेकिन उसकी निर्णय शक्ति पर सवाल उठते हैं। पार्टी द्वारा उठाए आर्थिक मुद्दों और नौकरी के मोर्चे पर किए वादों पर संदेह है। क्या केवल सरकारी नौकरी के माध्यम से सम्पूर्ण राष्ट्र की रोजगार समस्या हल हो सकती है? क्या यह वास्तव में सम्भव है? इसके अलावा आरक्षण और जातिगत जनगणना के वादों पर भी सवाल उठते हैं। क्या यह नौकरी और शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाएगा या विभाजन पैदा करेगा? क्या यह सामाजिक समरसता बढ़ाएगा या विवादों को विस्फोटक बनाएगा? कांग्रेसी घोषणाओं में जातीय व वामपंथी सोच हावी है जो समाज में विभाजन और विवाद का कारण बन सकती है। ऐसी नीतियाँ समाज में सबके लिए समान रूप से प्रभावी नहीं हो सकती हैं। देश की सबसे पुरानी 138 साल की कांग्रेस अपने जन्म के समय से ही मध्यमार्गी तथा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी रही है, लेकिन पिछले दस साल से वह सत्ता के लिए तड़प रही है। इस स्थिति में वह अपना इतिहास, वैचारिक गंभीरता तथा बौद्धिक परिपक्वता आदि भुला कर सतही सोच वाले लोगों का शिकार बन गई है।

- **अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

धूम्रपान निषेध

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बच्चों को धम्रपान की लत से दूर रखने के लिए एक बिल ले आए। उनकी कंजरवेटिव पार्टी के अनेक सदस्यों के विरोध के बावजूद यह बहुमत से पारित हो गया। सांसदों ने धूम्रपान मुक्त पीढ़ी बनाने और धूम्रपान से होने वाली मौतों की संख्या कम करने की सरकारी योजनाओं के का समर्थन में मतदान किया। विपक्षी लेबर पार्टी ने भी इसका समर्थन किया। इसके अनुसार, 2009 या उसके बाद पैदा ब्रिटिश किशोर व किशोरियों को सिगरेट नहीं बेचा जा सकेगा। 2024 से 15 वर्ष या उससे कम उम्र के किसी भी व्यक्ति के सिगरेट खरीदने पर प्रतिबंध होगा। ब्रिटेन का यह धूम्रपान-निषेध कानून भविष्य में और व्यापक बनाया जा सकता है। उम्मीद करनी चाहिए कि ब्रिटेन के बाद अन्य देशों में भी धूम्रपान-निषेध कानून बनाने की मांग तेज होगी। लेकिन विडंबना है कि ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों की अनेक सिगरेट व वैप्स बनाने वाली कंपनियां अन्य विकासशील देशों और गरीब देशों में अपना आक्रामक विस्तार कर रही हैं। धूम्रपान के हानिकारक परिणामों को देखते हुए दुनिया भर में तंबाकू की खेती पर प्रतिबंध के भी प्रयास होने चाहिए क्योंकि यह जमीन की उर्वरता को नष्ट कर प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ती है।

-**जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

छात्रों की आत्महत्या

छात्र-छात्राओं की आत्महत्या की बढ़ती घटनायें गंभीर चिन्ता का विषय हैं। दिल्ली के मुखर्जी नगर में छात्रा स्वाति की आत्महत्या के साथ ही कोटा, दिल्ली व अन्य शहरों में भी कोचिंग करने वाले छात्र-छात्राओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं होती रही हैं। स्कूलों, कॉलेजों व उच्च शिक्षा प्रवेश परिणामों के आने पर अक्सर आत्महत्या की घटनाएं बढ़ जात हैं इसका कारण छात्र-छात्राओं पर पड़ने वाला मानसिक दबाव है जिसका कारण कई बार माता-पिता, सहपाठी या समाज हो सकता है जो गलाकाट प्रतियोगिता को बढ़ावा देता है। माता-पिता और घर से दूर अकेले रहना, प्रतिस्पर्धी पढ़ाई का बोझ, पेरेंट्स पर पड़ने वाला भारी खर्च, हॉस्टल का माहौल, भटकाव की आशंकाएं तथा खर्च पूर्ति की समस्या दूर करने हेतु छोटी-मोटी जॉब की तलाश आदि अनेक समस्यायें इसकी जड़ में हैं। इनके समाधान के लिए व्यापक तत्कालीन तथा दूरगामी प्रयासों की आवश्यकता है। इसमें सरकारों, शिक्षण संस्थाओं व खासकर समाज का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। स्वयंसेवी संस्थाओं को समस्या समाधान में सहयोग करना चाहिए।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से **pioneerhry@gmail.com** पर भी भेज सकते हैं।

डीसी ने किया गुहला मंडी का दौरा, अधिकारियों को उठान में तेजी लाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

डीसी प्रशांत पंवार ने गुहला अनाज मंडी का दौरा करके गेहूं खरीद एवं उठान प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। गेहूं खरीद के बाद तय समय सीमा में उठान का कार्य करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आवागमन बाधित नहीं हो और खरीद प्रक्रिया समुचित चलती रहे। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए बिजली, पानी, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं निरंतर ठीक प्रकार से होनी चाहिए। संबंधित एजेंसिया और ट्रांसपोर्टर उठान का कार्य तेजी से करें, ताकि मंडी में अपनी फसल को लेकर आने वाले दूसरे किसानों को जगह और जाम जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। इस मौके पर उन्होंने किसानों व आढ़तियों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने आढ़तियों को कहा कि वे गेहूं खरीद प्रक्रिया में अपना पूरा सहयोग दें। किसी भी किसान को परेशानी नहीं आने दी जाएगी। अगर किसी भी प्रकार की परेशानी है तो तुरंत एसडीएम व मार्किट कमेटी कार्यालय में सूचना दें। उनकी समस्याओं को प्राथमिकताओं के आधार पर दूर किया जाएगा। उन्होंने किसानों से आह्वान भी किया कि तय मापदंड अनुसार तथा दिए गए शेडयूल के अनुसार लेकर आएं, ताकि कोई भी परेशानी नहीं हो। उन्होंने दौरे के दौरान हैफेड गोदाम का निरीक्षण किया और पूर्ण फीडबैक ली। इस मौके पर एसडीएम कृष्ण कुमार, डीएफएससी निशांत राठी, मार्केट कमेटी सचिव सतबीर राविश तथा संबंधित खरीद एजेंसियों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मंडी के दौरे पर डीसी प्रशांत पंवार

बाढ़ बचाव प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आज

कुरुक्षेत्र। राजस्व विभाग की तरफ से राज्य स्तरीय बाढ़ बचाव प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 15 अप्रैल से 20 अप्रैल तक ब्रह्मसरोवर पर किया जा रहा है। इस राज्य स्तरीय बाढ़ बचाव प्रशिक्षण शिविर में करीब 150 प्रशिक्षणार्थियों भाग ले रहे है। इस प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे ब्रह्मसरोवर के वीवीआईपी घाट पर किया जाएगा। इस समापन समारोह में उपायुक्त शांतनु शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। यह जानकारी जिला राजस्व अधिकारी विकास सिंह ने दी।

संक्षिप्त समाचार

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ

कलश यात्रा में भाग लेते पूर्व मंत्री कविता जैन

सोनीपत। श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ दहिया कॉलोनी में कलश यात्रा के साथ बड़े धूमधाम से किया गया। सुबह महिला श्रद्धालुओं ने ढोल बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली जो भ्रमण करते हुए वापिस कथा स्थल पर पहुंची। पूर्व केबिनेट मंत्री कविता जैन कलश यात्रा में शामिल हुई । इस अवसर पर कथावाचक वैभव भारद्वाज महाराज पहुंचे। इस अवसर पर कविता जैन ने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता में व्यक्ति की हर परेशानी व दुविधा का हल मिलता है। हिंदू धर्म में सभी ग्रंथों में सबसे श्रेष्ठ श्रीमद् भागवत गीता मानी जाती है, क्योंकि इसमें व्यक्ति के जीवन का सार है। श्रीमद् भागवत में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिए हैं और इन उपदेशों की मदद से भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को इस संसार का सत्य बताते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही प्राणी मात्र का कल्याण संभव है। दोपहर में कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक वैभव भारद्वाज महाराज ने प्रवचन कर भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक व आध्यात्मिक विकास होता है। कलियुग में कथा सुनने मात्र से व्यक्ति भवसागर से पार हो जाता है। सोया हुआ ज्ञान वैराग्य कथा श्रवण से जागृत हो जाता है। कथा कल्पवृक्ष के समान है, जिससे सभी इच्छाओं की पूर्ति की जा सकती है।

चाय वाले ने पंखे से लटक कर की खुदकुशी

कैथल। पूंडरी में एक चाय बनाने वाले व्यक्ति ने संदिग्ध हालात में पंखे में रस्सी डालकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी अनुसार गुरदीप सिंह निवासी गांव शिवाय जिला जींद पूंडरी के गुरू ब्रहमानंद चौक मार्किट में चाय की दुकान करता था। वह लगभग पिछले 10 माह से पूंडरी में किराय पर रहता था। गुरदीप के पास दो बच्चे 1 लड़का व 1 लड़की बताई जा रही है। गुरदीप द्वारा यह कदम क्यों उठाया गया, इस बात का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। उनकी पत्नी ने बताया कि वे हर रोज की तरह घर से निकले थे। उनको किसी का फोन आने के बाद ही इस घटना का पता चला। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद पूंडरी थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि व्यक्ति की पहचान कर ली गई है। मौके पर सीन आफ क्राइम टीम द्वारा भी जांच पडताल कर सबूतों को इकट्ठा किया गया है। कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल कैथल के लिए भेज दिया है।

केयू विधि संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में जीते पुरस्कार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंचवर्षीय विधि संस्थान ने यूनाइटेड वर्ल्ड स्कूल आफ लॉ, करनावती विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2024 में अनेक पुरस्कार जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। यह प्रतियोगिता गत सप्ताह आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में कुल 26 टीमों ने भाग लिया जिसमें नेपाल एवं तन्जानिया से छह टीमें तथा भारत के विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की टीमें शामिल थीं। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के विषय पर आधारित थी। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने टीम एवं उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में इतनी शानदार जीत प्राप्त करना अपने आप में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पूरी प्रतियोगिता के दौरान होने वाले विभिन्न राउंड्ज में तर्कों को योजनाबद्ध तरीके से बनाना एवं प्रस्तुत करना, टीम की कड़ी मेहनत एवं दृढ़ संकल्प को दशार्ता है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा, सह-संयोजक डॉ. नीरज बातिश, डॉ. तृप्ति चौधरी, आदित्य लूदरी तथा दिव्यम भाटिया मौजूद रहे।

हरियाणा में बीस मतदाता शतायु पार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि 18वीं लोकसभा 2024 के आम चुनाव शुक्रवार से शुरू होने के साथ ही चुनाव का पर्व, देश का गर्व महोत्सव शुरू हो गया है। हरियाणा में 25 मई को छठे चरण के चुनाव होने हैं। बुजुर्ग एवं युवा मतदाताओं व विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ठ उपलब्धि हासिल करने वालों को जिला चुनाव आईकान बनाया गया है, जिनका उद्देश्य पिछले लोकसभा चुनाव में हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि पलवल जिले के धर्मवीर हरियाणा में 118 आयु वर्ष के सबसे बुजुर्ग मतदाता हैं। इसी तरह से सिरसा जिले की बलबीर कौर 117 वर्ष, सोनीपत जिले की भगवानी 116 वर्ष, पानीपत जिले के लक्खीशेक 115 वर्ष, रोहतक जिले की चंद्रो कौर 112 वर्ष, फतेहाबाद जिले की रानी 112 वर्ष, कुरुक्षेत्र जिले की अंती देवी, सरजीत कौर व चोबी देवी 111-111 वर्ष की हैं। इसी प्रकार से रेवाड़ी जिले की नारायणी 110 वर्ष, कैथल जिले की फुल्ला 109 वर्ष, फरीदाबाद जिले की चंदेरी देवी 109 वर्ष, जींद जिले की रामदेवी 108 वर्ष, नूंह जिले के हरि 108 वर्ष, झज्जर जिले की मेवा देवी 106 वर्ष, करनाल के गुलजार सिंह 107 वर्ष, हिसार जिले के शदकीन व श्रीराम और चरखी-दादरी जिले की गिना देवी 106-106 वर्ष की मतदाता हैं।

उन्होंने बताया कि भिवानी जिले की हरदेई 103 वर्ष तथा यमुनानगर की फूलवती 100 वर्ष की मतदाता हैं अग्रवाल ने मीडिया का आह्वान किया है कि वे ऐसे बुजुर्ग मतदाताओं के इंटरव्यू प्रकाशित व प्रसारित करें, ताकि युवा मतदाता उनसे प्रेरित हो सकें।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग ने दी जानकारी

अग्रवाल ने बताया कि एशियाई गेम्स 2023 में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक विजेता पलक को झज्जर जिले के लिए, 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाज़ी में रजत पदक विजेता आदर्श सिंह को फरीदाबाद जिले के लिए, 19वें सीनियर पैरा पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली सुमन देवी व भोपाल में हुई नेशनल स्कूल गेम्स में राज्य की टीम की खिलाड़ी याशिका को पानीपत जिले के लिए तथा 19वें एशियाई गेम्स में निशानेबाज़ी में रजत पदक विजेता सरबजोत सिंह को अंबाला जिले के लिए आइकॉन बनाया गया है। इसी प्रकार विश्व चैंपियन में स्वर्ण पदक विजेता महिला पहलवान सोनम मलिक को सोनीपत जिले के लिए, ओलम्पिक हॉकी खिलाड़ी सुरिंदर कौर को कुरुक्षेत्र जिले के लिए तथा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में गायकी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मुस्कान फतेहाबाद के लिए जिला चुनाव आइकॉन बनाया गया है।

अनुराग अग्रवाल ने अन्य जिलों के उपायुक्त, सह जिला निर्वाचन अधिकारियों को भी अपने-अपने जिलों में चुनाव आइकॉन बनाने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनावों के लिए चुनाव का पर्व- देश का गर्व को शीर्ष वाक्य बनाया है ताकि नागरिक बढ़-चढ़कर चुनावों में भाग लें।

उन्होंने प्रदेश भर के युवा जिनकी आयु 18-19 वर्ष है, जो पहली बार मतदान करेंगे, से आग्रह करते हुए कहा कि युवा जब निर्वाचन प्रक्रिया के साथ जुड़ेंगे तभी वे लोकतंत्र की शक्ति और अपने वोट का महत्व जान पाएंगे। इसलिए युवा इस अवसर को चूकें नहीं क्योंकि पांच वर्षों में एक बार लोकतंत्र का यह पर्व आता है।

रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा

मानवता के कल्याण में रक्तदान पुण्य का कार्य : प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि मानवता के कल्याण के लिए रक्तदान करना बड़े पुण्य का कार्य है। एक यूनिट रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है तथा रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं होती। वे शुक्रवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र व दिव्य कुरुक्षेत्र मिशन के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में क्रश हॉल में आयोजित एकदिवसीय रक्तदान शिविर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने कहा कि मनुष्य को मानवता के कल्याण हेतु सामाजिक दायित्व का निवर्हन करते हुए रक्तदान अवश्य करना चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकें।

कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने कहा कि रक्तदान करने से स्वास्थ्य सही रहता होता है तथा इससे दिल की बीमारियों व स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है तथा नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि कई बार जरूरतमंद व्यक्ति के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि तत्काल रक्त की आवश्यकता होती है।

ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा का लाभ उठाने के लिए महिलाएं 112 पर कॉल करें: रेखा

छात्राओं को जानकारी देते हुए एसएचओ रेखा रानी

एजेंसी। कैथल

इंदिरा गांधी पीजी महिला महाविद्यालय कैथल में छात्राओं को सुरक्षित यात्रा करने हेतू ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में अवगत कराने के लिए एक सेशन का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्यातिथि महिला थाना एसएचओ रेखा रानी ने शिरकत की। कॉलेज प्राचार्या डॉक्टर आरती गर्ग और सांयकालीन सत्र की प्राचार्या प्रभारी श्वेता तंवर ने मुख्यातिथि का कॉलेज प्रांगण पहुंचने पर स्वागत किया। एसएचओ रेखा जी ने टीएम एस के बारे में अपने वक्तव्य में कहा कि हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू की गई ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा जो महिलाओं को हरियाणा 112 से जोड़कर उनकी यात्रा को सुरक्षित करने में सक्षम बनाएगी। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए महिलाएं 112 पर कॉल करें और वेब आधारित फॉर्म के माध्यम से अपनी यात्रा का पंजीकरण करवाएं। पंजीकरण फार्म का लिंक आवेदक को एसएमएस के माध्यम से भेजा जाएगा। आवेदक को पंजीकरण फार्म में यात्रा विवरण के साथ-साथ आपातकालीन नंबर भी भरना होगा। यात्री की निगरानी हरियाणा 112 द्वारा हर आधे घंटे के उपरांत आवेदक को कॉल करके की जाएगी।

महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों ने लगाए 11 स्कूलों में योग शिविर

कैथल। महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल के छात्र प्रतिदिन अलग-अलग स्कूलों में जाकर स्कूली छात्रों को योग शिविरों के माध्यम से योग, दिनचर्या एवं आहार के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से स्कूली एवं विश्वविद्यालय के छात्रों का शिक्षण-प्रशिक्षण हो रहा है। छात्र जीवन में जो संस्कार दिये जाते हैं वही जीवन भर काम आते हैं। यदि छात्र जीवन से ही विद्यार्थी योग का अभ्यास प्रारम्भ करते हैं तो निश्चित रूप से यह उनके भविष्य के लिए अच्छा होगा। भारत सरकार भी निरंतर प्रयास कर रही है कि योग सभी नागरिकों की जीवन-शैली का अभिन्न अंग बन जाये। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र भारद्वाज कहते हैं कि शिक्षा केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं हो सकती। जो विद्यार्थी फील्ड में सीख सकता है वह कक्षा कक्ष में नहीं सीख सकता। जीवंत प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को भेजा जा रहा है।

कैस्ट्रॉल पावर-1 द्वारा प्रस्तुत इंडिया अल्टीमेट मोटोस्टार के नई दिल्ली ऑडिशन को मिला रिकॉर्ड ब्रेकिंग रिस्पॉन्स

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम / नोएडा

भारत के प्रीमियम परफॉर्मेंस लुब्रीकेंट ब्रांड, कैस्ट्रॉल पावर1 ने वायकॉन 18 और रजनी एकेडमी फॉर कम्पटीटिव रेसिंग (आरएसीआर) के साथ मिलकर एमटीवी पर प्रसारित होने वाले कैस्ट्रॉल पावर1 प्रेजेंट इंडिया अल्टीमेट मोटोस्टार के तीसरे चरण का ऑडिशन नई दिल्ली में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में देशभर में लगभग 10,000 रजिस्ट्रेशन में से, दिल्ली के उत्साहजनक मोटर रेसर्स की ओर से आश्चर्यजकन रूप से 2800 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन कराए गए। दिल्ली ऑडिशन में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी मोटो रेसर्स की उत्साहजनक भागीदार प्राप्त हुई, इन्होंने अपनी प्रतिभा और शानदार क्षमता का प्रदर्शन किया।

दिल्ली के जीवंत बाइकिंग समुदाय का जबरदस्त समर्थन मोटरस्पोर्ट उत्साह के केंद्र के रूप में शहर की स्थिति को रेखांकित करता है। प्रतिभागियों ने इंट्रोडक्टरी वीडियो के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन किया, दिल्ली में ऑन-ग्राउंड ऑडिशन में प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें आरएसीआर के विशेषज्ञों सहित सम्मानित जूरी के लिए चयन प्रक्रिया काफी चुनौतीपूर्ण रही।

इस पहल के महत्व और उल्लेखनीय रिस्पॉन्स पर बोलते हुए, श्री रोहित तलवार, उपाध्यक्ष और मार्केटिंग प्रमुख, कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड, ने कहा, हम पूरे भारत में, वशिषरूप से नई दिल्ली में, जहां से हमें 2820 रजिस्ट्रेशन प्रापत हुए, मोटर रेसिंग में बढ़ती रुचि को देखकर काफी खुशी है। इंडिया अल्टीमेट मोटोस्टार के साथ हमारा उद्देश्य उभरती प्रतिभाओं को रेसिंग के प्रति उनके जुनून को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करना है, और यह उत्साही भागीदारी देश के मोटरस्पोर्ट प्रतिभा का मार्गदर्शन करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इस पहल पर बोलते हुए, रजिनी कृष्णन, संस्थापक आरएसीआर ने कहा, भारत के मोटरस्पोर्ट खिलाड़ियों को सामने लाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए मैं कैस्ट्रॉल इंडिया को धन्यवाद देती हूं। देश के कुछ बेहतरीन मोटरसाइकिल रेसिंग प्रतिभाओं को अपनी आरएसीआर में मार्गदर्शन करने पर गौरवान्वित रही हूं।

पेटेंट का उद्देश्य नवाचार और नई प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को गैर-सर्जिकल कैंसर उपचार के लिए पेटेंट प्रदान किया गया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के प्रोफेसर पवन शर्मा तथा जूलोजी विभाग के शिक्षक डॉ. जितेंद्र भारद्वाज के ट्राइजोलोथियाजोलिल-ट्रायजोल व्युत्पन्न एपोप्टोसिस इंड्यूसिंग कंपोजिशन के पेटेंट को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के नाम पर प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कुवि शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए व शोध को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि शोध के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके। उन्होंने कहा कि पेटेंट विशेषज्ञ आईपीआर आनरेरी प्रोफेसर डॉ. रमेश कुमार मेहता के अमूल्य योगदान के माध्यम से पेटेंट दाखिल करने की सुविधा केयू शिक्षकों को प्रदान की जा रही है। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि वर्तमान आविष्कार कैंसर के उपचार के लिए एपोप्टोसिस उत्प्रेरण संरचना से संबंधित है। कैंसर मानव जाति के लिए सबसे भयानक बीमारियों में से एक है और यह दुनिया भर में सबसे अधिक इसके मरीज भी हैं।

वालमार्ट मार्केटप्लेस ने भारतीय विक्रेताओं के लिए समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। अंबाला

वालमार्ट ने आज भारतीय विक्रेताओं के लिए कंपनी की मार्केटप्लेस वेबसाइट वालमार्ट डॉट कॉम पर एक समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करने की घोषणा की, जिसके माध्यम से वे साइट पर पंजीकरण एवं बिक्री कर सकेंगे। साथ ही, वालमार्ट ने क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करते हुए जयपुर, राजस्थान में पहले वैश्विक विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी किया। इन सम्मेलनों के माध्यम से संभावित विक्रेताओं को उपभोक्ताओं एवं कैटेगरी ट्रेंड्स से जुड़ी इनसाइट्स एवं जानकारी प्रदान करते हुए मदद की जाएगी और ऑनबोर्डिंग सपोर्ट व कैटलॉग सेटअप में सहयोग किया जाएगा। सालभर पूरे देश में वैश्विक विक्रेता सम्मेलन आयोजित करने की योजना है।वालमार्ट मार्केटप्लेस को 2021 में भारतीय विक्रेताओं के लिए खोला गया था। वर्तमान में इस मार्केटप्लेस पर भारत में बनाए गए, विकसित किए गए या असेंबल किए गए उत्पादों के हजारों एसकेयू हैं। वालमार्ट का अमेरिकी मार्केटप्लेस दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। पिछले वित्त वर्ष में इसका राजस्व 45 प्रतिशत बढ़ा, जबकि वालमार्ट के विक्रेता 20 प्रतिशत बढ़े। वालमार्ट की इमर्जिंग मार्केट्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट वाइस प्रेसिडेंट मिशेल मी ने कहा, 'वालमार्ट के लिए भारत प्राथमिकता वाला बाजार है और समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करना भारतीय विक्रेताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वालमार्ट मार्केटप्लेस विक्रेताओं को दुनियाभर के ग्राहकों तक पहुंच प्रदान करते हुए भारतीय कंपनियों की क्षमता को अनलॉक करने के लिए प्रयासरत है। समर्पित ऑनबोर्डिंग सपोर्ट और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेविगेट करने की हमारी विशेषज्ञता के माध्यम से हम विक्रेताओं को ऐसे उपकरणों से सशक्त करते हैं, जिनकी उन्हें अमेरिका व अन्य मार्केटप्लेस में आगे बढ़ने के लिए जरूरत है।

भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया : रेखा बाल्मीकि

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा हरियाणा की प्रदेश सचिव रेखा बाल्मीकि ने कहा कि पार्टी प्रत्याशी पूर्व सांसद नवीन जिंदल एक सच्चे जनसेवक हैं, जो सांसद बन कर कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की जनता की पहले से और बेहतर सेवा करेंगे। वे पूर्व सांसद नवीन जिंदल और हरियाणा के राज्य मंत्री सुभाष सुधा का अभिनंदन कर विचार व्यक्त कर रहीं थीं। रेखा बाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार की हर नीति जनहितैषी है। भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया है, लोगों को ऑनलाइन तरीके से योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास रहा है कि केंद्र और प्रदेश की योजनाओं का लाभ आखिरी छोर पर बैठे हर व्यक्ति तक मिले। प्रदेश सचिव ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो सभी वर्ग के लोगों का भला करने में विश्वास रखती है।उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग, समर्थन व आशीर्वाद से देश व प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से नवीन जिंदल एक बड़ी जीत दर्ज करेंगे क्योंकि जनता का नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता का भरोसा कायम रखेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा सरकार 400 पार कर सरकार बनाएगी। हरियाणा की सभी 10 सीटों पर भाजपा भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

पूर्व सांसद नवीन जिंदल और हरियाणा के राज्य मंत्री सुभाष सुधा का अभिनंदन करती रेखा बाल्मीकि

जावा येजदी मोटरसाइकिल्स ने गाजियाबाद में आयोजित किया अपना मेगा सर्विस कैंप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जावा येज़्दी मोटरसाइकिल्स अपने बेहद सफल मेगा सर्विस कैंप को उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में पेश करने के लिए तैयार है। विभिन्न राज्यों में सर्विस कैंप के पहले चरण की सफलता के बाद, सर्विस कैंप के दूसरे चरण का और अधिक शहरों में विस्तार किया जाएगा। इस कैंप का आयोजन गाजियाबाद में, विशेष रूप से इस क्षेत्र में 2019 और 2020 मॉडल के जावा मोटरसाइकिल मालिकों के लिए 19 अप्रैल से 20 अप्रैल तक होगा।

सर्विस कैंप ईवी ट्रेड्स -ए-10 19, मेरठ रोड, डीपीएस गाजियाबाद स्कूल, गाजियाबाद में आयोजित होगा।

कैंप में, 2019-2020 जावा मोटरसाइकिलों के मालिकों को वाहन की व्यापक जांच और चुनिंदा कल-पुर्जे मुफ्त बदलने की सुविधा होगी। मोटुल, एमरॉन और सिएट टायर्स सहित अग्रणी मूल उपकरण आपूर्तिकर्ता ग्राहकों की सहायता के लिए सक्रिय रूप से भाग लेंगे। दीर्घकालिक ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप जावा येज़्दी मोटरसाइकिल्स, मोटरसाइकिलों की जांच के मूल्यांकन के आधार पर मानार्थ विस्तारित वारंटी की पेशकश कर रही है। इसके अतिरिक्त, विनिमय मूल्य (एक्सचेंज वैल्यू) का आकलन करने के लिए अपनी मोटरसाइकिलों को अपग्रेड करने में रुचि रखने वालों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र होगा।

पहले चरण के सर्विस कैंपों की सफलता के मद्देनजर जावा को उम्मीद है कि जून के अंत तक लगभग 10,000 बाइक की सर्विसिंग हो सकती है। इस पहले इन कैंप में 6250 से अधिक जावा मोटरसाइकिलों की सर्विसिंग हो चुकी है। जावा आने वाले महीनों में देश भर के कई शहरों में मेगा सर्विस कैंप (दूसरे चरण) का आयोजन करेगी। अगला शिविर नागपुर, देहरादून, फरीदाबाद और इंदौर में आयोजित किया जाएगा। यह पहल ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देने और बेजोड़ स्वामित्व का अनुभव प्रदान करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

देश की मजबूती व मूलभूत सुविधाओं के लिए भाजपा का चयन करें : बंतो कटारिया

यमुनानगर हल्के में 11 क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का हुआ जोरदार स्वागत, शहर के अनेक क्षेत्रों का किया दौरा : विधायक घनश्याम दास अरोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। जगाधरी

अंबाला लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया ने यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण व शहर की जनता से अपील की है कि वह देश की मजबूती प्रदान करने व नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाने के लिए भाजपा का चयन करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा के अलावा कोई पार्टी ऐसी नहीं है, जिसकी सोच देश हित की हो। अम्बाला लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र के बलाचौर,भुखडी, अमादलपुर, दयाल गढ़, भोगपुर, कैंप एरिया, हरबंसपुरा, आजाद नगर, योगेश नगर, प्रोफेसर कॉलोनी आदि क्षेत्रों में आयोजित सभाओ में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा के साथ क्षेत्रवासियों से वोटों की अपील कर रही थी, अंबाला लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों में किस तरह देश की कायापलट की, सबके सामने है। यदि हम चाहते हैं कि देश उन्नति करें और नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में मूलभूत सुविधाएं मिलें, तो हमें ऐसी पार्टी का चयन करना होगा जो ऐसा करने की क्षमता रखती है। बंतो कटारिया ने कहा कि अम्बाला लोकसभा क्षेत्र उनका घर व परिवार है और विश्वास दिलाते हैं कि जीत के बाद घर परिवार की सुख सुविधाओं में कमी नहीं आने देंगे, केंद्र सरकार की योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना, जनधन योजना ,सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि योजना से क्षेत्र की जनता को लाभ पहुंचा है। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा किया है। हमें पूरा भरोसा है कि तीसरी बार सरकार बनाकर हम देश को विकसित बनाने में अपना सहयोग देंगे।

यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र से बंतो कटारिया को जनता का आशीर्वाद सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा ऐसा उन्हें पूर्ण विश्वास है, सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को गरीब की परवाह न पहले थी न अब है। कांग्रेस पार्टी ने तो गरीब व्यक्ति को और ज्यादा गरीब करने का ही कार्य किया है। भाजपा राज में गरीबों की संख्या में कमी आई है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा व पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि अंबाला लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत जिला यमुना नगर के तीन विधानसभा क्षेत्र जगाधरी, यमुनानगर व सढौरा आते हैं, तीनों जगह भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया को जनता का भरपूर प्यार व स्नेह मिल रहा है, भाजपा जिला यमुनानगर संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता जी जान से भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया के चुनाव में प्रचार प्रसार करने में जुटा हुआ है, भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का किया आयोजन

यमुनानगर। गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज फॉर फार्मेसी ने स्वीप व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी पहल के तहत शुक्रवार को छात्र जागरूकता कार्यक्रम के रूप में मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच मतदान के महत्व के बारे में नागरिक जिम्मेदारी और जागरूकता को बढ़ावा देना था।

प्रिंसिपल डॉ. कुमार गौरव ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी कैप्टन मनोज कुमार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे सूचित और प्रतिबद्ध युवा देश के भविष्य को आकार देने में योगदान दे सकते हैं। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को चुनावी प्रक्रिया के बारे में शिक्षित करना है, जिससे वे चुनाव के दौरान सूचित निर्णय लेने में सक्षम हो सकें।

उन्होंने नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने और युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस पहल के लिए अपने समर्थन पर जोर दिया और छात्रों को सक्रिय रूप से लोकतंत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

शपथ समारोह के कॉलेज के इलेक्ट्रो लिटरेसी क्लब ने चुनाव में मतदान करने की शपथ ली और साथ ही मौजूदा लोगो को मतदान अधिकार के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में डॉ. अंजलि शर्मा, (एसोसिएट प्रो.), गुरदित्ता (सहायक प्रो.), विकास शर्मा (सहायक प्रो.) एवं विद्यार्थी केशव शर्मा और केशव काम्बोज, वाहिनी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वोटर आईडी कार्ड का डिजिटल वर्जन डाउनलोड करना हुआ सरल

यमुनानगर। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर में डिजिटल मतदाता पहचान पत्र या इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो आईडी कार्ड यानी ई-ईपीआईसी की सुविधा शुरु की हुई है। मतदाता की वोटर आईडी कहीं गुम हो गई है या फिर वह वोटर कार्ड की डिजिटल कॉपी सहेज कर रखना चाहता है तो वोटर हेल्पलाइन एप या फिर चुनाव आयोग की वेबसाइट वोटस.ईसीआई.जीओवी.इन से अपना वोटर कार्ड आसानी से मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड कर सकता है। खास बात यह है कि डिजिटल वोटर कार्ड ई-ईपीआईसी को डिजीलॉकर में अपलोड किया जा सकता है। इसके अलावा इसे प्रिंट भी करवाया जा सकता है। डीसी ने बताया कि ई-ईपीआईसी वोटर कार्ड ओरिजिनल वोटर आईडी कार्ड का एक नॉन-एडिटेबल पीडीएफ वर्जन है। वोटर आईडी के पीडीएफ वर्जन को भी आइडेंटिटी के साथ एड्रेस प्रूफ के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इस डिजिटल आईडी प्रूफ को आसानी से एक्सेस करने के लिए मोबाइल फोन या डिजिलॉकर में स्टोर करके रखा जा सकता है। जिला के नए वोटर राष्ट्रीय मतदाता पोर्टल ईसीआई.जीओवी.इन पर विजिट कर यह कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। नए यूजर को पहले इस पोर्टल में अपना नाम रजिस्टर करना होगा। अब ई-ईपीआईसी डाउनलोड करने के विकल्प पर क्लिक करें। इसके बाद ई-ईपीआईसी नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर को दर्ज करें। अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसके बाद ई-ईपीआईसी डाउनलोड का विकल्प सामने होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों का हुआ प्रथम रैंडमाइजेशन

यमुनानगर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले की चारों विधानसभा के लिए गठित मतदान पार्टियों का रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया जिला सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में पूरी की गई। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 963 पोलिंग बूथ हैं जिसमें 4 पिंक बूथ बनाए गए हैं जहां केवल महिला कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया का पूरा किया गया है। इसके बाद अब चुनाव आयोग के निर्देशानुसार दूसरा रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है। उन्होंने बताया कि जिले में चुनाव की तैयारी काफी बेहतर चल रही हैं और चुनाव आयोग की तरफ से मिलने वाले दिशा-निर्देशों को तय समय में पूरा किया जा रहा है। जिला का मतगणना केंद्र ने राजकीय आईटीआई में बनाया गया है जहां तैयारियां पूरी की जा रही है। डीसी ने बताया अब ईवीएम एवं वीवीपैट का रेंडमाइजेशन का कार्य आगामी 25 अप्रैल को किया जाएगा। इस दौरान एडीसी एवं एआरओ यमुनानगर आयुष सिन्हा, सीईओ जिला परिषद पंकज सेतिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम पीयूष गुप्ता, एसडीएम एवं एआरओ जगाधरी सोनू राम, एसडीएम एवं एआरओ रादौर जयप्रकाश, डीआईओ विनय गुलाटी, नायब तहसीलदार (इलेक्शन) गुलशन कुमार, सहित सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तपेदिक जागरूकता पर चर्चा का आयोजन किया

जालंधर। डार्विन जूलॉजिकल सोसाइटी के तत्वावधान में जूलॉजी विभाग ने तपेदिक जागरूकता पर यूजी और पीजी छात्रों के लिए विशेषज्ञ डॉ. सुमनदीप कौर, एमपीटी (न्यूरोलॉजी), एमआईएपी और डॉ. अंबर कपूर, प्रमाणित कपिंग फिजियोथेरेपिस्ट (एमडी) द्वारा हां, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया। प्रोफेसर पूजा शर्मा ने जूलॉजी विभाग की ओर से प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार और अतिथि वक्ता डॉ. सुमनदीप कौर और डॉ. अंबर कपूर का औपचारिक स्वागत किया। इसके उपरांत विभागाध्यक्ष प्रो पुनीत पुरी ने बीमारी की रोकथाम पर अपने विचार साझा किये। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने छात्रों को समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सुमनदीप कौर ने तपेदिक उपचार में फिजियोथेरेपी की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने विभिन्न व्यायामों का प्रदर्शन किया, जैसे साँस लेने के व्यायाम, संवेदी पुन: शिक्षा और गतिशीलता व्यायाम, जो रोगी के लिए सहायक हो सकते हैं। इस प्रक्रिया में डॉ. अंबर कपूर द्वारा सहायता प्रदान की गई। प्रत्येक प्रतिभागी ने बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त की और भविष्य में टीबी उन्मूलन प्रयासों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की। अंत में, डार्विन जूलॉजिकल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अभिनय ठाकुर ने अपने ज्ञान से छात्रों को प्रबुद्ध करने के लिए अतिथि वक्ता तथा आयोजन समिति के सभी सदस्यों प्रो पूजा शर्मा, डॉ. कपिला महाजन, प्रो पंकज बग्गा और प्रो रमनदीप कौर के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने डॉ. सीमा शर्मा प्रभारी, डीएवी कॉलेजिएट सीनियर सीनियर स्कूल की उपस्थिति के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने उत्साहपूर्ण समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार और जूलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो पुनित पुरी का विशेष आभार व्यक्त किया।

कैथल में हुआ मिशन बुनियाद का भव्य आयोजन

कैथल। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखोली अड्डा में छात्राओं के लिए मिशन बुनियाद के तहत जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके साथ-साथ नए सत्र के छात्रों हेतु रजिस्ट्रेशन और मिशन बुनियाद के पिछले सत्र के छात्रों हेतु पीटीएम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजयलक्ष्मी ने शिरकत की। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि डीईईओ सरोज दहिया व डायरेक्टर बुनियाद प्रदीप सेन्सनवाल रहे। प्रभारी जिला गणित विशेषज्ञ सुशील कुमार, डीपीसी सुरेन्द्र आर्य के अलावा खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश, नरेश कुमार, सुरेश कैंदल, बलबीर कश्यप, सुरेश सिंगला एवं गिरीश कौशिक भी मौजूद रहे। इनके साथ ही बीआरसी संजय शर्मा, सुनील दत्त एफएलएन कार्डिनेटर, प्रवीन थरेजा सहायक एवं मिशन बुनियाद के निदेशक प्रदीप सेन्सनवाल ने भी उपस्थिति दी। वर्तमान में कैथल में मिशन बुनियाद के 5 सेंटर चले हुए है और इनमें 121 विद्यार्थी भारत निर्माण के लिए तैयार किये जा रहे हैं। मुख्य अतिथि ने उपस्थित बच्चों को कड़ी मेहनत अपना कर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और बच्चों के कुशल नेतृत्व के लिए निदेशक को बधाई दी। सर्वप्रथम बच्चों के लिए मिशन बुनियाद की लेवल तीन परीक्षा आयोजित की गई जिसमें लेवल 2 को पार करके आए हुए 254 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके उपरांत मिशन बुनियाद के बारे में जानकारी दी गई जिसका विषय उत्सव कठिनाइयों का रखा गया। शीर्षक पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करते हुए मिशन बुनियाद के निदेशक प्रदीप सेन्सनवाल ने बच्चों को श्रीराम द्वारा स्थापित कठिनाइयों से जूझने के नियम धारण कर आगे बढ़ाने को प्रेरित किया।

रोहतक का गढ़ फिर फतह करने की कोशिश में जुटे हैं दीपेंद्र हुड्डा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस की कमान संभाले पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के लिए इस लोकसभा चुनाव में अपना खोया हुआ गढ़ रोहतक यानी रोहतक लोकसभा सीट को फिर से हासिल करने की बड़ी चुनौती है। हुड्डा अगर रोहतक लोकसभा सीट पर अपने पुत्र दीपेंद्र हुड्डा को विजय दिलाने में सफल रहते है तो वे आगे विधानसभा चुनावों में भी सफलता की उम्मीद कर सकते है।रोहतक गढ़ के संघर्ष में भाजपा के अरविंद शर्मा की ताकत मोदी सरकार का दस साल का कामकाज है।

हरियाणा की देशवाली जाट बेल्ट भूपेंद्र हुड्डा का प्रभाव क्षेत्र रहा है। रोहतक, सोनीपत, झज्जर इसी क्षेत्र में आते हैं। वर्ष 2019के लोकसभा चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा भाजपा के अरविंद शर्मा के मुकाबले रोहतक सीट हार गए थे। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा का रास्ता चुना और अभी राज्यसभा सदस्य है। इस बार फिर दीपेंद्र हुड्डा की रोहतक लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी है। पार्टी हाई कमान की ओर से सिर्फ ओपचारिक ऐलान ही बाकी है। रोहतक लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व लम्बे समय हुड्डा परिवार ने ही किया। दीपेंद्र हुड्डा के दादा रणबीर हुड्डा ने देश के पहले आम चुनाव में 1952में कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीती थी। इसके बाद 1957के आम चुनाव में भी कांग्रेस के टिकट पर रणबीर हुड्डा ही जीते थे। इसके बाद 1991,1996 और 1998में दीपेंद्र के पिता भूपेंद्र हुड्डा जीते थे। भूपेंद्र हुड्डा 2004 में भी रोहतक सीट से लोकसभा गए। वर्ष 2005से 2019 तक दीपेंद्र हुड्डा लोकसभा में रहे।

इस बार दीपेंद्र के पक्ष में यह बात है कि भाजपा ने लगातार दूसरी बार अरविंद शर्मा को ही उम्मीदवार बनाया है।इसके चलते दीपेंद्र हुड्डा को मालूम है कि अरविंद शर्मा के मुकाबले उन्हें कहा स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। दरअसल वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दीपेंद्र की हार की सबसे बड़ी वजह कोसली विधानसभा क्षेत्र में बड़े अंतर से पिछड़ना रहा।. इस बार दीपेंद्र हुड्डा सबसे पहले कोसली में ही अपने समीकरण दुरुस्त करने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहे हैं।. हलके में दीपेंद्र की सक्रियता और अरविंद शर्मा की पूरी तरह गैरहाजिरी कोसली के समीकरण बदलने के लिए काफी है।.

हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना के पीड़ितों को मुआवजा देने संबंधी निगरानी समिति की बैठक हुई

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की पालना करते हुए हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना के पीड़ितों को मुआवजा देने संबंधी निगरान कमेटी की बैठक स्थानीय एडीआर सेंटर में हुई। बैठक में सचिव डीएलएसए जालंधर बलजिंदर सिंह मान कनवीनर और एसडीएम-1-कम-कलेम जांच अधिकारी जय इंद्र सिंह और एसीपी ट्रैफिक जालंधर सतिंदर कुमार चड्ढा सदस्य के तौर पर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि इस समिति का गठन माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार किया गया है। निर्णय के आदेश के अनुसार यदि अधिकार क्षेत्र के पुलिस स्टेशन द्वारा दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज करते समय दुर्घटना में शामिल वाहन का विवरण उपलब्ध नहीं है और यदि उचित प्रयास करने के बाद भी दुर्घटना में शामिल वाहन का विवरण उपलब्ध नहीं है। पुलिस दुर्घटना रिपोर्ट दर्ज करने की तिथि यदि एक माह के भीतर सुनिश्चित नहीं की जाती है, तो थाना प्रभारी घायल या मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों को लिखित तौर पर सूचित करेगा कि हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना के तहत मुआवजे का दावा किया जा सकता है।

पुलिस स्टेशन का इंचार्ज अधिकारी, योजना की धारा 21 की उप-धारा (1) में दिए गए प्रावधान के अनुसार, पीड़ितों के नाम और मृतक के कानूनी प्रतिनिधियों के नाम के साथ एक एफएआर क्लेम जांच अधिकारी को भेजेगा।यदि दावा जांच अधिकारी द्वारा एफएआर और अन्य विवरण प्राप्त होने के एक महीने के भीतर दावा आवेदन प्राप्त नहीं होता है, तो दावा जांच अधिकारी द्वारा संबंधित जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को सूचना दी जाएगी और दावेदारों से संपर्क किया जाए और क्लेम दायर करने में उनकी सहायता की जाए। दावा जांच अधिकारी हिट एंड रन मोटर दुर्घटना योजना 2022 के पीड़ितों को मुआवजा के तहत आवेदन प्राप्त होने की तारीख से एक महीने के भीतर दावा सेटलमेंट कमिश्नर आयुक्त को दावा प्रस्तुत करेगा। दावा सेटलमेंट कमिश्नर जांच अधिकारी की रिपोर्ट प्राप्त होने के पंद्रह दिनों के भीतर दावे को मंजूरी देगा। योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए निगरानी समिति हर दो महीने में कम से कम एक बार बैठक करेगी।

विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंची मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी ने भाजपा के पक्ष में मांगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

गांव कलामपुरा में हरपाल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं करनाल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नायब सैनी की पत्नी सुमन सैनी का हरपाल व गाँव के गणमान्य व्यक्तियों व भारी सख्या में महिलाओं ने स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए हरपाल ने कहा भाजपा सरकार ने मजदूरों, किसानों, कर्मचारियों, महिलाओं, युवाओं सहित सभी वर्गो को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है और अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं जिसका जनता को पूरा लाभ मिल रहा है। यही वजह है कि आज भारतीय जनता पार्टी देश की लोकप्रिय पार्टी बन चुकी है। कार्यक्रम में करनाल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नायब सैनी की पत्नी सुमन सैनी पहुंची। उन्होंने कई कार्यक्रमों में शिरकत की और करनाल विधानसभा उप चुनाव और लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। जगह-जगह सुमन सैनी का स्वागत किया गया और लोगों ने हाथ उठाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का वादा किया।

सुमन सैनी ने कहा कि सीएम नायब सैनी प्रदेश की जनता की सेवा में जुटे हुए हैं और अब भविष्य में भी यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ है और उसी आशीर्वाद से आज देश और प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता के लिए हर समय सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने अनेक जन हितैशी योजनाएं चलाई। महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य किया। आज महिलाएं आत्मनिर्भर हैं। इस अवसर पर मेयर रेणुबाला गुप्ता, चेयरमैन निर्मला बैरागी, मेघा भंडारी, मीना कांबोज, अमर ठक्कर, रेखा आनंद, शमशेर डाबर आदि मौजूद थे।

रोहतक में हादसे ने बुझा दिए दो परिवारों के चिराग, गांव में मचा कोहराम

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

रोहतक में खिड़वाली-ब्राह्मणवास गांव के बीच हुए सड़क हादसे में घायल हुए प्रदीप ने भी पीजीआई में उपचार के दौरान गुरुवार रात को दम तोड़ दिया जिसके बाद हादसे में दो परिवारों के चिराग बुझा दिए।

इधर, अमित की मौत के बाद दो परिवारों में कोहराम मचा है। दरअसल अमित का परिवार पूरे गांव में प्रेम व सौहार्द के लिए मिसाल था। सबसे बड़ी बात तो यह है कि अमित को अभी तक पता नहीं था कि उसे जन्म देने और पालन वाली मां अलग-अलग हैं।

आंखों में आंसू लिए अमित के पिता रामकुमार ने बताया कि जब अमित पैदा हुआ, उसी समय गोद ले लिया था। मां बनकर उसकी मौसी ने पालन- पोषण किया था।

मृतक अमित व प्रदीप के फाइल फोटो व दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल

खिड़वाली गांव निवासी रामकुमार ने बताया कि वह दो भाई हैं। उनके छोटे भाई राजबीर और उनकी शादी दो सगी बहनों के साथ हुई थी, जो सोनीपत जिले के गांव गढ़ी सिसाना की रहने वाली हैं। राजबीर के दो बेटे और दो बेटी हैं और उनका कोई बच्चा नहीं था। इसलिए उनके भाई राजबीर ने एक बेटा अमित और बेटी सोनिया उन्हें गोद दिया था। बेटी सोनिया की शादी हो चुकी है। 22 साल का बेटा अमित अभी पढ़ाई कर रहा था। बुधवार दोपहर बाद अमित अपने दोस्त प्रदीप के साथ बाइक पर गांव से रोहतक आ रहा था।

शिव भट्ठा खिड़वाली के पास पहुंचे तो भट्ठे की ओर से एक ट्रैक्टर चालक मिट्टी मिक्कर डंपर को जोड़कर एकदम रोड पर ले आया। बाइक सीधी डंपर मिक्कर में जा टकराई, जिससे अमित व प्रदीप को काफी गहरी चोटें आई।

परिजनों ने दोनों को पीजीआई में दाखिल करवाया गया, जहां अमित ने बुधवार रात को ही दम तोड़ दिया था, जबकि प्रदीप की वीरवार रात को मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक खिड़वाली गांव निवासी सोमबीर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस टीम ने दो मोबाइल स्नेचेरों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। जगाधरी

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस चौकी फर्कपुर की पुलिस टीम ने दो मोबाइल स्नेचेरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों से छीना गया मोबाइल बरामद किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि न्यू नानक नगर निवासी जितेंद्र यादव ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह जोड़ियां में प्लाइवुड फैक्ट्री में ठेकेदार के पास काम करता है। दिनांक 14 अप्रैल को वह अपनी एक्टिवा पर सवार होकर फैक्ट्री जा रहा था। जब वह जोड़ियां गुरुद्वारे के पास शमशान घाट के पास पहुंचा तो वहां दो लड़के अपनी बाइक पर खड़े थे। उन लड़कों ने उसको रोक कर उसकी पेंट से उसका मोबाइल छीन करअपनी बाइक पर फरार हो गए।

इस सूचना पर तुरंत एक टीम का गठन किया गया। इस पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए मुखबरी के आधार पर दो युवको को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जिनकी पहचान वीना नगर कैंप निवासी सचिन उर्फ जोनी पुत्र धर्मपाल व गोविंद उर्फ़ मंगा पुत्र राजपाल के नाम से हुई। आरोपियों से छीना गया मोबाइल बरामद किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवाओं को मजबूत लोकतंत्र के लिए अधिक से अधिक चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया

पायनियर समाचार सेवा। जालंधर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने युवाओं को मजबूत लोकतंत्र के लिए लोकसभा चुनाव-2024 में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। आज संत बाबा भाग सिंह विश्वविद्यालय में स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि %हम सभी को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का सदस्य होने पर गर्व है, जो हमें स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने का अवसर देता है।% अधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों/युवाओं द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए 70 प्रतिशत से अधिक मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक लोगों की सक्रिय भागीदारी के

लिए स्वीप गतिविधियों के तहत एक व्यापक योजना तैयार की है जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एक जून 2024 को पहली बार वोट डालने वाले सभी मतदाताओं को चुनाव अधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। शपथ लेने के साथ ही आई वोट फॉर श्योर लिखकर हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया। जो जिले भर में आयोजित की जाएगी। इससे पहले यूनिवर्सिटी के चांसलर संत मनमोहन सिंह, संत बाबा भाग सिंह मेमोरियल चेरिटेबल सोसायटी के सचिव हरदमन सिंह, वीसी डॉ. धर्मजीत सिंह, डीन एकेडमिक डॉ. विजय धीर और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में युवाओं की अधिकतम भागीदारी के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इससे पहले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लोकसभा चुनाव-2024 में नैतिक मतदान का संदेश देते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। इस अवसर पर आईएएस सुनील फोगाट, अतिरिक्त उपायुक्त जसबीर सिंह, एआरओ पुनीत शर्मा और विभिन्न विभागों और विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद थे।

आरकेएसडी कॉलेज सायंकालीन सत्र की छात्रा ने पाया पांचवां स्थान

कैथल। आरकेएसडी महाविद्यालय के सायंकालीन सत्र की राजनीति विज्ञान विभाग की एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा काजल ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में पहले 10 में से पांचवां स्थान हासिल कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस मेधावी छात्रा को महाविद्यालय में बुलाकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल, सायंकालीन सत्र के प्राचार्य प्रभारी डॉ हरिंदर गुप्ता, राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. श्रीओम और सांयकालीन से राजनीति विभाग से अध्यक्षा डॉ. ऋतु चौधरी द्वारा 2100 रुपए नकद राशि देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं की। छात्रा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं विभाग के शिक्षकों को दिया। यह छात्रा भविष्य में सहायक प्रोफेसर बनना चाहती है।

गुजरात : कारोबारी और स्कूली बच्चे सहित 35 लोग बनेंगे जैन भिक्षु

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात में 11 साल के एक लड़के और एक धनवान दंपति सहित जैन समाज के 35 लोग 22 अप्रैल को गृहस्थ जीवन छोड़कर दीक्षा लेंगे और जैन भिक्षु बन जाएंगे। एक धार्मिक न्यास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुजरात और महाराष्ट्र के जैन समुदाय के सदस्यों के लिए पांच दिवसीय दीक्षा समारोह बृहस्पतिवार को साबरमती रिवरफ्रंट पर अध्यात्म नगरी में शुरू हुआ जो 22 अप्रैल को समाप्त होगा। सूरत से संचालित

न्यास श्री अध्यात्म परिवार ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 35 लोग जैन मुनि आचार्य विजय योगतिलकसूरीश्वरजी महाराज से दीक्षा लेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 35 लोगों में दस की उम्र 18 साल से कम है। इनमें भी सबसे छोटा 11 साल का लड़का है। भिक्षुक बनने वाले किशोरों में सूरत के 13 वर्षीय हेत शाह भी हैं। हेत ने उपधान तप करने के लिए लगभग दो साल पहले अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। इसके तहत व्यक्ति को 47 दिन तक घर से दूर एक संन्यासी की तरह रहना पड़ता है।

हेत की मां रिम्पल शाह ने बताया, उसे स्कूल और आध्यात्मिक गतिविधियों में संतुलन बनाने में कठिनाई हो रही थी इसलिए उसने हमारे गुरुओं के साथ रहने के लिए लगभग दो साल पहले अपनी पढ़ाई छोड़ दी। फिर उसने सांसारिक जीवन से दूर रहने की इच्छा व्यक्त की। वह हमारी इकलौती संतान है, लेकिन हमने उसकी इच्छा को स्वीकार किया क्योंकि हम मानते हैं कि एक भिक्षु के जीवन से बेहतर कुछ भी नहीं है। दीक्षा समारोह के दौरान पांच दंपति भी अपना कारोबार बंद और घर छोड़कर सांसारिक जीवन का त्याग करेंगे और दीक्षा ग्रहण करेंगे। अहमदाबाद के कारोबारी भावेश भंडारी (46) और उनकी पत्नी जीनल (43) अपने बच्चों का अनुकरण करते हुए रियल एस्टेट का कारोबार छोड़ दीक्षा ग्रहण करेंगे। भंडारी का बेटा और बेटी ने 2021 में दीक्षा ली थी। भावेश ने कहा, हमने देखा कि हमारे बच्चे किस तरह भिक्षुक के तौर पर प्रसन्न जीवन बिता रहे हैं। यह गलत धारणा है कि हम बिना पैसे एवं सुख सविधाओं के खुशी से जीवन नहीं बिता सकते। हमारे गुरुओं की दीक्षा ने भी हमें यह फैसला लेने में मदद की। अब मेरे पिता एवं बड़े भाई मेरे कारोबार को देखेंगे।

ओडिशा के नंदनकानन चिड़ियाघर में सफेद बाघिन स्नेहा की मौत

एजेंसी। भुवनेश्वर

भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में स्थित नंदनकानन प्राणी उद्यान में 14 वर्षीय सफेद बाघिन स्नेहा की शुक्रवार को उसके बाड़े में मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक सफेद बाघिन बृहस्पतिवार को बीमार पड़ गई और उसका उपचार किया जा रहा था लेकिन सुबह उसने दम तोड़ दिया। अधिकारी के अनुसार वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के अलावा बाघिन के मौजूदा भीषण गर्मी से भी पीड़ित होने की आशंका है। एक मार्च 2010 को पैदा हुई स्नेहा ने पांच अगस्त, 2016 को तीन शावकों मौसमी (मादा), चीनू (नर) और विक्की (नर) को जन्म दिया। स्नेहा ने अपनी दूसरी गर्भावस्था के दौरान लव और कुश को जन्म दिया। स्नेहा ने 28 मार्च, 2021 को तीन सामान्य शावकों, राकेश, रॉकी और बंशी को जन्म दिया था।

पाकिस्तान पर मोदी का निशाना, कहा

आतंक की आपूर्ति करने करने वाला आज आटे के लिए संघर्ष कर रहा

एजेंसी। दमोह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान का नाम लिए बिना उस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो देश आतंक की आपूर्ति करता था वह इन दिनों आटे के लिए संघर्ष कर रहा है। मध्य प्रदेश के दमोह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत कभी अपने अधिकांश हथियार विदेशों से खरीदता था, लेकिन अब वह अन्य देशों को उच्च तकनीक वाले हथियार निर्यात कर रहा है। उन्होंने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल निर्यात करने का उल्लेख किया। दुनिया में मौजूदा स्थिति का हवाला देते हुए, उन्होंने केंद्र में एक मजबूत और स्थिर सरकार की वकालत की।

मोदी ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा, दुनिया में कई देश हैं जिनकी हालत खराब हो गई है। कई दिवालिया हो रहे हैं। यहां तक कि हमारा एक पड़ोसी देश, जो आतंकवाद का आपूर्तिकर्ता था, अब आटा की आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के साथ काम करती है और कभी भी किसी के दबाव में नहीं आती या किसी के सामने नहीं

झुकती। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण रूस से तेल खरीदने के भारत के कदम का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, देश के लोगों को सस्ता तेल और किसानों को पर्याप्त उर्वरक मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हमने राष्ट्रहित में यह निर्णय लिया है।

मोदी ने कहा, हमने पिछले 10 वर्षों में देखा है कि एक स्थिर सरकार लोगों के हित में कैसे काम करती है। कोविड-19 संकट के दौरान, दुनिया भर में अराजकता थी, लेकिन एक मजबूत भाजपा सरकार दुनिया भर से अपने नागरिकों को वापस ले आई। भाजपा के स्टार प्रचारक मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि देश को एक बड़ी वैश्विक शक्ति बनाने के लिए अगले पांच साल महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं, तब एक ऐसी सरकार की जरूरत है जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम हो।

उन्होंने कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है और वह इस साल दूसरे देशों को 21,000 करोड़ रुपए के हथियार निर्यात करने की तैयारी में है। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि जब वह यहां (दमोह में) भाषण दे रहे हैं, तब भारत फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर देश के रक्षा क्षेत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि जब रक्षा बलों के लिए हथियारों की खरीद की बात आती है तब भी वे अपने निहित स्वार्थ से चलते हैं। उन्होंने भारतीय वायु सेना के लिए फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद में बाधाएं पैदा करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि अगर विपक्षी दल सत्ता में होता तो तेजस विमान आसमान में नहीं उड़ पाते। मोदी ने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि 70 साल से अधिक उम्र के प्रत्एक व्यक्ति को केंद्र की आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा, जिससे उनके लिए पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उसने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों के लिए मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।

मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर में 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी की प्रशंसा की और इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। भाजपा ने दमोह लोकसभा सीट से राहुल लोधी और खजुराहो सीट से प्रदेश पार्टी अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा को मैदान में चुनाव मैदान में उतारा है। इन दोनों सीट पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होगा।

शादी में फोटो खींचने को लेकर हुए विवाद में एक की हत्या

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में शादी समारोह के दौरान फोटो खींचने को लेकर हुए विवाद के चलते कथित रूप से एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने शुक्रवार को बताया कि अल्लाहगंज थानाक्षेत्र के दखिनौआ मोहल्ले में कमलेश आर्य के यहां अमृतपुर से बृहस्पतिवार रात बारात आई थी तथा उसी दौरान वधु पक्ष के लोगों की फोटो खींचने को लेकर बारातियों के साथ कहासुनी और मारपीट हो गई। मीणा के अनुसार इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों ने बीचबचाव कर मामला शांत करवा दिया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह वधु के बहनोई राजेश कुमार (40) का शव रोड पर पड़ा मिला, ऐसे में आशंका प्रकट की जा रही है कि राजेश के सर पर किसी वजनदार वस्तु से प्रहार किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मीणा ने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई और वह मामले की जांच कर रही है।

मानवाधिकार आयोग ने दिवंगत कवि से जुड़े मामले पर कार्रवाई का निर्देश दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को 1990 में आतंकवादियों द्वारा मारे गए एक कवि और उनके बेटे के परिवार से संबंधित पुराने मुद्दे की मानवीय दृष्टिकोण से जांच करने और कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। राजेंद्र प्रेमी से उनके और उनके परिवार के संबंध में 15 जुलाई, 2020 को प्राप्त शिकायत या सूचना बृहस्पतिवार को आयोग के समक्ष दी गई। आयोग की वेबसाइट पर अपलोड की गई मामले की कार्यवाही के अनुसार, उनके पिता, कवि और स्वतंत्रता सेनानी सर्वानंद कौल प्रेमी और छोटे भाई की 1990 में आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

वर्तमान मामला पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य मानवाधिकार आयोग के खंडपीठ के फैसले पर अमल में देरी के कारण जम्मू और कश्मीर के इस प्रभावित परिवार की दुर्दशा के प्रति राज्य सरकार के उदासीन रवैये से सबंधित है। आयोग ने कहा, ऐसे पीड़ितों के निकटतम रिश्तेदारों को वैध अधिकारों से वंचित करना ऐसे निर्दोष व्यक्तियों के प्रति राज्य प्रशासन की संवेदनशीलता और करुणा की कमी को दर्शाता है, जिनके भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निहित जीवन के अधिकार का उल्लंघन किया गया था। आयोग ने अपनी कार्यवाही में कहा है कि उसने शिकायतकर्ता की विभिन्न दलीलों सहित रिकॉर्ड पर मामले पर विचार किया। उसका कहना है कि राज्य इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता कि जम्मू-कश्मीर एसएचआरसी के खंडपीठ के 22 फरवरी, 2012 के निर्णय के कार्यान्वयन में काफी देरी हुई है। कार्यवाही के अनुसार, आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को मानवीय दृष्टिकोण के साथ पूरे मुद्दे की जांच करने और मामले में उचित समझे जाने वाली कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आयोग ने कहा, अनुपालना रिपोर्ट आयोग के आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए आठ सप्ताह की अवधि के भीतर प्रस्तुत की जाए।

खेत में लगाए फंदे में फंसकर तेंदुए की मौत

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में एक खेत में लगाए गए फंदे में फंसकर तेंदुए की मौत के मामले में खेत मालिक समेत तीन लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओ) कैलाश जोशी ने बताया कि मानपुर के जंगली इलाके में एक खेत में लगाए गए फंदे में फंसा तेंदुआ बृहस्पतिवार को मृत पाया गया था। उन्होंने बताया कि इस फंदे में तेंदुए की गर्दन फंस गई थी और दम घुटने से उसकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में खेत के मालिक रामचंद्र पाटीदार, बटाईदार किसान राहुल पाटीदार और चौकीदार विकास भाटिया को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के संबंधित प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। जोशी ने बताया कि मौके के मुआयने पर पाया गया कि इस खेत के किनारे की बाड़ पर 12 फंदे लगाए गए थे जिन्हें मोटरसाइकिल के क्लच के तार से तैयार किया गया था। उन्होंने कहा कि वन विभाग को संदेह है कि ये फंदे जंगली सुअर और खरगोश जैसे छोटे जानवरों के शिकार के लिए लगाए गए थे। एसडीओ ने बताया कि तेंदुए की मौत के मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मतदान के लिए कोटद्वार पहुंची बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला

चंद्रमोहन जदली। कोटद्वार

कोटद्वार के दिया दिव्यांग संस्था ,निम्बूचौड़ में बॉलीवुड अभिनेत्री व मिस इंडिया यूनीवर्स उर्वशी रौतेला व उनके सचिव चन्द्रमोहन जदली ने दिव्यांग बच्चों को अनेक उपहार, फल, मिठाई ,आईसक्रीम, जलेबी, कॉपियाँ, पेन, पेंसिल,र बर,ज्योमैट्री बॉक्स,किताबें इत्यादि सामग्री वितरित की। इस अवसर पर उर्वशी रौतेला की माँजी मीरा रौतेला, मनवर सिंह रौतेला भी उपस्थित थे। उर्वशी रौतेला ने दिव्यांग बच्चों के साथ जमकर नृत्य भी किया। बच्चों को स्वयं अपने हाथों से भोजन, मिठाई, फ़ल, उपहार इत्यादि का वितरण किया। उन्होंने अपनी ओर से सँस्था को पेयजल आपूर्ति,सौर ऊर्जा,क्रीड़ा सामग्री सहित अनेक प्रकार की मदद देने का आश्वासन दिया। उन्होंने सँस्था के निराश्रित दिव्यांग बच्चों की नि:स्वार्थ सेवा के लिए उनके संचालकों की प्रसंशा करते हुए

कहा कि मानव सेवा सर्वोपरि है,ऐसे समय मे जब लोग अपने ही बच्चों के लिए थोड़ा सा भी समय नहीं निकल पा रहे हैं ।

संस्था की संचालिका कविता मलासी व रोशनी कुकरेती मिलकर बेहद कम संसाधनों से संघर्ष करते हुए इन जरूरतमंद दिव्यांग बच्चों की निरंतर सेवा कर रही हैं। यह निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणादायक है। गौरतलब है कि उर्वशी रौतेला का गृह क्षेत्र पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार में है और आजकल वह लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए आई हुई हैं। उर्वशी रौतेला के निकट सहयोगी चन्द्रमोहन जदली ने बताया कि कोटद्वार पहुंचते ही उन्होंने सपरिवार प्रसिद्ध सिद्दबली मंदिर के दर्शन किये। बाद में अनेक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। चन्द्रमोहन जदली ने बताया कि उर्वशी रौतेला बचपन से ही सामाजिक सेवाभाव प्रवृत्ति की रही है, उन्होंने बाढ़ आपदा प्रभावितों व कोरोना काल में जरूरतमंद लोगों को राहत सामग्री,राशन,कपड़े इत्यादि दान किये थे।

दुर्घटनावश यूबीजीएल का गोला फटा सीआरपीएफ के जवान की मृत्यु

एजेंसी। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल) का गोला दुर्घटनावश फट जाने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान की मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गलगम गांव के करीब यूबीजीएल का गोला फटने से सीआरपीएफ की 196 वीं बटालियन के आरक्षक देवेंद्र कुमार (32) की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबल के जवान गलगम मतदान केंद्र से पांच सौ मीटर की दूरी पर नक्सल विरोधी अभियान पर थे, उसी दौरान उनसे यूबीजीएल का गोला दुर्घटनावश फट गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में आरक्षक देवेंद्र कुमार घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद घायल जवान का प्राथमिक उपचार किया गया तथा हेलीकॉप्टर से

उन्हें जगदलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि आरक्षक देवेंद्र बस्तर जिले के धोबीगुड़ा गांव के निवासी थे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उनके परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल की जांच के लिए विशेषज्ञों के दल को रवाना किया गया है, जिससे विस्फोट के कारणों के बारे में जानकारी मिल सके। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को मतदान हुआ। क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षाबलों के 60 हजार से अधिक जवानों को तैनात किया गया था।

जातिगत भेदभाव की शिकायत पर कंपनी मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी। मुंबई

पुलिस ने जाति के आधार पर भेदभाव किए जाने की शिकायत के बाद यहां एक कंपनी की मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के एक कर्मचारी ने जाति के आधार पर भेदभाव किए जाने का आरोप लगाया है जिसके बाद कंपनी की मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि गोरेगांव इलाके में स्थित कंपनी की मालिक ने 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर जातिगत पूर्वाग्रह दिखाते हुए एक आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अधिकारी ने शिकायत के हवाले से कहा कि उस व्यक्ति को उस दिन अपनी नियोक्ता से व्हाट्सएप पर एक संदेश मिला जिसमें पूछा गया कि क्या

नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के तहत मामला दर्ज किया गया

वह एससी (अनुसूचित जाति) समुदाय से है। उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति ने हां में जवाब दिया, तो कंपनी की मालिक ने कहा कि वह पिछड़े समुदाय के लोगों को नौकरी पर नहीं रखती है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया, व्हाट्सएप पर संदेशों के आदान-प्रदान के दौरान नियोक्ता ने कहा, मैं जय भीम वाले को जॉब पर नहीं रखती।

अधिकारी ने कहा कि कंपनी में विपणन कार्यकारी के तौर पर शामिल हुए व्यक्ति ने अपने माता-पिता को इसके बारे में बताया और फिर गोरेगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए कंपनी की मालिक के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि क्योंकि शिकायतकर्ता वकोला इलाके में रहता है, इसलिए मामले को आगे की जांच के लिए वकोला थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बीच, उस व्यक्ति और उसकी नियोक्ता के बीच व्हाट्सएप पर हुई बातचीत का एक कथित स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया में देखा जा रहा है।

अधिकारी को वक्फ बोर्ड प्रशासक पद से हटाने के लिए याचिका

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (गृह) अश्विनी कुमार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पद से हटाने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कुमार पर वक्फ संपत्तियों के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने याचिका को 30 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

याचिका में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के प्रशासक उस धार्मिक समिति के अध्यक्ष भी है जिसने कई वक्फ संपत्तियों को हटाने और ढहाने की सिफारिश की है। सेक्युलर फ्रंट ऑफ लॉयर्स द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है, किसी संगठन में प्रशासक की नियुक्ति संगठन के कल्याण और बेहतरी के लिए की जाती है और ऐसे व्यक्ति को उस संगठन के हितों की रक्षा करनी होती है। हालांकि, वर्तमान मामले में, दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रशासक पूरी तरह से वक्फ संपत्तियों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी रक्षा करने के बजाय, वह वक्फ संपत्तियों को नष्ट करने के लिए बैठे हैं।

वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद और वकील इमरान अहमद एवं रोहित शर्मा याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि पिछले एक साल में, धार्मिक समिति ने दरगाह मामू भांजा, सुनेहरी बाग मस्जिद, मस्जिद मदरसा कंगाल शाह और अखुंदजी मस्जिद सहित कई वक्फ संपत्तियों को हटानेाढहाने की सिफारिश की है। याचिका में कहा गया है कि धार्मिक समिति की गलत सिफारिशै पर दरगाह मामू भांजा के एक बड़े हिस्से को ढहा दिया गया है और 600 साल से अधिक पुरानी अखूंदजी मस्जिद को पूरी तरह से ढहा दिया गया है।

केजरीवाल के खिलाफ रची जा रही साजिश, जेल में उनके साथ कुछ भी हो सकता है: संजय सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है और जेल में उनके साथ कुछ भी हो सकता है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सिंह ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसी की हत्या करने के स्तर तक भी गिर सकती है। साथ ही उन्होंने केजरीवाल के जीवन को खतरे में डालने की साजिश में कथित रूप से शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सिंह ने आरोप लगाया, अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है और जेल के अंदर उनके साथ कुछ भी हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आप नेता इस मुद्दे को उठाने के लिए निर्वाचन आयोग और राष्ट्रपति से मिलेंगे।

दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने बताया कि मुख्यमंत्री

केजरीवाल ने अदालत में एक अर्जी दाखिल कर इंसुलिन और दवाएं मुहैया कराने की अपील की है। वहीं, इससे एक दिन पहले आतिशी ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री को जेल में घर का बना भोजन और इंसुलिन से वंचित कर मारने की साजिश रची जा रही है, लेकिन तिहाड़ जेल अधिकारियों ने उनके इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया। आतिशी ने शुक्रवार को कहा, केंद्र, प्रवर्तन निदेशालय और तिहाड़ (प्रशासन) इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? हमने सुना है कि आजादी से पहले कैदियों के साथ ऐसी चीजें होती थीं। यह सब एक बड़ी साजिश का हिस्सा है।

आतिशी ने सवाल किया, तिहाड़ प्रशासन ने किस कानूनी प्रावधान के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के साथ (केजरीवाल की स्वास्थ्य संबंधी) जानकारियां साझा कीं? जांच एजेंसी का एक ही काम है कि वे धनशोधन की जांच करें। क्या आप ने उनकी रोटियों में नकदी मिलाई? ईडी को ये सभी जानकारियों क्यों साझा की गईं? ईडी ने इन्हें अदालत में क्यों जमा किया? ईडी ने बृहस्पतिवार को अदालत के समक्ष दावा किया कि केजरीवाल चिकित्सा आधार पर जमानत पाने के लिए मधुमेह होने के बावजूद हर दिन आम और मिठाई जैसे ज्यादा शर्करा वाले खाद्य पदार्थ खा रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आप के आरोपों पर पलटवार करते हुए दावा किया कि वे केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता बिधूड़ी ने सुझाव दिया कि तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री को केवल एक आहार विशेषज्ञ की सलाह पर ही भोजन दिया जाना चाहिए। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री मधुमेह के लिए इंसुलिन लेते हैं। उन्होंने कहा कि यदि मधुमेह से ग्रस्त व्यक्ति को समय पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी तो उसकी मौत भी हो सकती है। राज्यसभा सदस्य ने पूछा, भाजपा के इशारे पर उनकी (केजरीवाल की) जिंदगी से क्यों खिलवाड़ किया जा रहा है और उन्हें इंसुलिन क्यों नहीं मुहैया कराई जा रही है?

संजय सिंह ने केजरीवाल की बीमारी का मजाक उड़ाने के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के बारे में मीडिया के माध्यम से भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल किया, यदि जेल के नियमों के अनुसार किसी कैदी की स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां साझा करने की इजाजत नहीं होती है तो ईडी ने बृहस्पतिवार को मीडिया में केजरीवाल का फर्जी आहार चार्ट क्यों साझा किया? संजय सिंह के आरोप पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने कथित तौर पर केजरीवाल की रक्त शर्करा रिपोर्ट पढ़ते हुए बताया कि 12 अप्रैल को उनका शर्करा स्तर 320 एमजीडीएल, 13 अप्रैल को 270 एमजीडीएल, 14-15 अप्रैल को 300 एमजीडीएल, 16 अप्रैल को 250 एमजी-डीएल और 17 अप्रैल को 280 एमजीडीएल था।

सिंह ने कहा, यह उनकी वास्तविक रक्त शर्करा रिपोर्ट है, जिसके बारे में उन्होंने अपने परिवार को भी बताया है। हम सभी जानते हैं कि उनके पास एक शुगर पैच (रक्त शर्करा निगरानी उपकरण) है, जैसा कि मेरे पास था जब मैं जेल में गया था। उन्होंने दावा किया कि वह भी पिछले छह महीने से मधुमेह से ग्रसित हैं। सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि केजरीवाल अपने ऊपर लगे आरोपों के कारण नहीं झुकेंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतिशी ने ईडी पर भाजपा का सहायक संगठन होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, यह भाजपा का एक राजनीतिक उपकरण है। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री ने उन दावों से इनकार किया, जिसमें केजरीवाल पर नवरात्र के दौरान अंडे खाने का आरोप लगाया गया था। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आतिशी ने कहा, यह भाजपा का झूठ का पुलिंदा है।

पर्ची कटवाकर जान सकेंगे मतदाता असली है या नकली

फर्जी वोटर की पहचान के लिए निर्वाचन आयोग ने जारी की गाइडलाइन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

26 अप्रैल को गौतमबुद्ध नगर वाले लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने जा रहे हैं। निष्पक्ष चुनाव के लिए पुलिस और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रही है। कई बार फर्जी मतदाता की शिकायत पोलिंग एजेंट से लेकर अन्य लोग करते हैं। चुनाव आयोग ने मतदान के दिन फर्जी मतदाता पहचान के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है।

इसमें व्यवस्था की गई है कि किसी भी प्रत्याशी का एजेंट फर्जी मतदाता का पता लगाने के लिए दो रुपये की रसीद कटवाकर उसे चैलेंज कर सकता है। इसका मतलब यह है कि दो रुपये खर्च करने पर पता चल जाएगा कि मतदाता असली है या फर्जी। फर्जी मतदाता का दावा करने वाले पोलिंग एजेंट और दूसरे लोग को पीठासीन अधिकारी से संपर्क करना होगा। पीठासीन अधिकारी मतदाता से उसका नाम, पिता का नाम, पता, घर में कितने वोटर हैं आदि कई चीजों के बारे में पूछताछ करेगा। अगर वह इससे भी संतुष्ट नहीं होते है तो वह पार्षद या प्रधान को बुलाकर मतदाता के बारे में गवाही लेगा। यदि मतदाता यह साबित कर दे कि वही असली मतदाता है, तो उसे वोट डालने का मौका मिलेगा और अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है तो उसे फर्जी मतदाता मानकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया जा सकता है।

अगर कोई मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचता है। लेकिन उससे पहले उसके नाम पर वोट डाल दिया जाता है। तो वह टेंडर वोट का सहारा ले सकता है इसके लिए उसे पीठासीन अधिकारी के पास जाना होगा और उनसे संपर्क करना होगा। इसके बाद वोट डालने के लिए वह टेंडर वोट का सहारा ले सकता है। यदि मतदाता सूची में नाम होगा तो पीठासीन अधिकारी एक प्रपत्र पर मतदान कराते हैं। इसके बाद उस मतपत्र को लिफाफे में बंद कर देते हैं। मतगणना के समय कम वोट के अंतर से हार-जीत की स्थिति में ऐसे वोट की गणना की जाती है। इसे टेंडर वोट कहते हैं।

जनता झूठ को पहचान चुकी: अखिलेश

नोएडा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव शुक्रवार को गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र में स्थित सिकंदराबाद पहुंचे। वहां पर उन्होंने एक जनसभा को सम्बोधित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा और उनके नेताओं पर निशाना साधते हुए चुटकी ली। उन्होंने कहा कि भाजपा का पहला शो ही फ्लॉप हो गया है, प्रदेश की जनता उनके झूठ को पहचान चुकी है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए सिकंदराबाद में कहा, पहले चरण में मतदान हो रहा है। जो पहले चरण से खबरें आ रही है। उससे महसूस हो रहा है कि इस बार पश्चिम की हवा भारतीय जनता पार्टी का पूरा का पूरा सफाया करने जा रही है। लग रहा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी का पहला शो ही फ्लॉप हो गया है। न केवल इनका शो फ्लॉप हो गया है, बल्कि इनके डायलॉग भी जनता सुनना नहीं चाहती है। जो अब तक भारतीय जनता पार्टी के लोग कहानी बना रहे थे, वह कहानी भी अब कोई सुनना नहीं चाहता है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा, पिछले 10 साल में भारतीय जनता पार्टी की जो पहचान बनी है, वह झूठ और लूट की बनी है। शायद इतना झूठ किसी राजनीतिक पार्टी ने नहीं बोला होगा, जितना भारतीय जनता पार्टी ने बोला है। महसूस हो रहा है कि पूरे ब्रह्मांड में सबसे झूठी पार्टी अगर कोई है तो वह भारतीय जनता पार्टी है। मुझे खुशी इस बात की है कि इस बार डॉक्टर के मुकाबले में डॉक्टर खड़े हैं। मैं पार्टी के सभी साथियों का धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने एक ऐसे डॉक्टर को तैयार किया है, जो भविष्य की आने वाली पीढ़ी का भी समझ सकता है। सपा प्रमुख ने आगे कहा, इस बार तो गाजियाबाद से लेकर के गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

फूलमण्डी ईवीएम सुरक्षा स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण करती डीसीपी व अन्य।

आतिशबाजी से महिला के घर में लगी आग

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-49 थानाक्षेत्र के सेक्टर-51 में एक बारात घर में शादी के समय आतिशबाजी होने से निकट की केंद्रीय विहार सोसाइटी में एक फ्लैट की बालकॉनी में आग लग गई। इस फ्लैट में रहने वाली महिला ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट की। इस महिला ने एक्स पर लिखा कि उसकी सोसाइटी के पास बने एक नामी मैरिज हॉल में शादी के समय पटाखे चलाए जा रहे थे, जिसकी वजह से कुछ पटाखे उसके घर की तरफ आए तथा उसकी बालकनी में रखे कपड़ों में आग लग गई। उसने लिखा की कि काफी मुश्किल के बाद आग पर काबू पाया जा सका। उसके इस पोस्ट के आधार पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने नोएडा पुलिस से कार्वाई करने की मांग की है। इस बाबत पूछने पर सेक्टर 49 के थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि इस मामले में पीड़िता की तरफ से अभी तक थाने में कोई शिकायत नहीं दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया कि इस पोस्ट के आधार पर मैरिज हॉल के संचालक को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सलारपुर खादर में 72 करोड़ की जमीन कराई खाली

नोएडा। नोएडा शहर के सालारपुर खादर में नोएडा प्राधिकरण ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की है। नोएडा प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाकर करीब 15,000 मीटर भूमि से अतिक्रमण हटाया। इस जमीन की बाजारी कीमत तकरीबन 72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण की वर्क सर्किल-6 की टीम ने सलारपुर गांव में खादर की खसरा संख्या 781, 782, 893, 894 तथा सेक्टर-71 के हनुमान मूर्ति के सामने गांव सलारपुर की खसरा संख्या-595, 596, 597, 598 पर अतिक्रमण को ढहा दिया। कुछ लोगों ने इस अभियान का विरोध किया लेकिन भारी पुलिस बल के आगे उनकी नहीं चली। बताया जा रहा है कि करीब 15,000 वर्ग मीटर जमीन पर अतिक्रमण करके लोग निर्माण कर रहे थे तथा टीन लगाकर लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। इन सभी कब्जा को ढहा दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि अवैध कब्जे के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अतिक्रमण करने वालों को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा।

कार डिवाइडर से टकराई, दो की मौत- चार घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में थाना फेस- वन क्षेत्र के डीएनडी पुल पर शुक्रवार को तड़के एक कार के डिवाइडर से टकरा जाने पर कार सवार एक युवती समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि तड़के थाना पुलिस को एक कार के डीएनडी पुल पर डिवाइडर से टकरा जाने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सिद्धार्थ यादव (उम्र 25 वर्ष), रजत (उम्र 30 वर्ष), चिराग सिंघल (उम्र 26 वर्ष) तथा प्रांकाशिका (उम्र 25 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 27 में स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान सिद्धार्थ यादव और चिराग सिंघल ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि शेष दो घायलों में से एक की हालत अत्यंत नाजुक है। थाना प्रभारी के अनुसार, जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि कार तेज गति से आ रही थी तथा अनियंत्रित होकर डीएनडी पुल पर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद पुल पर यातायात बाधित हो गया और जाम की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को वहां से हटवाया तथा यातायात सामान्य किया।

जाट महासभा ने दिया डॉली शर्मा को समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राष्ट्रीय जाट समाज के जिलाध्यक्ष आनंद चौधरी ने डॉली शर्मा को किया सम्मानित

राष्ट्रीय जाट महासभा ने इंडिया गठबंधन की कांग्रेस -सपा की संयुक्त प्रत्याशी डॉली शर्मा को लोकसभा चुनाव में अपना समर्थन दिया है।

महासभा के जिलाध्यक्ष आनंद चौधरी ने बताया कि जाट समाज के सभी लोगों का पूर्ण समर्थन गठबंधन प्रत्याशी डॉली शर्मा के साथ है और पूरी मेहनत से उन्हें चुनाव लड़वाने का कार्य किया जा रहा है। डॉली शर्मा ने जाट महासभा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सियासत में यदि आप अच्छे लोगों, सुशिक्षित लोगों, युवाओं को बढ़ाएंगे, तो सुशासन और विकास के रूप में उसका त्वरित प्रतिफल भी पाएंगे। उत्तर भारत के गौरवशाली जाट समाज, जिसकी अहम भूमिका किसान आंदोलनों में रहती आई है, उसका समर्थन पाकर मैं अभिभूत हूँ और आप लोगों की मदद का जब भी मौका मिलेगा तो पीछे नहीं रहूँगी।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद के विकास के लिए यहां की सभी जातियों और सम्प्रदायों का जो समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी को हाल ही में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है, जिन्होंने गम्भीरतापूर्वक अपने समाज को साधकर कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के पक्ष में खड़ा कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियां बताएंगे कलाकार

1 से 23 तक सातों संसदीय क्षेत्रों में 8 हजार से अधिक नुक्कड़ नाटक होंगे : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मतदाताओं तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां लोगों तक पहुंचाने के लिए भाजपा प्रचार के विभिन्न माध्यम अपना रही है।

प्रचार के परंपरागत तरीकों के साथ ही इंटरनेट मीडिया के माध्यम से पार्टी अपनी बात जनता तक पहुंचने में जुटी है इसी कड़ी में कलाकारों की टीम राजधानी की सड़कों पर उतारेगी। कलाकार अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जी-20 शिखर सम्मेलन, विश्व में भारत की मजबूत स्थिति नि:शुल्क राशन वितरण महिला जन कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियां की जानकारी देकर प्रचार करेंगे संस्कृत विभाग की देखरेख में अभियान चलेगा। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक के जरिए केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोलेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव हेतू बनाये गये नुक्कड़ नाटकों का मीडिया ट्रायल शो मीडिया कर्मियों के साथ देखा। वीरेन्द्र सचदेवा ने बताया की नुक्कड़ नाटकों के साथ ही पपेट शो, मैजिक शो, कवि सम्मेलन, म्यूजिक बैंड, फ्लैश मोब के माध्यम से जहाँ एक ओर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के बीच ले जायेंगे तो वहीं अरविंद केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार एवं कुशासन की भी पोल खोलेंगे।

नुक्कड़ नाटक समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है और दिल्ली एक कसमोपोलिटन महानगर है इसलिए हम इस बार नाटकों के कुछ शो अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं में भी होंगे। यह सांस्कृतिक अभियान 1 मई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में होगा। नुक्कड़ नाटक समिति के प्रमुख सदस्य अनुज शर्मा ने बताया की नेशनल स्कूल आफ ड्रामा से प्रशिक्षित कलाकारों द्वारा बनाई 163 टीमें जिनमे अनेक रामलीलाओं से जुड़े कलाकार भी शामिल है। इन नुक्कड़ नाटकों के 1 मई से 23 मई के बीच 8 हजार से अधिक स्थानों पर शो होंगे।

भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ 21 को मनाएगा हिंदू नववर्ष

दिल्ली भाजपा मंदिर प्रकोष्ठ द्वारा 21 अप्रैल को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हिंदू नववर्ष उत्सव मनायगा। इस कार्यक्रम में 31 बड़े महामंडलेश्वर सहित 5000 से अधिक संत महात्मा शामिल होंगे। इसके अलावा प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी सहित 35000 से अधिक सनातनी इस कार्यक्रम में अलग अलग जगहों से आने वाले हैं। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपनी संस्कृति के बारे में आने वाले युवाओं को जागरुक करना और साथ ही एक संदेश लोगों के बीच पहुंचाना कि आखिर इसकी क्या महत्वता है। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा जब एक छत के नीचे 35000 से अधिक लोग हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे।

थीम गीत 'हमारे मोदीजी' लॉन्च

नई दिल्ली। भारत के संविधान क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में हमारे मोदीजी गीत के लॉन्च ने उपस्थित लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर भाजपा के महासचिव तरुण चुघ, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पीपीआरसी के निदेशक सुमित भसीन सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गाने के वीडियो और ऑडियो संस्करण का अनावरण किया गया, जो छह मिनट का है। हमारे मोदीजी केवल एक गीत नहीं है बल्कि भारत के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का प्रतिबिंब है। संघटन संस्कृति संघ की सदस्य हरिप्रिया भारगव ने पूरी परियोजना की अवधारणा की, यह सुनिश्चित करते हुए कि गीत के माध्यम से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का सार खूबसूरती से चित्रित हो। विभिन्न भाषाओं में गाने के लिए अपनी आवाज देने वाले प्रसिद्ध गायकों की भागीदारी इसे और आकर्षक बना देती है।

अंबेडकर जयंती पर परिचर्चा का आयोजन

नई दिल्ली। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर स्टडी सर्किल के संयोजन में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती के अवसर किरोड़ीमल कॉलेज के सेमिनार हॉल में डॉ. अंबेडकर के दर्शन परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में एनडीटीएफ के अध्यक्ष डॉ एके भागी, विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. एचएम संजीव कुमार, अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. परमजीत, लॉ फैकेल्टी के प्रो. पुष्प कुमार लक्ष्मण, हिन्दी विभाग के प्रो. श्योराज सिंह बेचैन, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. अदिति नारायणी पासवान और भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के प्रो विष्णु मोहन दास बतौर विशेषज्ञ शामिल रहे। एनडीटीएफ के अंबेडकर स्टडी सर्किल द्वारा अंबेडकर के दर्शन पर आयोजित परिचर्चा की संयोजक लुके कुमारी और संचालन अदिति नारायण पासवान ने किया। परिचर्चा में प्रो. वीएस नेगी,सुनील कुमार, डा. बिजेन्द्र कुमार, डा. चमन सिंह, डा. धनपाल सिंह, डा. विवेक चौधरी, डा. मनीष कुमार अनेक शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाजपा की राजपूतों को रिझाने की कोशिश

वीके सिंह के टिकट कटने से है नाराज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राजपूतों की नाराजगी के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के समर्थन में पिलखुवा में जनसभा को संबोधित किया। पिलखुवा साठा चौरासी के तहत आता है, जहां राजपूतों की संख्या बहुतायत में हैं। हालांकि मुख्यमंत्री की जनसभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए लेकिन इस जनसभा का मतदान में कितना असर पड़ेगा, यह 4 जून को ही पता लग सकता है।

हालांकि पिलखुवा में बड़ी जनसभा को संबोधित कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजपूतों को रिझा गए। जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी सरकार के कार्य और योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जनता की आवाज आज देश की आवाज बन रही है और वह आवाज है फिर से एक बार मोदी सरकार। गाजियाबाद में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हाईवे, रेलवे, मेट्रो, आईआईटी, आईआईएम, एम्स, विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय, दिल्ली से मेरठ के बीच दस लेन का हाईवे बन चुका है। रेपिड रेल का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। मेरठ तक पहुंच चुकी है और इस वर्ष के अंत तक मेरठ सिटी के अंदर हम लोग मेट्रो का कार्य भी प्रारंभ कर देंगे। 2014 में पीएम मोदी आए थे तो देश के अंदर सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो थी। आज बीस शहरों में मेट्रो है। गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, कानपुर, लखनऊ अभी मेरठ के अंदर काम प्रारंभ करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा बसपा और कांग्रस ने उत्तर प्रदेश को दंगा और कर्फ्यू की चपेट में ला दिया था। महीनों महीनों कर्फ्यू, आज कहीं कर्फ्यू नहीं है, आज तो धूम धड़ाके के साथ कांवड़ यात्रा निकालती है। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, स्वतंत्र प्रभार मंत्री नरेंद्र कश्यप, भाजपा प्रत्यागी अतुल गर्ग, जिलाध्यक्ष नरेश तोमर, सतपाल सैनी, विधायक धर्मेश तोमर, लज्जा रानी गर्ग, रेखा नागर, रविंद्र चौधरी, त्रिलोक त्यागी उपस्थित थे।

सुनील शर्मा ने अतुल गर्ग के लिए मांगे वोट

गाजियाबाद। खोड़ा क्षेत्र के अनिल विहार और करण विहार में क्षेत्रवासियों के बीच आयोजित जनसभा में लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप, योगेश भाटी, देवेन्द्र गिरी, हरेंद्र चौधरी, डीएन सिंह, बॉबी त्यागी, सुशील गौतम आदि पहुंचे। जनसभा के संयोजक के रूप में देवेन्द्र यादव, चमन चौहान ने जिम्मेदारी संभाली। जनसभा में अबकी बार 400 पार और तीसरी बार मोदी सरकार के नारों का स्वर बार बार गुंजायमान होता रहा। सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा की अतुल गर्ग मेरे साथ विधायक रहे हैं।

केजरीवाल की स्वास्थ्य को लेकर संग्राम

मिठाई और आम खान के ईडी के दावे पर सीएम के वकील ने कोर्ट से कहा, उन्हें एक-दो बार ही ऐसा भोजन दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सेहत और उनके खाने पर संग्राम मचा हुआ है। ईडी ने दावा किया है कि केजरीवाल जानबूझबू कर ऐसा खाना खा रहे जिससे कि उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और फिर वो अपनी सेहत का हवाला देकर जमानत हासिल कर सकें। वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय पर जेल में उनके आहार पर संकीर्ण सोच रखने और राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एक अदालत के समक्ष कहा कि उन्होंने जो खाना खाया वह उनके डॉक्टर द्वारा तैयार किए गए आहार चार्ट के अनुरूप था।

केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने अदालत से कहा, ईडी ने दावा किया है कि वह जमानत पाने के लिए अपना रक्त शर्करा का स्तर बढ़ाना चाहते हैं। वह क्या जमानत पाने के लिए लकवा होने का जोखिम उठाएंगा। वह जो भी भोजन कर रहे हैं वह गिरफ्तारी से पहले मेरे डॉक्टर द्वारा तैयार आहार चार्ट के अनुसार है। केजरीवाल को जेल में नियमित रूप से आम, मिठाई, आलू-पूरी खाने के ईडी के दावे पर उन्होंने कहा कि उन्हें एक-दो बार ही ऐसा भोजन दिया गया। सिंघवी ने अदालत से कहा, आरोप है कि मैं आम खा रहा हूं। घर से 48 बार भोजन भेजा गया जिसमें से केवल तीन बार आम भेजे गए। आठ अप्रैल के बाद कोई आम नहीं भेजा गया। आम को तो ऐसे दर्शाया गया है जैसे उसमें शुगर भरी पड़ी है। उनमें शर्करा का स्तर ब्राउन राइस या सफेद चावल से बहुत कम होता है।

केजरीवाल को जेल में घर के खाने की अनुमति दी गई है। उन्होंने अदालत से कहा, मैं अपनी चाय में केवल शुगर फ्री लेता हूं। ईडी कितनी संकीर्ण, राजनीतिक और हास्यास्पद हो सकती है। उनके बयान पूरी तरह झूठे और दुर्भावनापूर्ण हैं। आपका मीडिया में बहुत ज्यादा प्रभाव है, केवल इसलिए आप यह प्रकाशित करवा रहे हैं कि मैं आलू-पूरी खा रहे हैं जबकि ऐसा भोजन केवल एक बार नवरात्र में पूजा के समय भेजा गया था। केजरीवाल ने अपने शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव के बारे में सप्ताह में तीन बार अपने चिकित्सक से परामर्श लेने की याचिका बृहस्पतिवार को वापस ले ली थी। उन्होंने शुक्रवार को एक नई याचिका दायर कर हर दिन 15 मिनट के लिए अपने चिकित्सक से परामर्श की मांग की। सिंघवी ने कहा, क्योंकि वह कैदी है इसलिए क्या मुझे गरिमापूर्ण जीवन जीने और अच्छी सेहत का अधिकार नहीं है। मैं क्या कुख्यात अपराधी हूं जो मुझे 15 मिनट भी अपने डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंस से परामर्श की अनुमति नहीं दी जा सकत। हमारे देश में 75 साल से लोकतंत्र है लेकिन वह इस तरह का रुख पहली बार देख रहे हैं। इस तरह की संकीर्णता पहले कभी नहीं देखी।

अदालत ने केजरीवाल की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को अदालत के समक्ष दावा किया था कि केजरीवाल चिकित्सा आधार पर जमानत के लिए जेल में रोजाना आम और मिठाई जैसे उच्च शर्करा वाले आहार ले रहे हैं जबकि उन्हें टाइप-2 डायबिटीज है। एजेंसी ने दावा किया था कि आप के राष्ट्रीय संयोजक शर्करा वाला भोजन कर रहे हैं ताकि वह अस्वस्थ हो जाएं और चिकित्सा आधार पर जमानत मांग सकें।

केजरीवाल के खिलाफ रची जा रही साजिश : संजय सिंह

नई दिल्ली। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री मधुमेह के लिए इंसुलिन लेते हैं। उन्होंने कहा कि यदि मधुमेह से ग्रस्त व्यक्ति को समय पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी तो उसकी मौत भी हो सकती है। राज्यसभा सदस्य ने पूछा, भाजपा के इशारे पर उनकी जिंदगी से क्यों खिलवाड़ किया जा रहा है और उन्हें इंसुलिन क्यों नहीं मुहैया कराई जा रही है।

संजय सिंह और आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल की बीमारी का मजाक उड़ाने के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के बारे में मीडिया के माध्यम से भ्रामक खबरें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल किया, यदि जेल के नियमों के अनुसार किसी कैदी की स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां साझा करने की इजाजत नहीं होती है तो ईडी ने बृहस्पतिवार को मीडिया में केजरीवाल का फर्जी आहार चार्ट क्यों साझा किया। वहीं आतिशी ने ईडी पर भाजपा का सहायक संगठन होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, यह भाजपा का एक राजनीतिक उपकरण है। मंत्री ने उन दावों से इनकार किया, जिसमें केजरीवाल पर नवरात्र के दौरान अंडे खाने का आरोप लगाया गया था।

जेवर एयरपोर्ट: नेविगेशन उपकरणों की जांच के लिए विमान ने भरी उड़ान

पायलेट रनवे, लेआउट, प्रक्रियाओं और अन्य चीजों को परख गया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर में बन रहे एशिया सबसे बड़े एयरपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम लगभग पूरा होने की कगार पर है। इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर पूरे देश की नजर है। नोएडा हवाई अड्डे ने पहली कैलिब्रेशन उड़ान का ट्रायल किया है। इसके साथ सभी नेविगेशन व्यवस्थाओं की भी जांच की है। इसका एक वीडियो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने इस परियोजना में अपने एक महत्वपूर्ण कदम में पहली बार कैलिब्रेशन उड़ान का ट्रायल किया है। जिसमें विमान ने यह पता लगाने के लिए उड़ान भरी कि क्या भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण द्वारा साइट पर की गई सभी व्यवस्थाएं सही से काम कर रही हैं। एनआईए का उद्घाटन इस साल दिसंबर तक होने वाला है। आपको बता दें कि बीचक्राफ्ट किंग एयर बी300, एक डीवीओआर अंशांकन उड़ान है। जिसको यह जांचने के लिए उड़ाया गया है कि क्या सभी नेविगेशन उपकरण ठीक से काम कर रहे हैं। इस अवसर पर एएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह परीक्षण उड़ान बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि इससे हमें एयरपोर्ट की सभी नेविगेशन प्रणालियों की स्थिति का पता चला। हम खुश हैं कि सभी उपकरण सही ढंग से कार्य कर रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) ने उड़ान में जानकारी देते हुए ट्विटर एक्स एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सही और धूप वाले दिन में डीवीओआर उड़ान भरी गई है।

यह कदम एक कदम और आगे है, जिसके लिए भारतीय हवाईअड्डे प्राधिकरण काम कर रही है। नेविगेशन उपकरण के काम की जांच करने के लिए इसको किया गया है। दरअसल, एक नए हवाई अड्डे के लिए एक अंशांकन उड़ान रनवे प्रकाश व्यवस्था, हवाई क्षेत्र और नेविगेशन सहायता की पुष्टि और सुधार करती है। यह कमर्शियल ऑपरेशन को शुरू करने के लिए सुरक्षा के बारे में जांच करने में सहायता करता है।

छत्तीसगढ़ : बस्तर में कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ लोकसभा के लिए मतदान

पायनियर समाचार सेवा। रायपुर

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को पहले दो घंटे में क्षेत्र के 12.02 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं। जिनमें से कोंडागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंटा तथा जगदलपुर के 72 मतदान केंद्र में सुबह सात बजे से मतदान हुआ। इन क्षेत्रों में मतदाता अपराह्न तीन बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के बस्तर और जगदलपुर के शेष 175 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ।

बस्तर क्षेत्र के कुल 14,72,207 मतदाता, जिनमें 7,71,679 महिला और 7,00,476 पुरुष मतदाता शामिल हैं, जिन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में थर्ड जेंडर के 52 मतदाता हैं। क्षेत्र में कुल 1961 मतदान केंद्र बनाए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि पहले दो घंटे में सुबह नौ बजे तक क्षेत्र के 12.02 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने जगदलपुर में,

कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने सुकमा जिले के नागारास गांव में, राज्य के वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जिले के फरसेगुड़ा गांव में तथा भाजपा उम्मीदवार महेश कश्यप ने बस्तर जिले के कलचा गांव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए बाहर निकले। क्षेत्र में गर्मी को देखते हुए सुबह से मतदान केंद्रों के सामने लंबी कतारें देखी गई है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षाबलों के 60 हजार से अधिक जवानों को तैनात किया गया था।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा चुनाव बहिष्कार की घोषणा को देखते हुए बलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए कहा गया। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं लेकिन मुख्य मुकाबला यहां सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दल कांग्रेस के मध्य है। वर्ष 2000 में राज्य के गठन के बाद नक्सल प्रभावित इस लोकसभा क्षेत्र में 2004, 2009 और 2014 में भाजपा के उम्मीदवार की जीत हुई थी। लेकिन 2019 में यहां के मतदाताओं ने कांग्रेस के उम्मीदवार दीपक बैज पर भरोसा जताया था। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के लिए इस बार सत्ताधारी दल भाजपा ने नए चेहरे महेश कश्यप को मैदान में उतारा है। कश्यप पूर्व में विश्व हिंदू परिषद के सदस्य रह चुके हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने मौजूदा सांसद दीपक बैज, जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं का टिकट काटकर कोंटा क्षेत्र के विधायक कवासी लखमा को मैदान में उतारा है। राज्य की 11 लोकसभा सीट पर तीन चरणों में चुनाव होंगे।

संक्षिप्त समाचार

गडकरी ने नागपुर में मतदान किया, जीत का भरोसा जताया

नागपुर। केंद्रीय मंत्री और नागपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नितिन गडकरी ने आम चुनाव के पहले चरण में मतदान शुरू होने के बाद शुक्रवार को यहां अपने मताधिकार का उपयोग किया। तीसरा कार्यकाल हासिल करने की उम्मीद कर रहे गडकरी अपनी पत्नी, दो बेटों और बहू के साथ महल इलाके के टाउन हॉल में एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि वह बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगे। चुनावों को लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव बताते हुए उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि देश के लोग मतदान के अपने अधिकार का इस्तेमाल करेंगे जो कि उनकी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने गर्मी बढ़ने के मद्देनजर नागपुर के निवासियों से जल्द से जल्द मतदान करने की अपील की। गडकरी ने कहा कि पिछली बार 54 प्रतिशत मतदान हुआ था और उन्हें इस बार 75 प्रतिशत तक मतदान होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं निश्चित तौर पर बड़े अंतर से चुनाव जीतूंगा। नागपुर में गडकरी और कांग्रेस प्रत्याशी विकास ठाकरे के बीच सीधा मुकाबला है। नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यालय है। इस हाई-प्रोफाइल सीट पर 22,18,259 मतदाता हैं जिनमें से 11,10,840 पुरुष, 11,07,197 महिलाएं और 222 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं।

उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ

देहरादून। उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर शुक्रवार सुबह मतदान हुआ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हो गया जो शाम पांच बजे तक हुआ। मतदान के लिए राज्य के 13 जिलों में 11,729 मतदान केंद्र बनाए गए थे। राज्य की सभी लोकसभा सीटोंपौड़ी गढ़वाल, टिहरी, अल्मोड़ा (आरक्षित), हरिद्वार और नैनीताल से सांसद बनने के इच्छुक 55 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 83 लाख से ज्यादा मतदाता करेंगे। वर्ष 2014 और 2019 में राज्य की पांच लोकसभा सीट पर जीत का परचम फहराने वाली सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस बार भी पुराना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है जबकि कांग्रेस अपनी खोई राजनीतिक जमीन को फिर से पाने का प्रयास कर रही है। भाजपा ने नैनीताल से अजय भटट, अल्मोड़ा से अजय टम्टा और टिहरी से मालराज्य लक्ष्मी शाह पर दोबारा भरोसा जताया है जबकि हरिद्वार से रमेश पोखरियाल निशंक की जगह पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और पौड़ी गढ़वाल से तीरथ सिंह रावत की जगह पार्टी प्रवक्ता अनिल बलूनी पर दांव खेला है। कांग्रेस ने पौड़ी गढ़वाल से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, हरिद्वार से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत, टिहरी से जोत सिंह गुनसोला, नैनीताल से प्रकाश जोशी और अल्मोड़ा से प्रदीप टम्टा को अपना प्रत्याशी बनाया है। टम्टा को छोड़कर अन्य सभी चारों प्रत्याशी पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में अन्य दलों सहित निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं लेकिन हर बार की तरह इस बार भी सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है।

लोकसभा चुनाव: उत्तर प्रदेश की आठ सीट पर हुआ मतदान

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर शुक्रवार सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान हुआ। मतदान शाम छह बजे तक चला। जिन सीटों पर मतदान हुआ, उनमें सहारनपुर, बिजनौर, कैराना, मुजफ्फरनगर, नगीना (आरक्षित), मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत शामिल थीं। सुबह से मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लगने लगीं। इस चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में भाजपा के जितिन प्रसाद पीलीभीत से, केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान मुजफ्फरनगर से और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद नगीना से अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। इन सीटों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के बीच त्रिकोणीय चुनावी मुकाबला होने की उम्मीद है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) से हाथ मिलाया है और सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जबकि बसपा ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पहले चरण के चुनाव में विभिन्न दलों के कुल 80 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 73 पुरुष और सात महिलाएं शामिल हैं। मुरादाबाद से 12, कैराना से 14, मुजफ्फरनगर और बिजनौर से 11-11, सहारनपुर और पीलीभीत से 10-10, नगीना और रामपुर से छह-छह उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रथम चरण के आठ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1.43 करोड़ मतदाता थे, जिनमें 76.23 लाख पुरुष, 67.14 लाख महिला तथा 824 थर्ड जेंडर थे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा के अनुसार 14,849 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। पुलिस महानिदेशक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम चरण के मतदान को देखते हुए संबधित नौ जनपदों में 248 चौकियां स्थापित की गई थीं, जहां वाहनों एवं संदिग्ध लोगों की सघन जांच की गई।

राजस्थान के राज्यपाल मिश्र व मुख्यमंत्री शर्मा ने मतदान किया

जयपुर। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार को राजस्थान की 12 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अन्य नेताओं ने इस दौरान वोट डाला। राज्यपाल मिश्र और उनकी पत्नी सत्यवती मिश्र ने सी स्कीम के एक मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के बाद मिश्र ने कहा कि मतदान भारत के हर पात्र नागरिक का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है और इसी से लोकतंत्र सशक्त होता है। मुख्यमंत्री शर्मा भी पत्नी के साथ जगतपुरा के मतदान केंद्र पर पहुंचे व वोट डाला। बाद में वह गोविन्ददेव जी मंदिर गए और धोक दी। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी जयपुर शहर के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला। केंद्रीय मंत्री व बीकानेर से उम्मीदवार अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर के एक मतदान केंद्र पर सपरिवार मतदान किया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लोकसभा की कुल 25 सीटें हैं। इनमें से पहले चरण में चूरू, नागौर, गंगानगर, झुंझुनू, बीकानेर, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर और दौसा में मतदान हुआ। विभिन्न नेताओं व अधिकारियों ने अपने अपने इलाकों में वोट डाला। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने जयपुर के गांधी नगर के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला। गुप्ता ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से मतदान अवश्य करने की अपील की। मतदान को लेकर विशेषकर नए मतदाताओं में उत्साह दिखा। जयपुर शहर में अनेक जगह मतदाता वोट डालने के बाद सेल्फी खिंचवाते नजर आए। अनेक मतदान केंद्रों में विशेष सजावट की गई। निर्वाचन विभाग ने राज्य स्तर पर बेस्ट सेल्फी अवार्ड देने, व्यापारिक संगठनों के सहयोग से मतदाताओं को स्क्रेच कार्ड और स्याही लगी उंगली दिखाने पर विभिन्न विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं पर छूट सहित कई पहल की हैं।

अरुणाचल प्रदेश : केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और खांडू ने अपने पैतृक गांवों में डाला वोट

पूर्वोत्तर राज्य में बारिश के बीच लोगों ने किया मतदान

पायनियर समाचार सेवा। ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को अपने-अपने पैतृक गांवों में वोट डाला। राज्य की दो लोकसभा सीटों और 50 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने भी चौखम विधानसभा क्षेत्र में अपने गांव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने बताया कि रीजीजू ने नवनिर्मित बिचोम जिले के अपने गांव नफरा में वोट डाला, जबकि खांडू ने तवांग जिले के मुक्तो निर्वाचन क्षेत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। खांडू और मीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन दस उम्मीदवारों में से हैं जो 60 सदस्यीय विधानसभा के

लिए निर्विरोध चुने गए हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा, अरुणाचल प्रदेश में आठवीं राज्य विधानसभा और 18वीं लोकसभा के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करने के वास्ते आज मतदान हो रहा है। मैं सभी पात्र मतदाताओं से बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा, आइए, हम लोकतंत्र को समृद्ध करने के लिए इस जीवंत उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें। मैं युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से भी चुनाव में भाग लेने का अनुरोध करता हूं। वोट डालने के बाद मीन ने सोशल मीडिया मंच पर अपनी तस्वीर पोस्ट की और सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री चौमा मीन ने कहा, सुबह अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र, चौखम में अपना वोट डाला। मैं प्रत्एक पात्र मतदाता से अपील करता हूं कि वे आगे आएं और अपने मताधिकार का उपयोग करें और 8वीं राज्य विधानसभा और 18वीं लोकसभा के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने की खातिर जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लें। मैं सभी युवा मतदाताओं से भी चुनाव में भाग लेने का अनुरोध करता हूं। पूर्वोत्तर राज्य में सुबह से हो रही बारिश मतदाताओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। मतदान केंद्रों के बाहर कतारें देखी गईं। राज्य में दो लोकसभा सीटों और 50 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में 4,54,256 महिलाओं सहित अनुमानित 8,92,694 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के पात्र हैं। विधानसभा चुनाव के लिए 133 और लोकसभा चुनाव के लिए 14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। अरुणाचल पश्चिम संसदीय सीट पर केंद्रीय मंत्री किरण रीजीजू और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नबाम तुकी समेत आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। मौजूदा भाजपा सांसद तापिर गाओ और कांग्रेस की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष बोसीराम सिरम समेत छह उम्मीदवार अरुणाचल पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। विधानसभा चुनाव की मतगणना दो जून को होगी, जबकि लोकसभा चुनाव के लिए गिनती चार जून को होनी है।

अरुणाचल में लोकसभा व विधानसभा सीटों के लिए हुआ मतदान

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में शुक्रवार सुबह नौ बजे तक कुल 8,92,694 मतदाताओं में से करीब नौ प्रतिशत ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य की दो लोकसभा और 50 विधानसभा सीट के लिए एक साथ मतदान हो रहा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पहले ही 60 सदस्यीय विधानसभा में 10 सीट पर निर्विरोध जीत दर्ज कर चुकी है। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अरुणाचल पश्चिम पर केंद्रीय मंत्री किरण रीजीजू और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नबाम तुकी समेत आठ उम्मीदवार मैदान में हैं।

मौजूदा भाजपा सांसद तापिर गाओ और कांग्रेस की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष बोसीराम सिरम उन छह उम्मीदवारों में से हैं जो अरुणाचल पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में सुबह बारिश होने के बावजूद मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें देखी गईं। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी लिकेन कोयू ने बताया कि विभिन्न जिलों से अभी तक मिली रिपोर्ट के अनुसार बिना किसी हिंसा के मतदान शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहा।

तमिलनाडु में लोस चुनाव के लिए हुआ मतदान सुबह नौ बजे तक हो गया था 12.55 प्रतिशत

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नई

तमिलनाडु में 2024 के आम चुनाव के लिए सभी 39 लोकसभा सीटों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को मतदान हुआ। सुबह नौ बजे तक 12.55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और उनकी पत्नी दुर्गा स्टालिन ने यहां एक मतदान केंद्र पर मतदान किया। रजनीकांत समेत अन्य प्रमुख हस्तियों ने सुबह-सुबह मतदान किया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ईके पलानीस्वामी ने अपने गृह जिले सलेम में एक मतदान केंद्र में वोट डाला। प्राधिकारियों ने लोगों को बूथ के भीतर स्मार्ट फोन, मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं दी जिसके बाद कुछ मतदान केंद्रों पर मतदाताओं और अधिकारियों के बीच बहस हुई। श्रीपेरुम्बुदूर के समीप 1,000 से अधिक मतदाताओं वाले परंदूर गांव में लोग सुबह साढ़े नौ बजे तक भी मतदान केंद्रों पर नहीं पहुंचे। परंदूर समेत कुछ गांवों के निवासी अपने क्षेत्र में एक हवाई अड्डा परियोजना का विरोध कर रहे थे। तमिलनाडु में लोग सुबह साढ़े छह बजे से ही मतदान केंद्रों पर जुटने लगे थे। मतदान के लिए केंद्रीय सशस्त्र

पुलिस बल की 190 टुकड़ियों को तैनात किया गया। तिरुवल्लूर में कट्टुपल्ली जैसे कुछ मतदान केंद्रों में सन्नाटा पसरा रहा।

श्रीपेरुम्बुदूर लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले तम्बाराम के समीप एक मतदान केंद्र तथा कुछ अन्य मतदान केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में तकनीकी खामी के कारण मतदान में करीब एक घंटे की देरी हुई। राज्य में कुल 3,23,233 मतदान कर्मियों और 1.3 लाख पुलिस कर्मियों को चुनावी ड्यूटी में तैनात किया गया था। राज्य में 68,321 मतदान केंद्रों पर करीब 6.23 लाख मतदाता 950 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे। तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रमुख उम्मीदवारों में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम के दयानिधि मारन (मध्य चेन्नई), ए राजा (नीलगिरी) और कनिमोई , भारतीय जनता पार्टी के के. अन्नामलई (कोयंबटूर), एल मुरुगन (नीलगिरि) और तमिलिसाई सौंदरराजन (दक्षिण चेन्नई), पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम (रामनाथपुरम), कांग्रेस के कार्ति चिदंबरम (शिवगंगा), अन्नाद्रमुक के जे. जयवर्धन (दक्षिण चेन्नई) और अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दीनाकरन (थेनी) शामिल हैं।

त्रिपुरा पश्चिम में वोट के लिए सुबह से ही लगी रही लंबी लाइन

अगरतला। लोकसभा सीट त्रिपुरा पश्चिम पर शुक्रवार सुबह नौ बजे तक 15.09 प्रतिशत मतदान हुआ। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ था। गर्मी से बचने के लिए लोग सुबह-सुबह ही मतदान केंद्र पहुंच गए, जहां सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारी ने कहा, सुबह नौ बजे तक त्रिपुरा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में 15.90 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि रामनगर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में 12.28 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने लोगों से लोकतंत्र के उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर लिखा, मैं महिलाओं और युवा मतदाताओं से चुनाव में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने का विशेष अनुरोध करता हूं। इस बीच कांग्रेस ने कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया। कांग्रेस के त्रिपुरा पश्चिम के उम्मीदवार आशीष कुमार साहा ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित गुंडों के विपक्ष के कई पोलिंग एजेंट पर हमला करने से यह मतदान एक तमाशा बनकर रह गया है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री तमांग, पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान बाईचुंग भूटिया ने मतदान किया

पायनियर समाचार सेवा। गंगटोक

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने शुक्रवार को राज्य की 32 विधानसभा सीटों और लोकसभा की एक सीट पर एक साथ हो रहे चुनाव के लिए मतदान किया। सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) को दूसरी बार सत्ता में लाने के अभियान का नेतृत्व कर रहे तमांग ने अपने पैतृक जिले सोरेंग में मतदान किया, जहां वह सोरेंग-चाकुंग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह रेनॉक विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के उपाध्यक्ष और बारफुंग (बीएल) विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार बाईचुंग भूटिया ने नामची जिले में अपने पैतृक गांव सांगनाथ में मतदान किया।

अरिथांग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे एसकेएम महासचिव अरुण उप्रेती ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया। मुख्यमंत्री तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय ने भी मतदान किया।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीट पर हुआ मतदान

लोगों में बारिश के बावजूद दिखा उत्साह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में शुक्रवार सुबह देश भर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 102 सीटों पर मतदान हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम, तमिलनाडु, राजस्थान, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, अंडमान निकोबार, असम, नगालैंड, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर की विभिन्न सीटों के लिए मतदान सुबह प्रारंभ हो गया था। पहले चरण में अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा की 60 और सिक्किम की 32 सीट के लिए भी मतदान हुआ। पहले चरण में जिन राज्यों की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ, उनमें तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर और छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग ने 1.87 लाख मतदान केंद्रों पर 18 लाख से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया था। इन मतदान केंद्रों पर 16.63 करोड़ से

अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदाताओं में 8.4 करोड़ पुरुष, 8.23 करोड़ महिलाएं और 11,371 थर्ड जेंडर शामिल थे। 35.67 लाख लोग पहली बार मतदाता बने थे। इसके साथ ही 20-29 वर्ष आयु वर्ग के 3.51 करोड़ युवा मतदाता थे। निर्वाचन आयोग ने बताया कि मतदान और सुरक्षा कर्मियों को लाने-ले जाने के लिए 41 हेलीकॉप्टर, 84 विशेष रेलगाड़ियां और लगभग एक लाख वाहन तैनात किए गए। सभी मतदान केंद्रों पर माइक्रो पर्यवेक्षकों की तैनाती के साथ ही 50 प्रतिशत से अधिक मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग (इंटरनेट पर प्रसारण) किया गया। इसके अतिरिक्त 361 पर्यवेक्षक (127 सामान्य, 67 पुलिस और 167 व्यय पर्यवेक्षक) मतदान से पहले ही अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच चुके थे। वे आयोग की आंख और कान के रूप में काम करेंगे।

वहीं, कुछ राज्यों में विशेष पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए गए। पहले चरण में मैदान में उतरे प्रमुख नेताओं में नागपुर से नितिन गडकरी, अरुणाचल प्रदेश (पश्चिम) से किरेन रीजीजू, बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल, असम के डिब्रूगढ़ से सर्बानंद सोनोवाल, मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान के अलवर से भूपेन्द्र यादव शामिल हैं। कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ छिंदवाड़ा से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश की छह लोकसभा सीट पर मतदान हुआ

भोपाल। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मध्य प्रदेश की छह सीटों पर शुक्रवार मतदान हुआ। चुनाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भाजपा शासित राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से शहडोल, मंडला (दोनों अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित), जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा और सीधी सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। ये छह निर्वाचन क्षेत्र 13 जिलों में फैले हैं। अधिकारी ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और अधिकांश स्थानों पर शाम छह बजे समाप्त हुआ। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों से नक्सल प्रभावित बालाघाट संसदीय क्षेत्र के बैहर, लांजी और परसवाड़ा में सुबह सात बजे से शाम तक मतदान हुआ।

संक्षिप्त समाचार

अप्रैल के आखिर तक नए कोच का ऐलान करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान के टेस्ट और सीमित ओवरों के कोचों का ऐलान इस महीने के आखिर में किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने यह भी पुष्टि की कि दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन और आस्ट्रेलिया के जैसन गिलेस्पी के अलावा बोर्ड को 15 अप्रैल की समय सीमा तक कुछ और नामी कोचों के आवेदन मिले हैं। पीसीबी अधिकारी ने कहा कि उनकी रूचि गिलेस्पी और कर्स्टन में है लेकिन नए आवेदक भी दौड़ में हैं।

दीपा विश्व कप में चौथे स्थान पर

नई दिल्ली। स्टार भारतीय जिम्नास्ट दीपा करमाकर शुक्रवार को दोहा में एफआईजी एपेरेटस विश्व कप में में महिला वॉल्ट फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहीं। यह टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है।पिछले महीने अजरबेजान में बाकू एपेरेटस विश्व कप में चौथे स्थान पर रही 30 साल की दीपा एक बार फिर पदक से चूक गई। उन्होंने 13.333 अंक जुटाए।पनामा की नवास कर्ला ने (13.850) ने स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि कोरिया की आन चैंग ओक (13.833) तथा जॉर्जिएवा वेलेंटिना (13.466) को क्रमश: रजत और कांस्य पदक मिला।दीपा क्वालीफाइंग दौर में छठे स्थान पर रही थी।टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही एक अन्य भारतीय प्रणति नायक क्वालीफाइंग दौर में 11वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं।

ऋषभ पंत की भावुक घर वापसी

दिल्ली के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की कठिन चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पिछले साल अरूण जेटली स्टेडियम पर बैसाखियों के सहारे चलते नजर आए ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में लौटेंगे तो यह उनके लिए भावुक पल होगा लेकिन उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी करना होगा। दिल्ली ने अब तक मिला जुला प्रदर्शन किया है हालांकि लखनऊसुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस को हराकर वे दौड़ में बने हुए हैं। अब तक सात मैचों में से दिल्ली ने तीन जीते और चार हारे हैं। आईपीएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज सनराइजर्स की टीम दो बार टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर (तीन विकेट पर 277 रन और तीन विकेट पर 287 रन) बना चुकी है। ऐसे में कप्तान पंत को कोटला की घरेलू पिच पर अपने संसाधनों का चतुराई से इस्तेमाल करना होगा। सनराइजर्स के ट्रेविस हेड (235 रन) 39 गेंद में शतक जड़ने का कारनामा कर चुके हैं। वहीं अभिषेक शर्मा ने भी 211 रन बना लिए हैं। दोनों पावरप्ले में आक्रामक प्रदर्शन करने को बेताब होंगे। दोनों का स्ट्राइक रेट 199 और 197 रहा है जो ईशांत शर्मा, खलील अहमद और मुकेश कुमार की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिए कड़ी चुनौती होगा। वहीं हेनरिच क्लासेन का भी स्ट्राइक रेट 199 के करीब रहा है और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर्स में से एक हैं। ए तीनों मिलकर सनराइजर्स की बल्लेबाजी को खतरनाक बनाते हैं। कुलदीप यादव के रूप में दिल्ली के पास ट्रंपकार्ड है जिनका इकॉनामी रेट छह के करीब है।

स्पिन गेंदबाजी में उनका साथ देने के लिए अक्षर पटेल के अलावा तीसरा विकल्प ट्रिस्टन स्टब्स हैं। पंत अगर टॉस जीतते हैं तो बल्लेबाजी चुन सकते हैं। वैसे डेविड वॉर्नर की चोट उनके लिए चिंता का विषय है हालांकि पहले दो मैचों में जैक फ्रेसर मैकगुर्क ने प्रभावित किया है। सनराइजर्स की बल्लेबाजी जहां बेहतरीन रही है, वहीं उसके गेंदबाजों ने निराश किया है। सिर्फ कप्तान पैट कमिंस (7.87) का इकॉनॉमी रेट ही आठ से नीचे रहा है जो टी20 क्रिकेट में अच्छा माना जाएगा। जयदेव उनादकट और भुवनेश्वर कुमार महंगे साबित हुए हैं। वहीं स्पिनर मयंक मार्कंडेय और शाहबाज अहमद भी प्रभावित नहीं कर सके। अगर दिल्ली को लक्ष्य का पीछा करना है तो उसकी नजरें सनराइजर्स को 210 . 220 के स्कोर पर रोकने पर होगी।

टीमें इस प्रकार

सनराइजर्स हैदराबाद: जयदेव उनादकट, जे सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक।
दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स।

समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

जडेजा का अर्धशतक, सुपरकिंग्स ने सुपर जाइंट्स को 177 रन का लक्ष्य दिया

एजेंसी। लखनऊ

रविंद्र जडेजा के जुझारू नाबाद अर्धशतक से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को यहां लखनऊसुपर जाइंट्स के खिलाफ छह विकेट पर 176 रन बनाए।जडेजा ने 40 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के से नाबाद 57 रन की पारी खेली। उन्होंने मोईन अली (20 गेंद में 30 रन, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने अंत में नौ गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से नाबाद 28 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया। सुपर जाइंट्स की ओर से कृणाल पंड्या सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 16 रन देकर दो विकेट चटकाए। मोहसिन खान, यश ठाकुर, मार्कस स्टोइनिस और रवि बिश्नोई को एक-एक विकेट मिला।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे सुपरकिंग्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 33 रन के स्कोर तक सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र (00) और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (17) के विकेट गंवा दिए। रचिन रविंद्र पारी के दूसरे ओवर में मोहसिन खान की पहली ही गेंद को चूककर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ भी लय में नहीं दिखे और यश ठाकुर की गेंद पर विकेटकीपर लोकेश राहुल को कैच दे बैठे।हाणे अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने मैट हेनरी पर चौके से खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज पर छक्का भी मारा। रहाणे ने यश पर भी लगातार दो चौके जड़े।सुपरकिंग्स ने पावर प्ले में दो विकेट पर 51 रन बनाए।रहाणे और जडेजा दोनों ने लेग स्पिनर रवि बिश्नोई पर चौके मारे। रहाणे हालांकि कृणाल की सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए। उन्होंने 24 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा।मार्कस स्टोइनिस ने अपने पहले ही ओवर में शिवम दुबे (03) को विकेटकीपर कप्तान के हाथों कैच कराके सुपरकिंग्स को बड़ा झटका दिया।सुपरकिंग्स ने इसके बाद समीर रिज्वी को इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतारा। रिज्वी (01) हालांकि इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए और कृणाल की गेंद पर राहुल ने उन्हें स्टंप कर दिया।

जडेजा ने हालांकि एक छोर संभाले रखा। उन्होंने बिश्नोई की गेंद पर दो रन के साथ 15वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।जडेजा ने मोहसिन पर छक्के के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। मोईन ने भी हाथ खोलते हुए 18वें ओवर में बिश्नोई पर लगातार तीन छक्के मारे लेकिन अगली गेंद पर आयुष बडोनी को कैच दे बैठे।धोनी ने अगले ओवर में मोहसिन की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा और फिर अंतिम ओवर में यश की लगातार गेंदों पर भी छक्के और चौके के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

ईशा सिंह, भावेश शेखावत ने आंलपिक चयन ट्रायल के पहले दिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए

नई दिल्ली। ईशा सिंह ने शुक्रवार को यहां ओलंपिक चयन ट्रायल के पहले दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि भावेश शेखावत पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल वर्ग में शीर्ष पर रहे। ईशा ने महिलाओं की स्पोर्ट पिस्टल टी। क्वालीफिकेशन में प्रिसिजन और रैपिड-फायर राउंड में कुल 585 का स्कोर किया, जिससे वह दूसरे स्थान पर काबिज सिमरनप्रीत कौर बराड़ से दो अंक आगे रहीं। डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में मनु भाकर (582) तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि अभिज्ञान पाटिल (577) और रिदम सांगवान (574) क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में भावेश (580) ने लगतार अच्छा प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में देश के लिए कोटा हासिल करने वाले विजयवीर सिद्धू (579) और अनीश (578) का प्रदर्शन भी बेहतर रहा लेकिन आदर्श सिंह (572) और अंकुर गोयल (564) उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

बुमराह के खिलाफ स्वीप शॉट खेलना मेरा सपना था : आशुतोष शर्मा

एजेंसी। मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को स्वीप शॉट खेलना हमेशा से उनका सपना था, जो मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच में पूरा हुआ। आशुतोष ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 28 गेंद में 61 रन बनाए लेकिन उनकी टीम नौ रन से हार गई। आशुतोष ने मैच के बाद मीडिया से कहा , बुमराह को स्वीप शॉट लगाना मेरा सपना था। मैं उस शॉट का अभ्यास कर रहा था और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के सामने वह शॉट खेला। उन्होंने कहा , मुझे भरोसा था कि मैं टीम को मैच जिता सकूंगा। उन्होंने अपने बेहतर प्रदर्शन कर श्रेय पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख और भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ को दिया।

उन्होंने कहा , संजय सर ने मुझे कहा कि मैं स्लॉगर नहीं हूं और विशुद्ध क्रिकेटिया शॉट खेल सकता हूं। यह छोटा या बयान था लेकिन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं इस पर अमल कर रहा हूं। मैं हार्ड हिटर नहीं हूं और क्रिकेट के शॉट खेलता हूं। मैने अपने खेल में यही बदलाव किया। टीम की हार के बावजूद उन्होंने कहा , जीत और हार खेल का हिस्सा है। मायने यह रखता है कि एक टीम के रूप में आप कैसा खेल रहे हैं। अगर हम अच्छा खेलेंगे तो जीतेंगे।

आशुतोष ने अविश्वसनीय पारी खेली : हार्दिक

एजेंसी। मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स के क्रिकेटर आशुतोष शर्मा की आक्रामक पारी की मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और पंजाब के कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन दोनों ने जमकर तारीफ की है। इस आईपीएल सत्र में आशुतोष और शशांक सिंह ने पंजाब के लिए शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन शीर्षक्रम की नाकामी के कारण टीम नौवे स्थान पर खिसक गई है। आशुतोष ने 28 गेंद में 61 रन बनाकर पंजाब को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम नौ रन से चूक गई। पंड्या ने मैच के बाद कहा , अविश्वसनीय। जिस तरह से वह खेल रहा था , उसके भविष्य के लिए अच्छा है। हमने टाइमआउट में इसके बारे में बात की थी। हमने ढीली गेंदें नहीं देने पर जोर दिया। उन्होंने अच्छे शॉट खेले लेकिन हमने भी कुछ ढीली गेंदें डाली थी। पंजाब के कार्यवाहक कप्तान कुरेन ने कहा , एक और करीबी मुकाबला। इस टीम को करीबी मुकाबले पसंद है लेकिन हम फिर हार गए। आशुतोष ने शानदार पारी खेली लेकिन हमने करीबी मुकाबला गंवा दिया। शुरूआत में ही काफी विकेट गंवा दिए लेकिन युवा खिलाड़ी जीत के इतने करीब टीम को ले गए , यह देखकर अच्छा लगा।

गुकेश को फिर संयुक्त बढत, प्रज्ञानानंदा और गुजराती दौड़ से बाहर

एजेंसी। टोरंटो।

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अजरबैजान के निजात अबासोव को हराकर कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढत बना ली लेकिन आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती 12वें दौर के बाद दौड़ से बाहर हो गए। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोज अलीरजा को हराया।

गुकेश और नकामूरा अब रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ शीर्ष पर है जिन्होंने प्रज्ञानानंदा से ड्रॉ खेला। इन तीनों के 7-5 अंक हैं जबकि अमेरिका के फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा छह अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि गुजराती के पांच अंक है। आठ खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के दो दौर बाकी हैं और उनके लिए शीर्ष तीन में जगह बनाना नामुमकिन है। अलीरजा और अबासोव के 4 . 5 अंक हैं।

महिला वर्ग में चीन की झोंग्ई तान ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा से ड्रॉ खेला। रूस की कैटरीना लागनो ने चीन की टी लेइ को ड्रॉ पर रोका। भारत की कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंड्रा गारियाश्किना से ड्रॉ खेला जबकि आर वैशाली ने यूक्रेन की अन्ना एम को हराया। तान के आठ अंक है और लेइ उनसे आधा अंक पीछे हैं। हम्पी, लागनो और गोरियाश्किना छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। वैशाली 5-5 अंक के साथ छठे स्थान पर है। सत्रह वर्ष के गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1959 में बॉबी फिशर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे, जिन्होंने यह टूर्नामेंट खेला।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 बारिश में धुला

रावलपिंडी। तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी टल गई क्योंकि पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। न्यूजीलैंड का स्कोर उस समय एक विकेट पर दो रन था जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। शाहीन शाह अफरीदी ने न्यूजीलैंड के लिए पदार्पण कर रहे टिम रॉबिनसन को बोल्ड कर दिया था। बारिश के कारण मैच प्रति टीम पांच ओवर का कर दिया गया था लेकिन दो ही गेंद डाली जा सकी। टॉस भी हल्की बूंदाबांदी के कारण आधा घंटे देर से हुआ। दूसरा टी20 मैच शनिवार को खेला जाएगा। आमिर और हरफनमौला इमाद वसीम संन्यास का फैसला बदलकर इस श्रृंखला में लौटे हैं। दोनों ने जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भी खुद को उपलब्ध बताया है।

धाविका शालू चौधरी को क्लीन चिट, डीएनए टेस्ट से नमूना दूषित होने का खुलासा

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय डोपिंग निरोधी एजेंसी की अपील पैनल ने मध्यम दूरी की धाविका शालू चौधरी को डोपिंग के आरोपों से बरी करके चार साल का प्रतिबंध हटा दिया है क्योंकि डीएनए टेस्ट में पता चला कि उनके मूत्र के नमूने से या तो छेड़छाड़ की गई या लेते समय वह दूषित हो गया था। तीस वर्ष की चौधरी पर पिछले साल प्रतिबंध लगाया गया था और वह नाडा की अनुशासन समिति के सामने अपील हार गई थी। उन्हें दो प्रतिबंधित दवाओं के कथित इस्तेमाल के कारण प्रतिबंध झेलना पड़ा था। आठ सौ मीटर में राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता चौधरी ने मूत्र के नमूने के डीएनए टेस्ट की मांग की जिसे अनुशासन समिति ने तो खारिज कर दिया लेकिन अपील पैनल ने मान लिया। डीएनए जांच लंदन के किंग्स कॉलेज स्थित फोरेंसिंक विभाग द्वारा कराई गई। अपीली पैनल ने कहा , मूत्र के नमूने के पिछले विश्लेषण में डीएनए प्रोफाइल सही नहीं आया है। डीएनए नमूने की जांच रिपोर्ट को देखते हुए नाडा के वकील कोई और कारण नहीं बता पाए है जिससे अपीली पैनल खिलाड़ी की अपील खारिज करने का फैसला ले। इसने कहा , नाडा के वकील ने डीएनए रिपोर्ट मान ली और इसके नतीजे को चुनौती नहीं दी है। इसके मद्देनजर डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा 11 अप्रैल 2023 को दिया गया फैसला दरकिनार किया जाता है। खिलाड़ी पर लगाया गया चार साल का प्रतिबंध खारिज कर दिया गया है। इसके साथ ही 13 जून 2022 से प्रतिस्पर्धाओं में उनके नतीजे रद्द करने के निर्देश भी खारिज किए जाते हैं। पैनल ने 18 अप्रैल को आदेश दिए जाने के दस दिन के भीतर डीएनए टेस्ट पर हुआ डेढ लाख रूपए का खर्च भी चौधरी को भुगतान करने का नाडा को निर्देश दिया।

देर से पहुंचने के कारण एशियाई क्वालीफायर नहीं खेल सकेंगे पहलवान पूनिया और सुजीत

एजेंसी। नई दिल्ली

बिश्केक में एशिया ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय कुश्ती दल को करारा झटका लगा क्योंकि देश के दो सर्वश्रेष्ठ पहलवान दीपक पूनिया और सुजीत कलाकल समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकेंगे। दुबई में खराब मौसम के कारण उनकी फ्लाइट देर से बिश्केक पहुंची। भारी बारिश और बाढ के कारण दोनों दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे रहे और वजन कराने के समय पर नहीं पहुंच सके। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किलो) तोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। वह और सुजीत (65 किलो) पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने बिश्केक पहुंचे जबकि दुबई से जाने वाली अधिकांश उड़ानें हवाई अड्डे पर पानी भरा होने के कारण या तो रद्द हो गई या देर से पहुंची। रूसी कोच कमाल मालिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ दोनों जमीन पर सोए और दुबई हवाई अड्डे पर बाढ के कारण भोजन उपलब्ध नहीं होने से भूखे भी रहे। सुजीत के पिता दयानंद कलाकल ने कहा था , दोनों 16 अप्रैल से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे थे। उन्हें बिश्केक की उड़ान नहीं मिल रही थी। मैं दोनों को लेकर चिंतित हूं। दोनों रूस में अभ्यास कर रहे थे और उन्होंने दुबई के रास्ते बिश्केक पहुंचने का फैसला लिया था। पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर मई में तुर्की में खेला जाएगा।

पंड्या पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा

एजेंसी। मुल्लांपुर

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में पंजाब किंग्स पर नौ रन की रोमांचक जीत के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव की 53 गेंदों में 78 रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत सात विकेट पर 192 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने के बाद पंजाब किंग्स की पारी को 19.1 ओवर में 183 रन पर समेट दिया। आशुतोष शर्मा की 28 गेंदों में 61 और शशांक सिंह की 25 गेंद में 41 रन की पारी से पंजाब की टीम जीत के करीब पहुंचाया लेकिन टीम आखिरी ओवरों लक्ष्य से नौ रन दूर रह गई। आईपीएल से जारी विज्ञप्ति में शुक्रवार को कहा गया, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर स्थित पीसीए के नए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के बाद जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा, आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।